नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 39

सोमवार, 10 से 16 नवम्बर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा में विभिन्न विकास परियोजनाओं... 03

सादरिस्ट का बहिष्कार,कम वोटिंग और सुरक्षा... 08

NCR समाचार

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया 10

सर्दियों में आपकी सेहत 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

यामी और इमरान से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला 12

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने तीन चौथाई से भी बड़े बहुमत के साथ राज्य के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व तथा अप्रत्याशित जीत दर्ज की है और विपक्षी महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है।

कुल 243 सदस्यीय विधान सभा के चुनाव की शुक्रवार को हुई मतगणना में अब तक प्राप्त नतीजों और रुझानों में राजग को 202 और महागठबंधन को 35 सीटें मिलने जा रही हैं जबकि छह सीटों पर अन्य उम्मीदवार विजय हुए हैं। बिहार में पहली बार चुनावी मैदान में उतरी जनसुराज का खाता भी नहीं खुल पाया है।

राज्य के मतदाताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और 'वोट चोरी' के विपक्ष के आरोपों को नकारने के साथ-साथ महागठबंधन के प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने के लुभावने वादे भी नजरंदाज किया । बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जोड़ी के नेतृत्व पर पुनः भरोसा जताया है और उनके सुशासन और विकास के वादों को तरजीह दी है। माना जा रहा है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की राशि की योजना ने राजग को अप्रत्याशित जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्य में राजग के करीब 20 वर्ष के लंबे शासन के बावजूद मतदाताओं में सत्ता विरोधी लहर नहीं थी और नीतीश सरकार के चुनाव लड़ रहे ज्यादातर मंत्री अच्छे अंतर से जीते हैं।

राज्य में सबसे अधिक 143 सीटों पर लड़ने वाली राजद को परिणामों से भारी झटका लगा है। पिछले चुनाव में वह 75 सीटों के साथ विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। पिछले चुनाव में 19 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस को भी इस बार कड़ी शिकस्त मिली है।

राजग में 101-101 सीटों पर लड़ने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सबसे अधिक 89 सीटें और जनता दल यू को 85 सीटें मिल रही हैं। गठबंधन के अन्य घटक दलों में 29 सीटों पर लड़ने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 19 और हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा को पांच तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा को चार सीटें मिली हैं। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को 25 , कांग्रेस को छह , भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा- माले) को दो और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को एक सीट मिल रही है।

इसके अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को पांच और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक सीट पर सफलता मिलती नजर आ रही है। राजद सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को हार का सामना करना पड़ा है जिन्हें चुनाव से कुछ ही समय पूर्व राजद और परिवार से अलग-थलग कर दिया गया था। उन्होंने अपनी नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' बनाकर चुनाव लड़ा था।

महागठबंधन ने राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था लेकिन इस बार अपनी सीट पर उनकी जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में आधे से कम रहा। गठबंधन के उप मुख्यमंत्री पद के चेहरे मुकेश सहनी की पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही। चुनाव परिणामों ने राजनीतिक पंडितों और चुनाव विश्लेषकों के सभी आकलनों को बहुत पीछे छोड़ दिया। सभी एग्जिट पोल यद्धपि राजग की जीत का अनुमान लगा रहे थे लेकिन किसी ने भी इस तरह के परिणामों का अनुमान नहीं लगाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को सुशासन, विकास, जन-कल्याण की भावना और सामाजिक न्याय की जीत बताते हुए कहा है कि यह प्रचंड जीत गठबंधन को नये संकल्प के साथ जनता की सेवा करने की शक्ति प्रदान करेगी।

बिहार ने लोकतंत्र के दुश्मनों को करारा जवाब दिया: प्रधानमंत्री

बिहार की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार वह पावन भूमि है, जिसे लोकतंत्र की मातृभूमि होने का सौभाग्य प्राप्त है। आज इसी मिट्टी ने लोकतंत्र पर प्रहार करने वाली शक्तियों को करारी शिकस्त दी है। बिहार ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि असत्य का पतन होता है, जबकि जनता का विश्वास हमेशा विजयी होता है। बिहारवासियों ने बुलंद आवाज में घोषणा कर दी कि जमानत पर घूमने वालों को जनसमर्थन नहीं मिलेगा। अब भारत सशक्त सामाजिक न्याय के लिए मतदान कर रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि बिहार में अब तुष्टिकरण का दौर समाप्त हो चुका है और संतुष्टिकरण का युग प्रारंभ हो गया है। संतुष्टिकरण ही सबसे बड़ा मानदंड है। बिहार के निवासी अब तीव्र विकास की कामना कर रहे हैं और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं।

अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय यात्रा के बाद स्वदेश लौटीं मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय यात्रा के बाद शुक्रवार को दिल्ली लौट आयीं।

श्रीमती मुर्मु आठ नवंबर से अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय यात्रा पर थीं। भारत के राष्ट्रपति की इन दोनों अफ्रीकी देशों की यह पहली राजकीय यात्रा थी। इस दौरान वह चार दिन अंगोला की यात्रा पर रहीं और फिर मंगलवार को बोत्सवाना पहुंची थीं।

राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को श्रीमती मुर्मु के स्वदेश लौटने की जानकारी दी। श्रीमती मुर्मु ने इस यात्रा के दौरान ऊर्जा, व्यापार और निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों अफ्रीकी देशों के साथ मजबूत संबंधों के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

अंगोला की यात्रा के दौरान उन्होंने वहां के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि अंगोला भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति अंगोला के बाद मंगलवार को बोत्सवाना पहुंची और वहां के राष्ट्रपति डुमा बोको के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। राजकीय यात्रा के अंतिम दिन उन्होंने गुरुवार को बोत्सवाना के उपराष्ट्रपति नदाबा नकोसिनाथी गाओलाथे और विदेश मंत्री के साथ अहम बैठक की।

एक नजर

आधार संबंधी निर्देश पहले से ही जारी : ईसीआई

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया कि आधार को केवल पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा, न कि नागरिकता प्रमाण के रूप में। आयोग ने कहा कि नौ सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को यह निर्देश जारी किए गए। शीर्ष अदालत में दाखिल जवाब में, चुनाव आयोग ने कहा कि अदालत ने 8 सितंबर को मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए आधार के उपयोग को पहले ही स्पष्ट कर दिया था। इसमें कहा गया कि अदालत ने पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से आधार कार्ड का उपयोग करने को कहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि उपरोक्त आदेश का पालन करते हुए, आयोग ने 9 सितंबर, 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को बिहार की संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या बाहर करने के लिए आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं, बल्कि पहचान के प्रमाण के रूप में उपयोग करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की सुनवाई स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने शनिवार को आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले की सुनवाई 6 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। भिवंडी के संयुक्त सिविल जज, जूनियर डिवीजन, पी. एम. कोलसे वर्तमान में इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। शनिवार को शिकायतकर्ता राजेश कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर अशोक सायकर से गवाह के तौर पर पूछताछ करने की अनुमति मांगते हुए एक आवेदन दायर किया। मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होनी थी। हालांकि, राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने उस दिन उनकी (गांधी की) कानूनी टीम की अनुपलब्धता के कारण स्थगन की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया।

मेडिकल कॉलेज सीट संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मेडिकल कॉलेज में सीट संबंधी एक याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को एक ऐसी व्यवस्था बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया जिससे भारत के मेडिकल कॉलेज में कोई भी स्नातकोत्तर सीट खाली न रहे। याचिका में आयोग को यह निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया कि वह यह आंकड़ा प्रस्तुत करे कि पिछले पांच साल में स्नातकोत्तर प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल शाखाओं में कितनी सीट खाली रहीं। इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने इस साल जनवरी में एक अन्य याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में सीट खाली नहीं रखी जा सकतीं।

सीएसआईआर और इसरो मिलकर स्पेस मीट 2025 का करेंगे आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और इसरो मिलकर 17 नवंबर को सीएसआईआर-इसरो स्पेस मीट 2025 का आयोजन करने जा रहे हैं।

यह आयोजन बेंगलुरू में होगा, जिसका उद्देश्य ह्यूमन स्पेसफ्लाइट रिसर्च, माइक्रोग्रेविटी स्टडीज और स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन को बेहतर बनाने में भारत के प्रमुख वैज्ञानिकों और स्पेस इंस्टीट्यूशन के बीच साझेदारी को मजबूत बनाना है। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, टेक्नोलॉजिस्ट, अंतरिक्ष यात्रियों और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 150 से 200 लोगों के भाग लेने की उम्मीद की जा रही है।

मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सीएसआईआर-इसरो स्पेस मीट 2025 सीएसआईआर की बहु-विषयक रिसर्च और इसरो की मिशन-ड्रिवन टेक्नोलॉजिकल जरूरतों को इंटीग्रेट करने पर फोकस करेगा। इस कॉन्फ्रेंस में ह्यूमन स्पेसफ्लाइट फिजियोलॉजी, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन, मटेरियल साइंस, माइक्रोग्रेविटी में लाइफ साइंस, स्पेसक्राफ्ट मेनटेनेंस और ऑपरेशन के लिए एडवांस सिस्टम्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा होगी।

कार्यक्रम में स्पेस में प्लांट की ग्रोथ, स्पेस फूज का डेवलपमेंट, माइक्रोफ्लूडिक्स और सिरेमिक मेटामटेरियल्स जैसे क्षेत्रों में इनोवेशन पर भी चर्चा होगी।

इसके अलावा, ऐसे सत्र भी आयोजित किए जाएंगे जिनमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री अपना अनुभव साझा करेंगे। इसमें भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) और इसरो के अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन प्रशांत बी. नायर शामिल होंगे। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री और नासा के अंतरिक्ष शटल मिशन के अनुभवी जीन-फ्रांस्वा क्लरवॉय का एक विशेष वीडियो संदेश भी पेश किया जाएगा।

मंत्रालय का कहना है कि इस पहल जरिए सीएसआईआर और इसरो वैज्ञानिक संस्थानों के बीच मजबूत रिसर्च लिंक बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली धमाके में सजिश रचने का भी केस

अल फलाह हेड क्वार्टर पर दबिश, कई डॉक्टरों की तलाश

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के लालकिला के पास हुए धमाके की तेज हो गई है और अब इस मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अब ह्यआपराधिक साजिशह्व रचने की धारा के तहत त्रक्क दर्ज की है। दरअसल लाल किले पर बम विस्फोट के बाद स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। लेकिन अब दिल्ली पुलिस की एंटी टेरर यूनिट स्पेशल सेल ने इस मामले में अलग से एफआईआर दर्ज की है। जांच टीम ने यह आशंका जताई है कि फरीदाबाद में पकड़ा गया मॉड्यूल कथित तौर पर कई कार बम धमाके की योजना बना रहा था, लेकिन हमलों को अंजाम देने से पहले ही उसकी योजना का पदार्फाश हो गया तो इसमें कई फरार हो गए थे।

अन्य संदिग्धों के शामिल होने का शक

फरार होने वालों में लालकिले पर हमला करने वाले डॉ. उमर के तार फरीदाबाद मॉड्यूल के साथियों व कुछ अन्य संदिग्धों के शामिल होने का शक है। उधर अल फलाह यूनिवर्सिटी के दिल्ली स्थित ओखला हेडक्वार्टर पर दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची थी और दस्तावेजो की जांच की गई है। हालांकि वहां जाने व जांच का मकसद क्या था, फिलहाल इसके बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। सूत्रों के मुताबिक यहां से कुछ जरूरी जानकारी हासिल की गई है, जिसकी जांच करनी है।

3 डॉक्टरों को हिरासत में लेकर पूछताछ

वहीं अल फलाह यूनिवर्सिटी के तीन अन्य डॉक्टरों को हिरासत में पूछताछ भी की जा रही है। पूछताछ को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक इनमें से एक धमाका वाले दिन दिल्ली में ही था। हालांकि डॉक्टर ने शुरूआती पूछताछ में यह बताया है कि वह दिल्ली में किसी इंटरव्यू के सिलसिले में आया था। वहीं नूह से जांच एजेंसियों ने दिनेश उर्फ डब्बू नाम के एक शख्स से पूछताछ कर रही है। दरअसल उसपर बिना लाइसेंस के खाद सामग्री बेचने का आरोप है। जिसकी जांच की जा रही है

कई डॉक्टर्स की तलाश

सूत्रों के मुताबिक अब तक गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों और डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने एनटीटीसी में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नागालैंड टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर (एनटीटीसी) में कौशल विकास के लिए एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने दर्शकों को संबोधित किया।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, नागालैंड के युवा बेहद क्रिएटिव और उत्साही हैं। चाहे वह टेक्स्टाइल हो, लकड़ी का काम हो या किसी तरह का कोई दूसरा क्राफ्ट हो हर जगह उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाई देता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि इस अवसर के साथ आप अपने जीवन, नागालैंड के भविष्य और इस राज्य के विकसित भारत में योगदान को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएंगे।

निर्मला सीतारमण कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त मंत्री की उपस्थिति में साइएंट टेक और एनटीटीसी के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी हुआ। इससे पहले वित्त मंत्री एसएएससीआई परियोजनाओं की समीक्षा बैठक का भी हिस्सा बनीं। निर्मला सीतारमण कार्यालय के अनुसार, नागालैंड को एसएएससीआई आवंटन 2020-21 में 3 सेक्टर से बढ़कर 2024-25 में 9 सेक्टर तक हो गया है। इसके अलावा, पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र द्वारा एसएएससीआई सहायता के कारण राज्य पूंजीगत व्यय 2020-21 के 1,677 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 2024-25 में 4,593 करोड़ हो गया है। वित्त मंत्री ने नागालैंड के चुमौकेदिमा में एसएएससीआई योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा फंडेड परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने राज्य में एसएएससीआई के तहत दो और परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने एनटीटीसी दीमापुर में ऑटोमोबाइल वर्कशॉप, ट्रेनिंग ब्लॉक और एग्रो-बेस्ड रूरल टेक्नोलॉजी यूनिट्स सहित प्रमुख फैसिलिटी का दौरा भी किया। वित्त मंत्री अपने इस तीन दिवसीय नागालैंड दौरे में इससे पहले कोहिमा में थीं। यहां उन्होंने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) में स्टूडेंट्स एडवांसिंग माइंडसेट्स इन एआई, रोबोटिक्स, टेक्नोलॉजी एंड डिजिटल हार्डवेयर (समर्थ) का शुभारंभ किया।

बिहार की बड़ी जीत से भाजपा के 'मिशन बंगाल' को मजबूती

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की बड़ी जीत से पार्टी के 'मिशन बंगाल' को मजबूती मिली है। इससे उसके कार्यकताओं के हौंसले बढ़े हैं। साथ ही चुनाव रणनीतिकारों के लिए अपनी कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल वातावरण बना है। भाजपा अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल को भुनाने की अपनी कोशिशों को तेज करेगी। राज्य में भाजपा नेताओं के दौरे भी आगामी दिनों में बढ़ेंगे। बिहार की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के लिए दिया गया संदेश भाजपा की भावी रणनीति के लिए काफी महत्वपूर्ण है। मोदी ने शुक्रवार शाम भाजपा मुख्यालय में अपने संबोधन में दो टूक कहा था कि गंगा बिहार से बंगाल पहुंचती है। बिहार ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की विजय का रास्ता भी बना दिया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए भाजपा ही एक मात्र चुनौती है, क्योंकि कांग्रेस और वामपंथी दल लगभग हाशिए पर हैं। इनका बीते चुनाव में खाता भी नहीं खुला था।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

दिल्ली विस्फोट पर पवन खेड़ा का गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला, पूछा- 2900 किलो विस्फोटक कैसे पहुंचा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। इस विस्फोट में 12 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने सवाल किया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री राष्ट्रीय राजधानी से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर फरीदाबाद कैसे पहुँची? खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ÷हैरानी की बात है कि इस घटना के 48 घंटे बाद, कैबिनेट ने स्वीकार किया कि यह एक आतंकवादी घटना थी। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।

पवन खेड़ा ने सवाल किया कि इतनी सारी सुरक्षा एजेंसियाँ हैं, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह हैं, (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोभाल हैं... जो कहते हैं कि हमारी सतर्क नज़र हमेशा बनी रहती है। फिर भी, 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री फरीदाबाद कैसे पहुँच गई? पवन खेड़ा ने कहा कि पुलवामा हमले को लेकर हम लगातार सवाल पूछते रहे कि आरडीएक्स वहाँ कैसे पहुँचा, और इसका जवाब आज तक नहीं मिला। अब, राजधानी दिल्ली से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर

2,900 किलोग्राम विस्फोटक पहुँच गया है; सवाल यह है कि यह कैसे पहुँचा? फिर, लाल किले के पास हुए विस्फोट में जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं; आखिर इसकी ज़िम्मेदारी कौन ले रहा है? ये पूरे देश का सवाल है, और हम कहते रहे हैं कि सरकार सख्त कदम उठाए; हम उनके साथ हैं। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट स्थल पर विस्तृत जाँच चल रही है, दिल्ली पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के कर्मी गुरुवार को संयुक्त रूप से जाँच कर रहे हैं। अब तक, लाल किले के पास हुए विस्फोट के लिए कथित तौर पर ज़िम्मेदार कुल आठ लोगों में एक महिला सहित कम से कम तीन डॉक्टर शामिल हैं। आरोपी डॉ. उमर नबी की पहचान उस हुंडई द्व20 कार के चालक के रूप में भी हुई है जिससे विस्फोट हुआ था।

तीनों डॉक्टर फिलहाल गिरफ्तार हैं, जबकि डॉ. उमर की कार विस्फोट में मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग हाल ही में ध्वस्त हुए एक ÷अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल÷ का हिस्सा हैं, जिसमें डॉक्टर, मौलवी और व्यवसायी समेत कई पेशेवर लोग शामिल हैं। प्रारंभिक जाँच के अनुसार, अधिकारियों ने कहा है कि यह विस्फोट संभवतः कई जगहों पर हमले करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। लाल किले पर द्व20 में हुए विस्फोट के बाद अधिकारियों ने एक इकोस्पोर्ट और एक ब्रेज़ा सहित कई वाहनों को ज़ब्त कर लिया है, और अन्य वाहनों की तलाश जारी है।

रोहतास जिले में ईवीएम की सुरक्षा को लेकर राजद का हंगामा... डीएम ने किया खंडन

पटना(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा रोहतास जिले में ईवीएम (ईवीएम) को मतगणना केंद्र के अंदर घुसपैठ से ले जाने के आरोप और जिलाधिकारी द्वारा इसका खड़न किया गया है। राजद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आरोप लगाया कि प्रशासन बिना किसी पूर्व सूचना के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को सासाराम विधानसभा क्षेत्र के तकिया बाजार समिति परिसर स्थित वज्र गृह मतगणना केंद्र के अंदर ले जा रहा था। इस आरोप के बाद, बुधवार देर रात राजद कार्यकर्ता और समर्थक मतगणना केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन करने और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से स्पष्टीकरण की मांग करने के लिए एकत्र हुए। इसके बाद रोहतास की जिलाधिकारी उदिता सिंह ने राजद के दावे का खंडन किया। उन्होंने कहा कि ट्रक में खाली स्टील के बक्से थे, न कि ईवीएम मशीन थी। डीएम ने बताया कि उन्हें सूचना मिलने के बाद, उन्होंने जाँच में पाया कि ट्रक शाम 7ः59 बजे बाज़ार समिति में घुसा था और उसकी प्रविष्टि लॉगबुक में दर्ज थी, जिसमें लिखा था कि ट्रक खाली बक्सों से भरा था। ट्रक की जाँच मौजूद सभी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों की मौजूदगी में की गई। हर बक्सा निकाला गया और सभी बक्से खाली पाए गए। जाँच के बाद, सभी बक्सों को वापस ट्रक में लोड कर दिया गया। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से पहले सभी से अफ़वाहें न फैलाने का आग्रह किया। रोहतास के एसपी रौशन कुमार ने बताया कि सुरक्षा के 3 स्तर हैं, जिसमें पुलिस, विशेष सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) शामिल हैं।

कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण से मौत... बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकारा

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणियाँ महाराष्ट्र के अमरावती ज़िले के मेलघाट क्षेत्र में बच्चों में कुपोषण के गंभीर संकट को उजागर करती हैं। महाराष्ट्र का आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र (अमरावती ज़िला)। जून और नवंबर 2025 के बीच, छह महीने से कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण के कारण मृत्यु हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट (न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की खंडपीठ) ने इसे भयावह बताते हुए राज्य सरकार की प्रतिक्रिया को बेहद लापरवाह और असंवेदनशील कहा है। अदालत ने ज़िक्र किया कि सरकारी विभागों को 2006 से इस मुद्दे पर आदेश मिल रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हालात में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हाईकोर्ट ने जोर दिया कि यह आँकड़ों का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व और करुणा का मामला है, जो जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार से जुड़ा है। अदालत ने लोक स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, महिला एवं बाल कल्याण और वित्त विभागों के प्रमुख सचिवों को 24 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह दर्शाता है कि बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर राज्य सरकार के प्रयासों की कमी को लेकर न्यायपालिका कितनी चिंतित है।

दिल्ली धमाका, देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश : शाही इमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए ब्लास्ट मामले की शाही इमाम मौलाना सैयद अहमद बुखारी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना पर गहरा दुख जाहिर करते कहा कि देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश है जिसे समाज के हर तबके को मिलकर नाकाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमला देश की एकता और अखंडता पर प्रहार है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी नागरिकों को, चाहे वे किसी भी धर्म या समुदाय से हों, एकजुट होकर इस तरह की हिंसक घटनाओं के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। इमाम ने कहा कि देश के मुसलमान भारतीय हैं और कश्मीरियों, सिख भाइयों तथा अन्य समुदायों के साथ मिलकर आतंकवाद के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई हो इसपर और इंसाफ होता हुए भी दिखे। उन्होंने कहा कि घटना से देश में भय फैलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमें अपने देश की सुरक्षा और अमन बनाए रखने के लिए एकजुट रहना होगा। शाही इमाम ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की कि आतंकवादी हमले की पूरी तरह से जांच कराएं और इसके पीछे मौजूद अपराधियों को सख्त से सख्त सज़ा दी जाए।

जीएसटी चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला, कार को ट्रक से मारी टक्कर, सबूत भी छीन कर भागे

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र में जीएसटी चोरी के नेटवर्क पर छापा मारने गई डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) की टीम पर हमला हो गया। आरोपियों ने सरकारी गाड़ी को ट्रक से टक्कर मार दी और सबूत के तौर पर जब्त किए गए दो सीपीयू छीनकर भाग गए। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बासनी थाना अधिकारी नितिन दवे के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 7ः15 बजे जयपुर से आई डीजीजीआई टीम बिश्नोई रोड लाइंस नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय पर पहुंची थी। ऑफिस बंद था, तभी सुनील बिश्नोई नामक व्यक्ति आया और ताला खोलने के बाद सीपीयू ले जाने लगा। टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो पुखराज खावा और उसके साथियों ने धक्का-मुक्की व हाथापाई की। आरोपियों ने टीम से दोनों सीपीयू छीन लिए, एक को कार में रखकर साथी भगा ले गया और दूसरा ट्रक में रख लिया। भागते समय ट्रक ने टीम की सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के अनुसार, इन सीपीयू में फर्जी बिलिंग और जीएसटी चोरी से जुड़े अहम डेटा हो सकते हैं। डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में करोड़ों की कर चोरी के एक नेटवर्क पर कार्रवाई करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपी फर्जी बिल्टी और बोगस बिलिंग के जरिए टैक्स चोरी कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि कार और ट्रक के नंबर व हमलावरों की पहचान की जा सके। गिरफ्तार सुनील बिश्नोई से पूछताछ जारी है।

पुणे जिले में तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला किया

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में हुई चौंकाने वाली घटना में एक तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला कर दिया। पुणे जिले के जुन्नर तालुका का ओतूर इलाका, नगर कल्याण राजमार्ग पर अहिनवेवाड़ी फाटा के पास ये घटना हुई। नीलेश सीताराम डोके (35 वर्ष), जो कि एक किसान, अपनी मोटरसाइकिल पर खाद की बोरी लेकर घर लौट रहा था। तभी सड़क किनारे झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक पीछे से झपट्टा मारा और किसान को गिरा दिया। नीलेश बाइक समेत सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। वह बाइक के साथ दूर तक घिसटते चले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और अब वायरल हो रही है। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत पहले गंभीर थी, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक अब स्थिर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेंदुआ हमले के बाद डरकर भाग गया और पास के जंगल की ओर चला गया। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही थी, लेकिन वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रशासन की कार्रवाईः ओतूर पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और निरीक्षण किया। आसपास के इलाकों में सर्च अभियान शुरू किया गया है। वन विभाग ने लोगों से रात में अकेले खेतों या सुनसान रास्तों पर न जाने और सतर्क रहने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन ने कैमरा ट्रैप लगाने और वन्यजीव निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई है।

छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने की नई योजना

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार छोटे और बंद पड़े हवाई अड्डों पर पुनः उड़ान शुरू करने के लिए नई योजना तैयार की है। केंद्र सरकार ने उन हवाई अड्डों के ऊपर विशेष ध्यान दिया है।जहां ट्रैफिक नहीं होने के कारण एयरलाइन कंपनियां हवाई यात्रा शुरू करने के बाद बंद कर देती हैं।

धामी सरकार के फैसले के बाद जागी, संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में संविदा, दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप में कार्यरत कार्मिकों के नियमितीकरण से जुड़ा मामला है। 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस जगी है। कैबिनेट ने इसतरह के कार्मिकों के लिए कट-ऑफ डेट तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल की समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी रिपोर्ट कैबिनेट के समक्ष रखेगी।

पूर्व की नीतियाँः 2013 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन कई विभाग समय से कार्रवाई नहीं कर पाए। 2016 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन विवादों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। कैबिनेट ने 2018 तक दस वर्ष की नियमित सेवा करने वालों को विनियमित करने का निर्णय लिया है। भविष्य के लिए कट-ऑफ डेट के संबंध में मंत्रिमंडल की उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

बात दें कि उत्तराखंड सरकार ने 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए नई कट-ऑफ डेट और भविष्य की नीति तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली ब्लास्ट: घायलों से मिले पीएम मोदी तो आप नेता ने फोटो खिंचवाने का बताया मौका

बीजेपी का पलटवार, आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि घायल पीड़ितों से मिलने के लिए अस्पताल का उनका दौरा महज एक फोटो खिंचवाने का मौका था, क्योंकि इस दौरे के दौरान मरीजों को प्लास्टर की पोशाक दी गई थी। आप नेता भारद्वाज ने प्रधानमंत्री के दौरे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घायलों से मिलने की एक तस्वीर को हाईलाइट किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मोदी दोनों एक ही पीड़ित से मिले, आप नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के दौरे के समय मरीज को नई पोशाक और नया प्लास्टर लगाया गया था।

आप नेता भारद्वाज ने पोस्ट कर लिखा कि 11 नवंबर को मरीज़ से पहले सीएम रेखा गुप्ता मिली, अगले दिन उसी मरीज पीएम मोदी मिले। नए कॉस्ट्यूमः, हाथ में नया प्लास्टर। वहीं, दिल्ली भाजपा ने आप नेता को जवाब देकर कहा कि आखिर ये आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो। हर बार सोचते हैं, अब इससे नीचे नहीं जा सकते लेकिन आप-दा गैंग फिर ये साबित कर देता है कि नीचता की कोई हद नहीं होती।

बीजेपी ने पोस्ट कर कहा कि अरे हारे हुए विधायक व पढ़े-लिखे अनपढ़ भारद्वाज, अगर जरा भी अक्ल बाकी हो, जान लो मुख्यमंत्री रेखा घटना के तुरंत बाद घायलों से मिलने पहुंची थीं। तब इलाज शुरू ही हुआ था, और रिपोर्ट्स आने में समय लगता है। पर आपको कहां समझ आएगा? असल में दोष आपका भी नहीं है, आप पासआउट हैं केजरीवाल स्कूल ऑफ मिसइन्फॉर्मेशन से पार्टी ने आगे लिखा कि जहां सच बोलना गुनाह और झूठ फैलाना हुनर माना जाता है। जनता अब सब समझ चुकी है। आप के लिए हर घटना पब्लिसिटी स्टंट बन जाती है, और हर पीड़ित इंसान आप की घटिया राजनीतिक रोटियां सेंकने का जरिया।

राजस्थान की दो महिला नेताओं को प्रियंका गांधी वाड्रा ने दी खास जिम्मेदारी... सियासी चर्चा तेज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की दो महिला नेता सांसद संजना जाटव और रेहाना रियाज को पार्टी हाई कमान ने बड़ी जिम्मेदारी दी हैं। इस लेकर राजस्थान की सियासत में काफी चर्चा हैं। सांसद जाटव को मध्यप्रदेश प्रभारी और रेहाना को महाराष्ट्र प्रभारी बनाने के पीछे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की बड़ी भूमिका सामने आ रही है। इसके पीछे चर्चा हैं, कि प्रियंका गांधी वाड्रा को शुरू से ही राजस्थान काफी रास आता रहा है। प्रियंका संगठन में महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने की पक्षधर रही है।

बता दें कि संजना सबसे कम उम्र 25 साल में धौलपुर-भरतपुर की लोकसभा सांसद चुनी गई। उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज सचिन पायलट का यह रिकॉर्ड तोड़ा है। संजना के कम उम्र में सांसद बनने और कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी मिलने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का विषय है। इसके पीछे सचिन और प्रियंका गांधी का वरदहस्त माना जा रहा है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में संजना के टिकट को लेकर सचिन पायलट की बड़ी भूमिका मानी गई। उनके ही प्रयास के चलते संजना को लोकसभा में टिकट मिला और चुनाव जीती। चर्चा यह भी रही कि सचिन ने ही प्रियंका गांधी वाड्रा से संजना जाटव की मुलाकात कराई थी। माना जा रहा है कि तभी से संजना जाटव प्रियंका गांधी की नजरों में थी। इस समीकरणों को देखते हुए उन्हें हाल ही में मिली मध्य प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी से जोड़कर देखा गया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी के तौर पर राजस्थान कांग्रेस की महिला नेता रेहाना चिश्ती को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पहले रेहाना रियाज गहलोत सरकार में महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी है। वह मूल रूप से केरल निवासी हैं। जिन्होंने चूरू में शादी की थी। रेहाना लंबे समय से प्रदेश संगठन में पदाधिकारी रह चुकी है और उन्हें वेणुगोपाल के करीबी में माना जाता है। इसी को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी के प्रयास के चलते ही उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं, क्योंकि प्रियंका गांधी महिला नेताओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रहती हैं।

बता दें कि प्रियंका गांधी राजस्थान में कई बार रणथम्भौर विजिट के लिए आती रहती है। इस बीच उन्होंने कई बार राजस्थान की युवा और महिला नेताओं से कोऑर्डिनेशन किया है। बता दें कि प्रियंका गांधी संगठन में युवाओं और महिलाओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रही है।

कार विस्फोट में रिक्शा चालक की मौत, परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

-छोटे-छोटे बच्चों के रुक नहीं रहे आंसू, मुआवजे की राशि देने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किला के पास हुए कार विस्फोट में मोहसिन की भी मौत हो गई। वह अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। बच्चों के पिता की याद में आंसू नहीं रुक रहे हैं वह अपने पापा को याद कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली और केंद्र सरकार से गुहार लगाई है कि इस घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना न हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहसिन के बच्चों ने कहा कि पिता के जाने के बाद हम अकेले पड़ गए हैं। सरकार हमारे भविष्य को लेकर कुछ सोचे। मोहसिन के भाई नदीम ने बताया कि उनका बड़ा भाई मोहसिन अब इस दुनिया में नहीं रहा। वह करीब 35-36 साल का था। विस्फोट में उसकी मौत हो गई। नदीम ने बताया कि विस्फोट के बाद उसने भाई को घंटों ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उनका नाम पीड़ितों की शुरुआती सूची में भी नहीं था। वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बच्चे हैं। वे किराए के मकान में रहते हैं और हमें सरकार से कोई सहायता नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मोहसिन का पूरा शरीर जल गया था। केवल उनका चेहरा ही पहचाना जा सका, जिससे हम शव की शिनाख्त कर पाए। मोहसिन के बहनोई ने बताया कि जब विस्फोट के बारे में पता चला, तब वह अहमदाबाद में थे। मोहसिन के बच्चे बहुत छोटे हैं। परिवार दिल्ली में किराए के मकान में रह रहा था। सरकार ने घोषणाएं की हैं, लेकिन हमें अभी तक कोई मदद नहीं मिली है। हम चाहते हैं कि सरकार मोहसिन के परिवार का ध्यान रखे और मुआवजे की राशि दे। मोहसिन की भाभी ने कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई। हमारे परिवार ने एक सदस्य को खो दिया। इस घटना में शामिल दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। मोहसिन के परिवार को भी न्याय चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की गहनता से जांच करनी चाहिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

धर्मेंद्र अस्पताल से घर आए खुशी है पर, बच्चों की रातों की नींद उड़ गईः हेमा मालिनी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र 11 दिन तक अस्पताल में रहने के बाद घर पहुंच गए है। उनका वही इलाज चल रहा है। घर पहुंचने की इस खबर ने लोगों के चेहरे पर खुशी ला दी। लेकिन अभी धर्मेंद्र पूरी तरह ठीक नहीं हैं। धरम पाजी की सेहत को लेकर उनके परिवार और डॉक्टर दोनों ने शेयर की। हेमा मालिनी धर्मेंद्र को लेकर एक भावुक बयान दिया है। हेमा मालिनी ने अपनी भावनाएं साझा कीं। हेमा ने कहा- 'यह मेरे लिए आसान समय नहीं रहा। धरम जी की सेहत हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है। उनके बच्चों की रातों की नींद उड़ी हुई है। ऐसे कठिन में मैं कमजोर नहीं पड़ सकती, क्योंकि मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां हैंज लेकिन हां, मैं खुश हूं कि वे घर लौट आए हैं। हम राहत महसूस कर रहे हैं कि वे अस्पताल से बाहर हैं। इस समय उन्हें उन लोगों के बीच रहना चाहिए, जिन्हें वे प्यार करते हैं। बाकी तो सब ऊपर वाले के हाथ में है। कृपया हमारे लिए प्रार्थना कीजिए।

डॉ प्रतित समदानी ने बताया था कि 89 साल के धर्मेंद्र को डिस्चार्ज किया गया है और अब उनका इलाज और रिकवरी घर पर ही चलेगी। हेमा मालिनी ने इस मुश्किल वक्त पर अपनी भावनाओं को शेयर किया। उन्होंने ही-मैन का हेल्थ अपडेट के साथ घरवालों का हाल भी बताया। धर्मेंद्र अस्पताल में जब तक भर्ती रहे। तब तक पूरा देओल परिवार एक दिखा। सनी-बॉबी से लेकर ईशा और हेमा मालिनी सभी अस्पताल में उनके लिए आते-जाते नजर आए। 11 दिनों के बाद अब धरम पाजी घर पहुंच गए हैं। उनके घर पहुंचने के बाद जहां रिश्तेदारों और सिनेमा इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का आना जाना लगा हैं।

जेल से आते ही पार्थ चटर्जी ने कबूला अर्पिता से 'खास रिश्ता', कहा- टीएमसी में और कई हैं ऐसे, दीदीमोनी को भी है पता

कोलकाता (एजेंसी)। तीन साल बाद ज़मानत पर रिहा हुए पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी (73) ने यह स्वीकार करके राज खोल दिया है कि मामले की सह-आरोपी अर्पिता मुखर्जी उनकी प्रेमिका थीं। उन्होंने आगे दावा किया कि बंगाल में कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों की अपनी शादी के बाहर रंगीन रोमांटिक ज़िंदगी है और यहाँ तक कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इसकी जानकारी है। सरकार उस समय शर्मसार हो गई थी जब प्रवर्तन निदेशालय ने अर्पिता के फ्लैटों से 50 करोड़ रुपये बरामद किए थे, जिसके बाद घोटाले के सिलसिले में अर्पिता और पार्थ दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सेक्स टॉयज़ की बरामदगी भी अफवाहों का बाजार गर्म करने वाली रही। जेल से रिहा होने के बाद एक मीडिया चैनल को दिए गए एक विस्फोटक साक्षात्कार में, ममता बनर्जी के पूर्व करीबी सहयोगी ने स्वीकार किया कि अर्पिता उनकी प्रेमिका है और सवाल किया कि 33 साल की प्रेमिका होने में क्या गलत है, जब तृणमूल कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता, विवाहित होने के बावजूद, दो से अधिक प्रेमिकाएँ रखते हैं। सोवन चटर्जी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय जैसे वरिष्ठ नेताओं की ओर इशारा करते हुए पार्थ ने कहा क्या आपको लगता है कि दीदीमोनी (ममता बनर्जी) को इसके बारे में पता नहीं है?

आतंकी की गर्लफ्रेंड डॉक्टर शाहीन का एक ही डायलॉग था... कुछ बड़ा करना है...

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लालकिले के पास सोमवार शाम हुए कार धमाके से ठीक एक दिन पहले गिरफ्तार हुईं लखनऊ की डॉ. शाहीन ने वर्षों पहले ही अपने इरादे जता दिए थे। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रहीं शाहीन का व्यवहार 2009 में कन्नौज तबादले के बाद पूरी तरह बदल गया। साथी डॉक्टरों और स्टाफ को अब समझ आ रहा है कि कुछ बड़ा करना है कहकर वह क्या संकेत दे रही थीं। आतंकी संगठन से जुड़ाव और दिल्ली ब्लास्ट में भूमिका के खुलासे ने पूरे मेडिकल समुदाय को स्तब्ध कर दिया है।

शाहीन सात साल तक जीएसवीएम में प्रोफेसर रहीं। 1 सितंबर 2012 से 31 दिसंबर 2013 तक विभागाध्यक्ष भी रहीं। कन्नौज मेडिकल कॉलेज में छह माह का तबादला उनके लिए सजा जैसा था। वे स्पष्ट कहती थीं, कन्नौज से कानपुर या लखनऊ नहीं हुआ तो नौकरी छोड़ दूंगी। सूत्रों के अनुसार, कन्नौज में भी वे ज्यादातर कानपुर में ही दिखती थीं। विदेशी जीवनशैली पसंद करने वाली शाहीन भारत में रहना नहीं चाहती थीं। अक्सर कहतीं, मैंने जितने सपने देखे, एक-एक कर पूरा करूंगी। कुछ बड़ा काम करना है।कॉलेज परिसर के एल-29 आवास में पति डॉ. जफर हयात और दो बेटों के साथ रहने वाली शाहीन दूसरी मंजिल से नीचे कम ही उतरती थीं। बच्चों को भी दूसरे डॉक्टरों के बच्चों से घुलने-मिलने नहीं देती थीं। सहकर्मियों की टोकाटोकी पर बहानेबाजी करतीं। कन्नौज से लौटने के बाद विभागीय काम में रुचि खत्म हो गई। मेरिट से मिले फार्माकोलॉजी में शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जल्द ही शांत और अलग-थलग हो गईं। किसी न किसी बहाने छुट्टी मांगती रहतीं। बिना बताए गायब होने पर फटकार भी लगी, मगर सुधार नहीं हुआ।

एटीएस अब परत दर परत शाहीन का अतीत खंगाल रही है। मंगलवार को लखनऊ पैतृक घर और कानपुर कॉलेज के बाद बुधवार को प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंची, जहां से शाहीन ने 2002 में एमबीबीएस और 2006 में फार्माकोलॉजी में एमडी की। तीन सदस्यीय खुफिया टीम ने प्रशासनिक भवन, हॉस्टल, प्रवेश रिकॉर्ड, इंटर्नशिप दस्तावेज से लेकर सहपाठियों के नंबर तक जुटाए। पूछताछ में पता चला कि पढ़ाई के दौरान शाहीन शांत लेकिन तेज छात्रा थीं। क्या किसी संगठन से जुड़ाव था? कॉलेज के बाहर किससे मिलती थीं? पढ़ाई के बाद प्रयागराज आईं या नहीं? ऐसे सवालों की गहन जांच हो रही है। कॉलेज प्रशासन टीम के दौरे पर चुप्पी साधे है। सोशल मीडिया पर शाहीन की पुरानी ग्रुप फोटो वायरल हो रही है। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की पार्टी में खींची तस्वीर में वह दो छात्राओं और सात छात्रों के साथ हैं। आतंकवाद की निंदा करते कमेंट्स के बीच लोग हैरान हैं कि एक होनहार डॉक्टर आतंक की राह पर कैसे पहुंची। कानपुर, प्रयागराज और लखनऊ-तीनों मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर, स्टाफ और छात्र सदमे में हैं। शाहीन के अचानक गायब होने का रहस्य अब खुल रहा है, लेकिन कुछ बड़ा करने की उनकी महत्वाकांक्षा ने देश को हिला दिया।

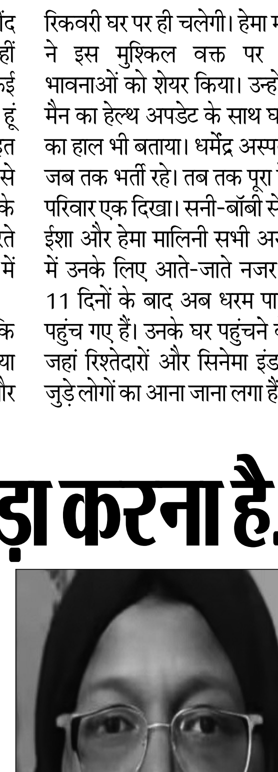

रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा में विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरूआत की

पांच साल से अधूरे आयुर्वेदिक अस्पताल को दो वर्षों में शुरू करने का मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने 'अटल कैंटीन योजना' के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन प्रदान करने के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग स्थित जे.जे. क्लस्टर में कई बुनियादी सुविधाओं को जनता को समर्पित किया। उन्होंने सीसी फुटपाथ और ड्रेनेज सिस्टम के सुधार कार्यों का उद्घाटन किया, जो लंबे समय से जलभराव और जर्जर गलियों की समस्या से जूझ रहा था। इस परियोजना पर 63.12 लाख रुपये की लागत आई है। इसके साथ ही, उन्होंने 60 सीटर जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया, जिसकी लागत 94.53 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री ने वहा 14.76 लाख रुपये की लागत से नई पेयजल पाइपलाइनों का भी शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने गोविंद मोहल्ला में नालियों, गलियों और सड़कों के विकास कार्यों की शुरूआत की, जिसकी अनुमानित लागत 51 लाख रुपये है। इसी के अंतर्गत उन्होंने अम्बेडकर नगर, गोविंद मोहल्ला तथा आसपास के क्षेत्रों सहित सैनी धर्मशाला, शालीमार गांव में नई जल पाइप लाइनों का उद्घाटन किया, जिन पर कुल 18.42 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इन जल-लाइन परियोजनाओं से हजारों स्थानीय निवासियों को लंबे समय से चली आ रही पानी की किल्लत से राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शालीमार बाग ही नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली में विकास कार्य युद्धस्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वर्षों से ठप पड़े कार्य अब दोबारा गति पकड़ रहे हैं, और दिल्ली एक बार फिर अपने विकास पथ पर आगे बढ़ रही है। सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी का प्रत्येक क्षेत्र मजबूत बुनियादी सुविधाओं और विश्वसनीय इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित हो।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शालीमार गांव के चौक पर सड़क विस्तार कार्य का भी जायजा लिया और सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क विस्तार कार्य पूरा होने पर क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से जारी जाम की समस्या से राहत मिलेगी और दैनिक आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर क्षेत्र में निमार्णाधीन 'अटल कैंटीन' का निरीक्षण किया। यह योजना गरीब, श्रमिकों और आम नागरिकों के जीवन में सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पांच वर्षों से अधूरे पड़े जे.जे. क्लस्टर आयुर्वेदिक अस्पताल के संबंध में भी स्थानीय निवासियों को आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार द्वारा उपेक्षित इस परियोजना को अब प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर गैस चैंबर में तब्दील, हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' से 'गंभीर' के बीच, स्वास्थ्य पर गंभीर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) एक बार फिर घने प्रदूषण की चपेट में है। शनिवार सुबह भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब से लेकर गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। स्थिति इतनी भयावह है कि पूरा क्षेत्र धीरे-धीरे एक 'गैस चैंबर' में तब्दील होता जा रहा है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 के पास पहुंचने को तैयार है, जो सर्वाधिक प्रदूषण स्तर को दशार्ता है।

रिपोर्टों के मुताबिक, एनसीआर के विभिन्न शहरों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम, लोनी, संजय नगर और वसुंधरा जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई है। इसी तरह नोएडा के सेक्टर-116 में एक्यूआई 413 तक पहुँच गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

सेक्टर-125, सेक्टर-62 और सेक्टर-1 जैसे अन्य इलाकों में भी हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' से 'गंभीर' के बीच दर्ज की गई है। ग्रेटर नोएडा में भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं, जहाँ नॉलेज पार्क-III और नॉलेज पार्क-श के इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर बनी हुई है। राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्से भी इस जहरीली हवा से अछूते नहीं हैं।

आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार (424), आश्रम विहार (415), बवाना (441), चांदनी चौक (419) और वजीरपुर जैसे इलाकों में एक्यूआई 'गंभीर' स्तर पर दर्ज किया गया है। पूसा, आर के पुरम, रोहिणी, शादीपुर और विवेक विहार जैसे इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है।

यह स्थिति दशार्ती है कि पूरा शहर जहरीली हवा के घने आवरण में लिपटा हुआ है। इस गंभीर वायु प्रदूषण का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। 'बहुत खराब' वायु गुणवत्ता लंबे समय तक रहने पर सांस संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है। वहीं, 'गंभीर' श्रेणी की हवा स्वस्थ लोगों को भी प्रभावित करती है और पहले से बीमार लोगों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ता है।

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हमारी लड़ाई पूरी ताकत से जारी है : सिरसा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है, लेकिन दिल्ली की हवा में सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। यही वजह है कि दिल्ली की पूर्व आम आदमी पार्टी सरकार लगातार भाजपा सरकार पर आरोप लगा रही है।

इस बीच, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि डस्ट प्रदूषण के खिलाफ हमारी सरकार पूरी ताकत के साथ लड़ाई लड़ रही है और हमारी कोशिश है कि दिल्ली के लोगों को स्वच्छ हवा मिल सके। मंत्री मनजिंदर सिरसा ने एमसीडी, डीडीए और एसडीएम अधिकारियों के साथ वसंत विहार और वसंत कुंज के इलाकों का निरीक्षण किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान सिरसा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण कंस्ट्रक्शन डस्ट और टूटी सड़कों से बढ़ने वाला पीएम स्तर है। हमने दिल्ली के 62 प्रदूषण हॉटस्पॉट्स को वैज्ञानिक रूप से चिन्हित किया है, जबकि पहले सिर्फ 13 हॉटस्पॉट दर्ज थे। इन नए हॉटस्पॉट्स की पहचान से हमें पता चला है कि कहां ट्रैफिक की वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है और कहां डस्ट इसकी मुख्य वजह है। हम हर हॉटस्पॉट पर लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन अभी भी सुधार की काफी जरूरत है।

उन्होंने कहा कि जब तक डस्ट मिटिगेशन पर जमीन पर सख़्त और प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक दिल्ली की हवा साफ नहीं हो सकती। यही वजह है कि डस्ट प्रदूषण के खिलाफ हमारी लड़ाई पूरी ताकत से जारी है।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर बहुत काम करने की जरूरत है और सफाई व्यवस्था में बड़ी कमियां हैं। मौजूदा बुनियादी ढांचा बहुत खराब हालत में है। दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर समस्या, पीएम10, मुख्यत सड़कों के खराब रखरखाव के कारण है। हम इसे सुधारने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सर्दी बढ़ रही है, धूल धुंध में बदल रही है। पराली का इसमें बड़ा योगदान है, लेकिन बुवाई का मौसम शुरू होने के साथ, इसका प्रभाव कम होने लगेगा। दिल्ली के सीमावर्ती इलाके अभी भी हमारे द्वारा भेजे गए प्रदूषणकारी उद्योगों से प्रभावित हो रहे हैं और राज्य सरकार इस पर भी काम कर रही है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि आज से दिल्ली के सभी मंत्री सड़कों पर उतर आए हैं और व्यापक स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। मैं अभी घोंडा पहुंचा हूं और हम दिल्ली में उन सभी जगहों की पहचान कर रहे हैं जहां कूड़ा जमा होता है। लगभग हर दिन हम किसी न किसी जगह का दौरा करेंगे। प्रत्येक मंत्री को एक विशिष्ट क्षेत्र की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

मंत्री आशीष सूद ने प्रदूषण पर कहा कि हम लगातार प्रयास कर रहे हैं, प्रदूषण का स्तर कम किया जा सके। 27 वर्षों से पुरानी सरकारों ने दिल्ली में काम नहीं किया। भाजपा सरकार को थोड़ा समय लगेगा, लेकिन व्यवस्था ठीक करेंगे।

महिलाओं को 'लॉलीपॉप' दिखाकर छल से जीती गई बिहार की चुनावी लड़ाई: भीष्म शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। एन.डी.ए. की बिहार विधानसभा चुनावों में मिली जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक भीष्म शर्मा ने कहा कि यह विजय असल जनसमर्थन की नहीं, बल्कि चुनावी छल की देन है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से ठीक पहले महिला सशक्तिकरण के नाम पर लाखों महिलाओं के बैंक खातों में दस-दस हजार रुपये डालकर भाजपा गठबंधन ने मतदाताओं–विशेषकर महिलाओं–को बहलाने की कोशिश की और इसी तरीके से चुनावी बढ़त हासिल की।

भीष्म शर्मा ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल पाँच वर्षों तक किसी भी राज्य में उल्लेखनीय कार्य नहीं करते, पर जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, आकर्षक घोषणाएँ करके मतदाताओं को भ्रमित किया जाता है। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद इन वादों को भुला देना भाजपा की आदत बन चुकी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और अब बिहार–सभी जगह यही पैटर्न देखने को मिला है।

शर्मा ने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाओं के खातों में प्रतिमाह ढाई-ढाई हजार रुपये डालने की घोषणा की गई थी, लेकिन दस महीने बीत जाने के बावजूद एक भी महिला को कोई लाभ नहीं मिला है। इसी तरह होली और दिवाली के अवसर पर मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा भी अधूरा रह गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में हमेशा भारी अंतर रहता है।

कांग्रेस नेता ने बिहार में बनने वाली नई एन.डी.ए. सरकार से आग्रह किया कि चुनाव प्रचार के दौरान महिला रोजगार और आर्थिक सहायता के नाम पर किए गए सभी वादों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने दिल्ली सरकार को भी महिलाओं से किए अपने अधूरे वादों की याद दिलाते हुए उन्हें तत्काल लागू करने की मांग की।

भीष्म शर्मा ने कहा कि महिलाओं के समर्थन से प्रचंड बहुमत पाने वाली पार्टियों की यह जिम्मेदारी है कि वे न केवल अपने घोषणापत्र के वादों को पूरा करें, बल्कि गठित होने वाली सरकारों में महिलाओं को सम्मानजनक और प्रभावी भागीदारी भी सुनिश्चित करें।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पवेलियन का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने 44वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पवेलियन का शनिवार को उद्घाटन किया। यहां के भारत मंडपम स्थित इस पवेलियन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और डिजिटल इंडिया से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक कई नए अनुभव देखे।

मंत्रालय के अनुसार, पवेलियन को तीन हिस्सों में तैयार किया गया है। डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई और मायगव जोन आगंतुकों को भारत की डिजिटल क्षमताओं और एआई के सुरक्षित व लाभकारी उपयोग की झलक दिखाते हैं। इस बार का सबसे बड़ा आकर्षण इंडिया एआई जोन है। यह जोन 2026 में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की तैयारी का हिस्सा है और इसमें भारत की कार्रवाई से प्रभाव तक की यात्रा दिखाई गई है।

मंत्री जितिन प्रसाद ने एआई मिशन के अनुभव क्षेत्र का दौरा किया और इंटरैक्टिव स्क्रीन के माध्यम से एआई कोष, वास्तविक एआई अनुप्रयोग, भविष्य के कौशल, स्टार्टअप, कंप्यूट क्षमता और सुरक्षित एआई जैसी प्रमुख पहलों को देखा। उन्होंने युवाओं और इंडिया एआई टीम से बातचीत कर उन्हें नवाचार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

पवेलियन में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से जुड़ी कई प्रमुख पहलें भी प्रदर्शित की गईं। ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंजेस में छह करोड़ रुपये तक के पुरस्कार और मेंटरशिप की सुविधा उपलब्ध है।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित लेखकों ने साझा किए अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025 से पुरस्कृत लेखकों ने शनिवार को यहां साहित्य अकादमी सभागार में आयोजित लेखक सम्मिलन में अपनी व्यक्तिगत यात्राओं और रचनात्मक प्रेरणाओं को साझा किया। उन्होंने उन अनुभवों, विचारों और भावनाओं पर चर्चा की जिन्होंने उन्हें बच्चों के लिए कल्पनाशील और सार्थक साहित्य लिखने के लिए प्रेरित किया।

सत्र की अध्यक्षता कर रहीं साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि हमारे देश में बाल साहित्य की बहुत प्राचीन और लोकप्रिय परंपरा रही है। पंचतत्र इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। आज के बाल लेखकों को परंपरा और तकनीकी की नई चुनौतियों के बीच लिखना है। वर्तमान बाल साहित्यकार एक तरीके से बच्चों के लिए नैतिक मूल्यों और ज्ञान की ऐसी गुल्लक सौंप रहे हैं, जो उनके जीवन में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी।

आज के बच्चों को भूत और परी कथाओं से नहीं बहलाया जा सकता है। क्योंकि उनके पास तर्क, ज्ञान और कल्पना शक्ति से उपजे ऐसे अनेक सवाल हैं, जो हम बड़ों को भी निरुत्तर कर देते हैं। उन्होंने सभी पुरस्कृत लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि एक संकल्प के तहत आप जिस बाल साहित्य की परंपरा को निरंतर संजोए हुए हैं, वह आने वाले समय में बच्चों को संस्कारित तो करेगा ही, नई दुनिया में रहने के लिए उन्हें तैयार भी करेगा।

लेखक सम्मिलन में सर्वप्रथम सुरेंद्र मोहन दास (असमिया) ने कविताओं और बाल साहित्य के लेखन के साथ ही अनुवादक और कलाकार के रूप में अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय (बांग्ला) ने लेखन पर अपने पिता के प्रभाव और अपनी प्रेरणाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इससे ही वह बाल साहित्य रच पाए। बिनय कुमार ब्रह्म (बोडो) ने कहा कि बाल साहित्य हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और वर्तमान सच के बीच एक सेतु का काम करता है और मैं बोडो साहित्य में यह काम निरंतर कर रहा हूं।

पीएल परिहार 'शौक' (डोगरी) ने आज की पीढ़ी में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाली उच्च गुणवत्ता वाली बच्चों की पत्रिकाओं की कमी पर अपनी चिंता व्यक्त की। उनका मानना था कि आज के बच्चे परियों की कहानियों, नैतिक कविताओं और कहानियों से आगे बढ़ गए हैं और उन्हें विज्ञान-आधारित साहित्य प्रदान करने की आवश्यकता है। नितिन कुशलप्पा एमपी (अंग्रेजी) ने दक्षिण भारत की लोक कथाओं और किंवदंतियों पर केंद्रित अपनी पुस्तक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इन कथाओं में इतिहास लोककथाओं का एक अनोखा संगम है जो बच्चों को मनोरंजन की नई दुनिया में ले जाता है। कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट (गुजराती) ने कहा कि उन्हें बच्चों के साथ खेलना बहुत पसंद है और उन्हें पढ़ाना, उनसे मीठी बातें करना, उन्हें कहानियां सुनाना और उनके सवालों का जवाब देना इतना अच्छा लगता है कि वे उन अनुभवों को ही अपनी कविताओं में ढाल देते हैं।

एक नजर

'तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया', राहुल गांधी पर कपिल मिश्रा का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'तालाब में उतरने का तमाशा करने वालों को जनमत ने डुबो दिया। जनादेश स्पष्ट है कि तमाशा नहीं विकास की ताकत को चुना गया है। बेगूसराय विधानसभा सीट पर जहां राहुल गांधी तालाब में उतरे थे, वहां कांग्रेस उम्मीदवार अमिता भूषण 30 हजार से ज्यादा वोटों से हार गईं। भाजपा उम्मीदवार कुंदन कुमार ने एक लाख से ज्यादा वोट हासिल कर जीत दर्ज की।' बता दें कि राहुल गांधी ने बेगूसराय में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार के दौरान आम मछुआरों के बीच जाकर तालाब में मछलियां पकड़ी थीं। वे विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के साथ तालाब में कूदे थे। हालांकि, इस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी की करारी हार हुई है। बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र में कुल 14 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला रहा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार कुंदन कुमार ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार अमिता भूषण को शिकस्त देते हुए कुल 30,632 वोट से विजय प्राप्त की। भाजपा के कुंदन कुमार को कुल 1,19,506 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में 88,874 मतदाताओं ने वोट किया। जन सुराज पार्टी के सुरेंद्र कुमार सहनी 7,773 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रहे। बिहार में विपक्षी दलों के प्रदर्शन की बात करें तो महागठबंधन को लगभग 34 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस को सिर्फ छह सीटें आई हैं। महागठबंधन की प्रमुख पार्टी राजद भी केवल 25 विधानसभा सीटों पर कब्जा कर पाई है। महागठबंधन के घटक दलों में शामिल भाकपा-माले को दो और माकपा को एक सीट पर जीत हासिल हुई।

बिहार के चुनाव परिणामों नें साबित किया जारी है देश भर में मोदी मैजिक : दीपक गाबा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनावों में एन.डी.ए. की बड़ी और ऐतिहासिक जीत पर भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा ने कहा कि यह परिणाम संगठन की ताकत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जादुई एवं करिश्माई नेतृत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इन चुनाव नतीजों ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि देशभर में मोदी मैजिक लगातार जारी है। गाबा के अनुसार बिहार की यह जीत विकास और सुशासन की जीत है तथा भाजपा के करोड़ों कार्यकताओं के कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनावों में ही नहीं, बल्कि चुनाव जीतने के बाद भी पूरे पांच वर्ष जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं, जबकि अन्य दलों के नेता केवल चुनाव के दौरान ही जनता के बीच दिखाई देते हैं और सरकार बनने पर अपने वादे भी पूरा नहीं करते। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चनपटिया रैली के दौरान किए गए उस आत्मविश्वासी बयान–ह्य14 नवंबर को एनडीए की जीत के बाद मैं बिहार वापस आऊंगा, शपथ ग्रहण में शामिल होनेह्न–ने ही संकेत दे दिया था कि एनडीए जमीन पर बेहद मजबूत है। गाबा ने कहा कि राजद और कांग्रेस के नेताओं द्वारा किए गए झूठे प्रचार और अपशब्दों का जनता ने करारा जवाब दिया है और परिवारवाद व जंगलराज के विरोध में वोट दिया है। तेजस्वी यादव द्वारा परिणाम आने से पहले ही शपथग्रहण की तारीख घोषित कर देना उनके अहंकार का प्रतीक था, जिसे जनता ने पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने जाति और समुदाय से ऊपर उठकर एनडीए का साथ देकर यह भी संदेश दिया है कि जनता अब भ्रामक प्रचार पर नहीं, बल्कि केवल विकास पर विश्वास रखती है। देश की जनता अब डबल इंजन सरकार के महत्व को समझ चुकी है और यह भी जानती है कि कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है; केवल भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर झूठ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकती।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट 2, 3 फिर से खुले, डीएमआरसी ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए धमाके के बाद सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने कड़े कदम उठाए थे। घटना के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया था, जिसे अब फिर से खोल दिया गया है। डीएमआरसी की ओर से शनिवार को इस संबंध में जानकारी दी गई। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सेवा अपडेटः लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं।' इससे पहले, डीएमआरसी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया था कि लाल किला मेट्रो स्टेशन अगली सूचना तक बंद रहेगा। डीएमआरसी ने पोस्ट में लिखा था, 'सेवा अपडेट, सुरक्षा कारणों से लाल किला मेट्रो स्टेशन अगली सूचना तक बंद रहेगा। अन्य सभी स्टेशन सामान्य रूप से चालू हैं।' गौरतलब है कि बीते सोमवार वॉयलेट लाइन पर स्थित लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के बाहर एक कार में तेज धमाका हुआ था। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे। यह धमाका इतना जोरदार था कि मेट्रो स्टेशन के एंट्री गेट पर लगे शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के तुरंत बाद आसपास स्थित मेट्रो स्टेशनों पर भी एहतियातन कुछ समय के लिए एंट्री रोक दी गई थी। जानकारी के अनुसार, ब्लास्ट की घटना के बाद दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके में कड़ी निगरानी बढ़ा दी है। सभी मुख्य मार्गों, बाजारों और मेट्रो कॉरिडोर को सीसीटीवी कैमरों के जरिए रियल टाइम मॉनिटर किया जा रहा है। कंट्रोल रूम को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सुरक्षा एजेंसियां करीबी नजर रख रही हैं। पुलिस ने चेतावनी जारी की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाने की कोशिश को गंभीरता से लिया जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बड़ वाले बाबा हनुमान मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शकरपुर स्कूल ब्लॉक स्थित प्रसिद्ध बड़ वाले बाबा हनुमान मंदिर में वार्षिक स्थापना दिवस का पावन पर्व अत्यंत धूमधाम, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। विशाल बड़ के पेड़ के नीचे स्थित इस मंदिर में हनुमान जी की अनंत महिमा और कृपा से यह मंदिर दिन-प्रतिदिन क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। श्रद्धालु मानते हैं कि यहाँ बड़ वाले बाबा के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है। आज सुबह से ही मंदिर प्रांगण में भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण और हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। इसके उपरांत सामूहिक सुंदरकांड पाठ, विधिवत यज्ञ-हवन तथा भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण में गूंजते 'जय श्री राम' और 'बजरंगबली की जय' के जयकारों ने पूरे क्षेत्र की आध्यात्मिक आभा को जगमगा दिया। कार्यक्रम में क्षेत्र भर से हजारों की संख्या में भक्तों और स्थानीय नागरिकों ने शामिल होकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस पावन अवसर पर विशेष रूप से शाहदरा साउथ जोन के चेयरमैन व शकरपुर वार्ड के निगम पार्षद राम किशोर शर्मा, पूर्व निगम पार्षद नीतू त्रिपाठी, समाजसेवी व पुलिस मित्र एडवोकेट हरीश गोला उपस्थित रहे। बड़ वाले बाबा ट्रस्ट के सम्मानित सदस्यगणों में सर्वश्री सुरेंद्र गोयल, जेपी अग्रवाल, अरविंद पटेल, पवन सिंह रावत, सोनू शर्मा, अभिनव कुमार, विक्रम वर्मा, अभिषेक सिंघल, राजेंद्र सिंह, जेपी सोनी, मुकेश कुमार, ऋषि गुप्ता, नगेंद्र कुमार, अनिल गोयल, मनोज कुमार, रंजीत सिंह, भवानी बिष्ट, मुन्ना कुमार, जयप्रकाश गुप्ता, पवन कुमार हैं जिन्होंने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रेस रिपोर्टर क्लब छत्तीसगढ़ का भव्य उद्घाटन, पत्रकारों के लिए नया मंच

रीतेश कुमार मनहर

छत्तीसगढ़ः जिला बालोद में प्रेस रिपोर्टर क्लब छत्तीसगढ़ के जिला कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता को सशक्त व संगठित करने तथा समाज में मीडिया की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। प्रेस रिपोर्टर क्लब का मूल उद्देश्य छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को एक मंच पर लाना, उन्हें सम्मान दिलाना और विपरीत परिस्थितियों में सहयोग प्रदान करना है।

संस्था राज्य सरकार से विधिवत पंजीकृत है तथा प्रदेश के 33 जिलों में पत्रकार सम्मेलन, सम्मान समारोह और आवश्यकतानुसार आर्थिक सहयोग जैसे कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए संकल्पित है। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बालोद की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती टेमरिया उपस्थित रहीं।

विशिष्ट अतिथियों में पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती सीता साहू, साहित्यकार डॉ. अशोक आकाश, समाजसेवी जोगेन्द्र योगी, वरिष्ठ पत्रकार निर्मल नाथ योगी, जनसंपर्क अधिकारी चन्देश ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार परस साहू, पार्षद श्रीमती पुष्पा ईश्वर साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रांत स्तर से आए प्रमुख पदाधिकारियों– प्रदेश अध्यक्ष संजय सोनी, प्रदेश संयोजक लाल टोपी राजू सोनी, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश चौथवानी, प्रदेश सदस्य मनमोहन शर्मा, जिला अध्यक्ष राजनांदगांव तुलसी गौतम, रुपेश कुमार जोशी, रजनीकांत चिरवरकर एवं प्रवेश सारथी–की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसी क्रम में देवेन्द्र साहू, दिपक मित्तल, जिला संयोजक खिलावन चन्द्राकार, जिला अध्यक्ष तरुण नाथ योगी, उपाध्यक्ष सीतीश साहू, मोईनउदीन, विपीन जैन, सचिव मोहन निषाद, सहसचिव यशवंत निषाद, मंत्री मीनू साहू, दिन दयाल, आशा श्रीवास्तव तथा प्रेम चन्द्राकार समेत अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्लब द्वारा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। दिसंबर माह में प्रेस रिपोर्टर क्लब बालोद द्वारा शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें वरिष्ठ पत्रकारों, चिकित्सकों, साहित्यकारों, समाजसेवियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, खेल एवं शिक्षा क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह एवं शाल के साथ सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सांसद, विधायक तथा मंत्रीगण की उपस्थिति की संभावना जताई गई है।

बाल दिवस पर उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन ने बच्चों के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए

शेखर सिंह

उत्तर प्रदेशः बाल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन,मुरादाबाद मंडल द्वारा रेलवे ऑफिसर्स क्लब ,मुरादाबाद में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 14 नवम्बर 2025 को बाल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुमन मौर्य की उपस्थिति में रेलवे ऑफिसर्स क्लब, मुरादाबाद में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया क बाल विद्या मंदिर, निकट रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा कार्यक्रम में मंच से अनेक सांस्कृतिक एवं देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया क उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन,मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुमन मौर्य तथा उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन,मुरादाबाद मंडल की उपस्थित अन्य पदाधिकारी श्रीमती सुशीला गौतम, श्रीमती मौनिका एवं श्रीमती साक्षी गुप्ता /स्कूल इंचार्ज

/बाल विद्या मंदिर स्कूल ,मुरादाबाद, श्रीमती इन्द्रजीत कौर /मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/मंडल रेल चिकित्सालय /मुरादाबाद सहित बाल विद्या मंदिर स्कूल स्टाफ ने तालियों के साथ बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहा क उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुरादाबाद मंडल (NRWWO/Moradabad Division) के द्वारा पूर्व में स्कूल बच्चों के लिए मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, चंदौसी स्टेशनों पर स्कूलों में आयोजित की गयीं निबंध प्रतियोगिता, ड्राइंग /पेंटिंग प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को आज बाल दिवस के अवसर पर उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुमन मौर्य द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया क NRWWO द्वारा बच्चों को स्कूल ड्रेसएवं गिफ्ट पैक का वितरण भी किया गया कउत्तर रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल की टीम कार्यक्रम में उपस्थति रही क कार्यक्रम में उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन,मुरादाबाद मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी मुरादाबाद ,बरेली, शाहजहांपुर तथा चंदौसी से आये रेलवे कर्मचारियों के बच्चे अपने अभिभावकगणों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शाह फैज पब्लिक स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः शाह फैज पब्लिक स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के कैप्टन एवं वाइस कैप्टन के द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। प्रार्थना सभा अध्यापक अध्यापिकाओं ने किया विद्यालय के निदेशक डॉ नदीम अदहमी ने शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ छात्रों के भविष्य निर्माण करने के लिए अपनी भागीदारी निभाने की प्रतिज्ञा ली। विद्यालय की निदेशका डॉक्टर मीना अदहमी ने नेहरू जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस तरह से नेहरू जी बच्चों से प्रेम करते थे वैसे ही हम सबको भी प्रेम और भाईचारे का भाव रखना चाहिए। अंग्रेजी के अध्यापक आशुतोष पांडे ने नेहरू जी के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को भविष्य निर्माण एवं अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक एवं प्रयत्नशील रहने के लिए कहा। कक्षा दूसरी के एक छात्र ने पंडित जवाहरलाल नेहरू का प्रतिनिधित्व करते हुए उनके व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। प्री प्राइमरी के अध्यापिकाओं ने मोबाइल फोन के दुरुपयोग पर एक छोटी सी नाटिका प्रस्तुत किया। उक्त अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ नदीम अदहमी एवं निदेशिका डॉ मीना अदहमी, प्रधानाचार्य इकरामुल हक, उपप्रधानाचार्य हनीफ अहमद, शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं को मिष्ठान वितरित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

हिंदू मॉडल इंटर कॉलेज में छात्र सम्मान समारोह

200 से अधिक छात्रों को पुरस्कार से सम्मानित

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः आज दिनांक 15 नवंबर 2025 को हिंदू मॉडल इंटर कॉलेज मुरादाबाद में छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गत माह विद्यालय में आयोजित हुई भारतीय संविधान विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विजई छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय की छात्र परिषद के पदाधिकारियों को पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जैन सेवा समिति की अध्यक्षा श्रीमती नीलम जैन एवं उपाध्यक्ष श्री पंकज कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, वृद्धाश्रम पर नाट्य, किसान नाट्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनक प्रधान, द्वितीय स्थान इलमा हसन, तृतीय स्थान माही सागर, चतुर्थ स्थान अल्फीजा एवं पंचम स्थान मदीहा अरशद ने प्राप्त किया। प्रधानाचार्य नन्हें सिंह ने निबंध प्रतियोगिता के

इन विजेता छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। निबंध प्रतियोगिता में विद्यालय के 100 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें सभी प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ विद्यालय की नव गठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों मोहम्मद असद अध्यक्ष, आभार गुप्ता उपाध्यक्ष, खुशबू फातमा सेनापति एवं आशु उप सेनापति तथा 35 कक्षा प्रमुख एवं 35 उप प्रमुखों को भी स्मृति चिन्ह एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार सम्मान समारोह में लगभग 200 से अधिक छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विशाल वर्मा ने किया एवं संचालन जगदीश चंद्र ने किया। कार्यक्रम में फर्जीन आलम, उपासना गुप्ता, दीपिका शुक्ला, प्रियंका शर्मा, आकाश सक्सेना, खुशबू सैनी, नवनीत सिंह, राजीव गिहार, इमरान, सोनम, राजीव सिंह, अजय कुमार, समरपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, कुशाग्र राज, बिजेंद्र सिंह सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

एक नजर

आरएसएस ने महाकाली मंदिर से गृह संपर्क अभियान की शुरूआत की

लिखित पंत/उत्तराखंडः प्रांत शाररिक प्रमुख सुनील जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वह खंड संघ चालक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गंगोलीहाट के स्वयंसेवकौ ने की विधि विधान से की पूजा अर्चना शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताशताब्दी वर्ष समाज रा के नमित्त व्यापक ग्रह संपर्क अभियान के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवकसघ के प्रांत शारीरिक प्रमुख सुनील जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवकसघ ने महाकाली महाकाली का मंदिर से व्यापक ग्रह संपर्क अभियान की शुरूआत। पूजा अर्चना कर प्रारंभक इस दौरान सुनील जी ने कहा संघक पहुंच प्रत्येक परिवार तक हो सक समाज में जागरूकता के साथ सज्जन शक्ति समाज परिवर्तन के लिए अधिक से अधिक लोग अपने साथ सक्रियहोसके हम अपना विचार और साहित्य घर-घर पहुंचने में सफल हो एवं एवं संपर्क सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शीह इन उद्देश्योंकोलेकर इन उद्देश्योंक लेकर व्यापक ग्रह संपर्क करने के लिए संघ के सयंसेवक 15 नवंबर से 14 दिसंबर तक एक माह तक संघस्वयं घर-घर जाकर इस अभियान को सफल बनाएंगे इस दौरान उनके साथ संघ के खंडचालक प्रताप रावत जिलापचारक गणेश जी धीरज जी , गौरव पंत लिखित पंत अमित वर्मा दान सिंह महरा रविन्द्र लाल varma चंद्र शेखर नीरज पंत एक प एक प्रेस नोट। यह पाठ्य सामग्री एक प्रेस नोट या समाचार रिपोर्ट प्रतीत होती है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के गृह संपर्क अभियान के शुभारंभ का वर्णन करती है।

बरेली में भारतीय किसान यूनियन ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

मोहम्मद रेहान/उत्तर प्रदेशः जिला बरेली में आज भारतीय किसान यूनियन टिकैत का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का गन्ना समिति परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें गन्ना किसानों का पिछले सत्र का 145 करोड़ का बकाया गन्ना भुगतान की मांग किसानों के द्वारा उठाई गई। तमाम किसानों ने अपने अपने संबोधन में मिल एवं समिति प्रशासन के द्वारा किसानों के साथ की गई वादा खिलाफी को दोहराया। किसानों ने कहा के मिल के झूठे वादों के बहकावे में आकर किसान गन्ना देने को तैयार नहीं है। जिसके जवाब में मिल अधिकारियों के द्वारा किसानों की मांग पर लिखी आश्वासन दिया गया जिसमें साफ किया गया के पुराना भुगतान 31 दिसंबर तक किया जाएगा एवं नए सत्र का भुगतान 5 दिन के अंतराल पर किया जाएगा। मिल के द्वारा लिखित आश्वासन पर धरना स्थगित किया गया एवं समिति के अधिकारीयों को इसका समय समय पर संज्ञान लेने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई। धरने में हजारों की संख्या में किसान शामिल हुए। चौधरी अजीत सिंह प्रदेश मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश/ उत्तराखंड, दानिश खान प्रदेश सचिव, अनुज ठाकुर युवा प्रदेश महासचिव, चौधरी सुरेंद्र सिंह, सार्थक संधू मंडल सचिव बरेली, विजय पाल सिंह जिला संगठन मंत्री बरेली, राकेश गंगवार, विजेंद्र सिंह, वेदप्रकाश कश्यप, केंद्र पाल गंगवार, रीत राम गंगवार आदि तमाम किसान मौजूद रहे।

नागरिकों को तीन नए कानूनों की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित

मोहम्मद यासीन/उत्तर प्रदेशः कस्बा शीशगढ़ में भारत सरकार द्वारा बनाए गए तीन नए कानून, जो 01-07- 2024 से भारत वर्ष में लागू है ,के संबंध में जागरूकता हेतु अभियान के तहत गोष्टी करके भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों के तहत त्वरित न्याय व्यवस्था तथा क्रियान्वयन की प्रक्रिया एवं जीरो FIR तथा ए- FIR तथा महिला संबंधी अपराधों में FIR के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए जागरूक किया गया।

सन राइज पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत की क्रिएटिव प्रोजेक्ट प्रदर्शनी

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर मे आज दिनांक 14/11/2025 को सन राइज पब्लिक स्कूल धरम्मरपुर में बाल दिवस का आयोजन विद्यालय के एम डी डॉ० अवधेश सिंह यादव ने फीता काट कर किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वनिर्मित प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें तरह - तरह के प्रोजेक्ट्स देखा गया।जिसमें भूकम्प रोधी यंत्र, पर्यावरण संरक्षण ,मानव डायाफ्राम, चिड़ियाघर, एटीएम मशीन,दिशा सूचक यंत्र, ज्वालामुखी से निकलता हुआ लावा, वृन्दावन की झलक, अशोक वाटिका, जलवायु परिवर्तन,जैविक खाद का उपयोग,जल प्रबंधन आकृति,ग्रामर ट्री, थ्री डी ,चन्द्रयान थ्री,हैंकर

प्रणाली , टाइप आप फैक्टर इत्यादि देखने को मिला। इसमें मुख्य रूप से कक्षा 7 की अंशिका यादव ने संसद भवन का हु-ब-हू निर्माण की थी, विद्यालय का माडल प्रिया यादव, खुशी यादव, कनक यादव,कक्षा 10 की छात्राओं ने बनाया हिंदी विभाग अध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह अंग्रेजी विभाग अध्यक्ष श्री रविंद्र यादव कंप्यूटर विभाग अध्यक्ष श्री प्रतीक राय गणित विभाग अध्यक्ष श्री अनुज पांडे सोशल साइंस विभाग अध्यक्ष श्री अमरजीत गोड़ तथा विज्ञान विभाग अध्यक्ष श्री सचिन यादव एनटीटी इंचार्ज नसरा मैंम,खेल अध्यक्ष राम अवध यादव ,एक्टिविटी इंचार्ज अंजना मैंम, डिसिप्लिन इंचार्ज अर्चना मैम तथा चंद्रकेश यादव सर के देखरेख में सभी प्रोजेक्ट बच्चों द्वारा तैयार कराए गए जिसे सम्मानित अभिभावक गण एवं अतिथियों द्वारा काफी सराहा गया। मुख्य अतिथि के कर कमल द्वारा पिता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ मुख्य अतिथि ने कहा कि सृजनात्मक कार्यों के प्रति छात्र एवं छात्राओं की रुचि विकसित करने तथा उनकी प्रतिभा में निखार लाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन नितांत आवश्यक है।

धनोप में अधूरी नाली से ग्रामीण परेशान, स्वच्छता मिशन की अनदेखी

पप्पू लाल पंचोली

राजस्थानः भारत सरकार और राज्य सरकार।स्वच्छता मिशन की अनदेखी का शिकार ग्रामीणः नाली का कट अधूरा, लोग हो रे परेशान। ग्राम पंचायतधनोप (वार्ड 9)। केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छ भारत मिशन को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट दिखाई दे रही है। ग्राम पंचायत धनोप के वार्ड नंबर 9 में तीन कट इस खटीक मोहल्ला कैलाश कुम्हार के मकान के पास बस स्टैंड और अटल सेवा केंद्र के पास नाली का कट वर्षों से अधूरा पड़ा है। इसके कारण आस-पास की बस्तियों–मावलिया माता और बेरवा मोहल्ले–सालोलिया मोहल्ले।के लोग लगातार परेशानी झेल रहे हैं।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नाली का कट नहीं

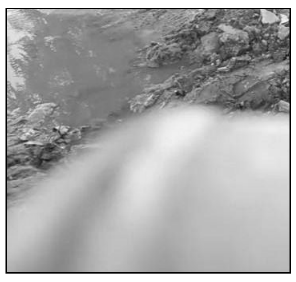

होने से गंदा पानी सीधे सड़क पर बहता है। इससे राहगीरों को निकलने में दिक्कत होती है, विशेषकज्ञर बरसात के दिनों में स्थिति बेहद खराब हो जाती है। ग्रामीणों ने कई बार पंचायत प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि लादू महाराज के मकान व दुकान के पास तथा अटल सेवा केंद्र के आगे नाली का कट सबसे अधिक जरूरी है।

गाडरवारा में 69वीं राष्ट्रीय शालेय वॉलीबॉल प्रतियोगिता दूसरे दिन जारी

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेशः प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के विशेष प्रयासों से लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 19 वर्षीय बालक- बालिका आयु वर्ग में पांच दिवसीय 69 वीं राष्ट्रीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता रूद्र मैदान गाडरवारा में हो रहा है। पांच दिवसीय राष्ट्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीमों को मैच जिताये। मेचों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में

जनप्रतिनिधियों और नागरिक मौजूद थे। पहले दिन 13 नवंबर को खेले गए मेचों के बालक वर्ग मे जम्मू कश्मीर ने उड़ीसा को 3-2, उत्तर प्रदेश ने मणिपुर, गुजरात ने पश्चिम बंगाल, सीबीएसई ने चंडीगढ़, राजस्थान ने आईपीएससी, केरल ने बिहार, तमिलनाडु ने बिहार, विद्या भारती ने नवोदय विद्यालय समिती को 3-0 से हराया।

इसी प्रकार बालिका वर्ग के खेले गए मैचों में तमिलनाडु ने उड़ीसा, कर्नाटक ने असम, हरियाणा ने मणिपुर, पश्चिम बंगाल ने केरल, विद्या भारती ने झारखण्ड को 3-0 से एवं चंडीगढ़ ने जम्मू कश्मीर, नवोदय विद्यालय ने बिहार, आंध्रप्रदेश ने मप्र को 3-1 से हराया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग के मेचों में हिमाचल प्रदेश ने उत्तर प्रदेश को 3-1 एवं जम्मू कश्मीर ने असम, गुजरात ने लद्दाख, सीबीएसई ने तेलंगाना, राजस्थान ने छत्तीसगढ़, केरला ने कर्नाटक, लक्षदीप ने नवोदय विद्यालय को 3-0 से हराया। इसी प्रकार बालिका वर्ग के मेचों मे तमिलनाडु ने सीबीएसई को 3-1 एवं कर्नाटक ने हिमाचल प्रदेश, हरियाणा ने आईपीएससी, केरल ने छत्तीसगढ़ एवं गुजरात ने जम्मू कश्मीर को 3-0 से हराया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन रात तक मैच जारी रहे। उल्लेखनीय हैं कि टीमों को बालक/ बालिका वर्ग मे अलग- अलग 8 पूलों में बांटा गया है। अभी लीग मैच खेले जा रहे हैं, उसके बाद नाक आउट राउंड शुरू होगा। प्रतियोगिता स्थल पर चिकित्सा विभाग, नपा, पुलिस विभाग की टीम भी काफी सक्रियता से कार्य कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिहार में जीत पर मिठाई बांटकर जश्न मनाया

शेखर सिंह

उत्तर प्रदेश: भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वाधान में बिहार में भाजपा की एक तरफा प्रचण्ड जीत पर मिठाई बाट कर खुशी मनाई। आज भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वाधान में महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के नेतृत्व में महानगर कार्यालय बुद्धि विहार पर बिहार प्रदेश में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मिली प्रचंड जीत की खुशी में ढोल नगाड़ों की थाप पर नाच गाकर खुशी मनाई इस प्रचण्ड जीत की सभी कार्यकताओं ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी मनाई महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला जिला अध्यक्ष आकाश कुमार पाल एवं सभी ने ने पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल का लड्डू खिलाकर इस प्रचण्ड जीत की बधाई दी एवं सभी कार्यकताओं को शुभकामनाएं दी। पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह प्रचण्ड जीत ईमानदारी सत्य निष्ठा की जीत है। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि बिहार प्रदेश में इस प्रचण्ड जीत ने साबित कर दिया कि भाजपा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सर्व समाज को साथ लेकर कार्य कर रही है सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास का नारा पूर्णतया सफल हो रहा है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, जिला अध्यक्ष आकाश कुमार पाल, क्षेत्रीय मीडिया सहप्रभारी निमित जयसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, दिनेश शीर्षवाल, नवदीप टंडन, विशाल त्यागी, हेमराज सैनी, राहुल शर्मा, सुनीता शर्मा, शशी किरण, अभिषेक चौबे, विशाल रस्तौगी, विपिन प्रजापति, सोमपाल प्रजापति, मनमोहन सैनी, किशन लाल जाटव, दीक्षांत चौधरी अश्विनी शर्मा सौरभ सक्सैना हरिओम सैनी विशाल कुमार आदि शामिल रहे।

एनडीए की जीत पर राजबल्लभ प्रसाद यादव का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत

संजय कुमार वर्मा

बिहार: नवादा में एनडीए की शानदार जीत पर पूर्व मंत्री राजवल्लभ प्रसाद यादव को कार्यकताओं ने बधाई दी। नवादा में एनडीए ने चार सीट जीत दर्ज की है, जिससे कार्यकताओं में काफी उत्साह और जोश है। इस जीत के बाद राजवल्लभ प्रसाद यादव के समर्थकों ने शनिवार को उनके ऑफिस में उनका जोरदार स्वागत किया। बता दें कि राजद के पूर्व राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने जदयू में सक्रिय भूमिका निभाते हुए नवादा जिले के 05 विधानसभा में 04 विधानसभा नवादा सदर समेत हिसुआ ,रजौली और गोविंदपुर के एनडीए प्रत्याशी की शानदार जीत कराया। राजनीति के मंझे खिलाड़ी रहे राजबल्लभ प्रसाद जिस पार्टी में रहे हैं, उनमें उनका खास प्रभाव देखने को मिला है। उन्होंने अपने प्रभाव से हीं नवादा के राजनीतिक गलियारो में खूब दबदबा रहा है। विधायक, एमएलसी समेत जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष समेत तमाम जनप्रतिनिधि इनके प्रयास से नवादा में बन रहे हैं। गौरतलब हो कि मुकदमे में अभियुक्त होने और जेल जानें के बाद उनका विरासत उनके भतीजे एमएलसी अशोक यादव ने संभाला और अपने चाचा राजबल्लभ प्रसाद के दिशानिर्देशन में राजबल्लभ की पत्नी राजद से विभा देवी नवादा विधायक बनी और 05 में से 04 सीट राजद को मिला था।

एक नजर

बाल दिवस पर नंदगंज के विद्यालयों में बच्चों ने मनाया उत्सव

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर मे बाल दिवस के अवसर पर नंदगंज क्षेत्र के विद्यालयों में बुधवार की सुबह से ही बच्चों में उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में सजे-संवरे हुए विद्यालय पहुँचे। कई बच्चे अपने साथ खेल-कूद की सामग्री लेकर आए, तो कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशेष तैयारी में व्यस्त दिखे। विद्यालयों में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता, खेलकूद, क्विज और समूह गीत शामिल रहे। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सेदारी कर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने चाचा नेहरू के जीवन और उनके बच्चों के प्रति प्रेम पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रमों के समापन पर बच्चों को मिठाइयाँ, पुरस्कार और उपहार वितरित किए गए। बच्चों की हँसी-खुशी और उल्लास से पूरे विद्यालयी वातावरण में उत्सव की रंगत छाई रही।

सड़क हादसे में घायल असिस्टेंट लैब टेक्नीशियन अभिषेक यादव की मौत

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेश: गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र के कैथवली में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल अभिषेक यादव (23) जो मेडिकल कालेज गाजीपुर में असिस्टेंट लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे। गुरूवार के रात को इलाज के दौरान निधन हो गया। यह हादसा बीते 12 नवंबर 2025 को हुआ था।जानकारी के अनुसार, अभिषेक यादव पुत्र चन्द्रभान यादव का 12 नवंबर 2025 शाम अपने घर के सामने सड़क पर टहल रहे थे तभी अचानक तेज रफ्तार बाईक सवार ने टक्कर मार दिया। इस टक्कर से उसके सिर में गंभीर चोंटे आयी थी। घायल अभिषेक को तत्काल मऊ फातिमा अस्पताल के में भर्ती कराया गया, वहां से रेफर के बाद बी.एच.यू. ट्रामा सेन्टर वाराणसी जहां उनका इलाज चल रहा था। गुरुवार रात में इलाज के दौरान उन्होंने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभिषेक के मौत की खबर घर पहुंचते ही उनके परिजनों एवं सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनके परिवार में पत्नी अन्नु देवी, माता पिता और दो भाई है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय सेवाओं की 60वीं वर्षगांठ पर शांति रथ यात्रा का आयोजन

सुरेश कुमार

उत्तर प्रदेश: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा गुजरात में प्रारंभ की गई ईश्वरीय सेवाओं के 60 वर्ष पूर्ण हुए हैं और इस उपलक्ष्य में पूरे राज्य में हीरक जयंती महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। इसी अवसर पर ब्रह्माकुमारी अटलादरा सेंटर में ईश्वरीय सेवा हेतु विशेष शांति रथ 15 नवंबर, शुक्रवार को सुबह 7:00 बजे पहुंचेगा।

यह शांति रथ अटलादरा सहित आसपास की आवासीय सोसायटियों, स्कूलों, फैक्ट्रियों तथा समीपवर्ती गांवों में आंतरिक शांति का ईश्वरीय संदेश प्रसारित करेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मानव के अंतर में स्थित शांति, सकारात्मकता और कर्तव्यभाव को जागृत करना है। इस यात्रा का विशेष आकर्षण कुंभकर्ण का 6 फुट ऊँचा मूविंग मॉडल होगा, जो आलस्य, अज्ञान और कर्तव्य-विमुखता में सोए हुए समाज को जागृत करने का संदेश देगा। शांति रथ के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को प्रेस वार्ता में हार्दिक आमंत्रण दिया जाता है।

NDA ने चार विधानसभा सीटों पर प्रचंड जीत, अनिल सिंह समेत कई को मिली जनता की ताकत

साजिद हुसैन

बिहार: नवादा जिले में एन०डी०ए० द्वारा चार विधानसभा सीटों पर दर्ज की गई प्रचंड जीत ने जिले की राजनीतिक दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है। जदयू के जिला महासचिव शमीम उद्दीन अंसारी ने कहा कि इस जीत से स्पष्ट होता है कि पूर्व मंत्री श्री राजबल्लभ प्रसाद यादव के सक्रिय नेतृत्व में राजग पहले की तुलना में अधिक मजबूत और संगठित हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व जब नेतृत्व श्री कौशल यादव के हाथों में था, तब राजग को जिले में केवल एक सीट ही प्राप्त हो सकी थी। इस बार मिला भारी जनसमर्थन बताता है कि जनता ने विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व को प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में 236,हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से श्री अनिल सिंह की विजय को जिला महासचिव ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अनिल सिंह की जीत आम जनता के विश्वास और विकास की राजनीति की स्पष्ट झलक है। जनता ने जाति,धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर कार्य और नीतियों के आधार पर मतदान किया है। बधाई देने वालों में जिले के विभिन्न तबकों–विशेषकर अल्पसंख्यक समाज–की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से आफताब मंसूरी, इजहार कुरैशी, डॉक्टर खालिक, मिल्लत कमिटी के अध्यक्ष कलीमउद्दीन, शमीम नाज, रिजवान अख्तर अंसारी, ओसामा खालिद, मुश्ताक अहमद, शेखपुरा पैक्स अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, मंजूर आलम सहित सैकड़ों लोग शामिल थे। जिला महासचिव शमीम उद्दीन अंसारी ने कहा कि यह जनादेश नवादा की जनता के विश्वास और राजनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में जिले में विकास कार्यों की रफ़्तार और तेज होगी तथा सरकार जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरी उतरेगी।

भागवत कथा में कथित जातिसूचक टिप्पणी से सतनामी समाज में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

दीपक बंजारे

छत्तीसगढ़: तखतपुर के पंडरिया रोड पर स्थित टोही उबरी के पास रामनगर टिकरी पारा निवासी रति अत्री वकील द्वारा आयोजित। भागवत कथा के दौरान कथा वाचक पंडित आसुतोष चैतन्य द्वारा सतनामी समाज के प्रति कथित आपत्तिजनक एवं जातिसूचक टिप्पणी किए जाने से समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में किशोर नंवरगे व सतनामी समाज बलौदाबाजार-भाटापारा सहित अन्य ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह (बलौदाबाजार-भाटापारा) को आवेदन सौंपकर कथा वाचक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि भागवत कथा मंच से वाचक ने सतनामी समाज को गाय काटने वाले और मूर्ख लोग कहकर अपमानित किया जो न केवल समाज की भावना को आहत करता है बल्कि सामाजिक वैमनस्य और सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करने वाला है। सतनामी समाज ने इसे अपनी आस्था और गरिमा पर सीधा हमला बताया है। समाज के लोगों ने कहा कि ऐसे वक्तव्य किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हैं और प्रशासन को तत्काल सख्त कदम उठाने चाहिए। मामले के प्रकाश में आने के बाद समाज के लोग विभिन्न स्थानों पर एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोपी कथा वाचक पर शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। सतनामी समाज बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के किशोर नंवरगे, मनीष घृतलहरे, तिलक घृतलहरे, डिगेश्वर बांधे, प्रकाश मार्कंडेय, अजय कुर्रे, भुनेंद्र, समीर, आकाश, सुमित, रोमी, आदि समाज के लोग उपस्थित थे।

बाल भवन में जिला स्तरीय बाल दिवस एवं पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित

हरि सिंह

हरियाणा: बाल दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी को याद दिलाने का अवसर है। डीसी ने अभिभावकों व शिक्षकों से बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें अच्छे संस्कार, रचनात्मकता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने की अपील की हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की शाखा जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से आज निजामपुर रोड स्थित बाल भवन में जिला स्तरीय बाल दिवस एवं पारितोषिक वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष कैप्टन मनोज कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि पंडित जवाहरलाल जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ मौजूद थी। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि बाल दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह हम सभी को बच्चों के अधिकारों, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को याद दिलाने का अवसर है। उन्होंने सभी अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनके अंदर रचनात्मकता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कहा कि बाल भवन में बच्चों को उनकी आयु, रूचि एवं योग्यता के अनुसार उनको विविध कलाओं के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करवाती है। उन्होंने आगे आयोजित होने वाली मण्डल स्तरीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए बच्चों को बधाई व शुभकामनाएं दी। साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह एवं उनके सभी सहयोगियों को बधाई दी। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि व अन्य सभी अधिकारीगण, कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगणों व विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों व उनके अभिभावकों का स्वागत किया। पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने बाल दिवस के उपलक्ष्य में महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष जी द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चण्डीगढ के माध्यम से प्राप्त बच्चों के नाम भेजे गए संन्देश को पढ़कर सुनाया। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ की छात्रा काव्या ने बहुत ही सुन्दर एकल नृत्य कला का प्रदर्शन किया तथा इसी कड़ी में आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ के समूह नृत्य के बच्चों की टीम ने हरियाणवी व राजस्थानी फोक समूह नृत्य की बहुत ही सुन्दर प्रस्तुती से समारोह में उपस्थित सभी लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मीरगंज नोडल अधिकारी ने बीएलओ से मतदाता सूची पुनरीक्षण ली जानकारी

राजू

उत्तर प्रदेश: फतेहगंज पश्चिमी में मीरगंज नोडल अधिकारी एडीएम देश दीपक सिंह, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस. आई.आर.) के कार्य का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार मीरगंज विधान के नोडल अधिकारी श्री देश दीपक सिंह, उपर जिलाधिकारी न्यायायिक, बरेली द्वारा कस्बा फतेहगंज पश्चिमी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुननिरीक्षण (एस. आई. आर) के कार्य का निरीक्षण किया गया। जिसमें नोडल अधिकारी द्वारा भाग संख्या 344 (खंड विकास अधिकारी कार्यालय कमरा नंबर 3 फतेहगंज पश्चिमी) बीएलओ नीरज वर्मा एवं भाग संख्या 345 (कार्यालय नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी कमरा नंबर 1) बीएलओ मोहम्मद यूनुस और भाग संख्या 340 (जानकी देवी इंटर कॉलेज फतेहगंज पश्चिमी कमरा नंबर 7) बीएलओ गुलहसन सिद्दीकी, और भाग संख्या 341 (खंड विकास अधिकारी कार्यालय कमरा नंबर 1 फतेहगंज पश्चिमी) बीएलओ साधना वर्मा से नोडल अधिकारी देश दीपक सिंह ने जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि ठाकुर द्वारा वार्ड में 1082 मतदाता है जिसमें लगभग 350 एसआईआर वितरण किए गए। जिसमें लगभग 250 एसआईआर (संग्रह) प्राप्त हुए। इसी तरह ठाकुर द्वारा वार्ड में 342 नंबर पर तैनात दुसरे बीएलओ अनुज गंगवार से भी जानकारी प्राप्त की गई। नोडल अधिकारी ने फतेहगंज पश्चिमी के अन्य बूथों पर भी जाकर बीएलओ से गणना प्रपत्र के वितरण और उन्हें वापस लेने की जानकारी ली।

सरई में अवैध घरेलू गैस उपयोग पर तहसीलदार ने छापामार कार्रवाई की

मोहित मिश्रा

मध्य प्रदेश: सरई तहसीलदार व खाद्य आपूर्ति अधिकारी चंद्रशेखर मिश्रा के द्वारा संचालित प्रतिष्ठिति दुकानों का किया गया ओचक निरीक्षण, दुकानों में घरेलू गैस उपयोग करने वालों पर की गई कार्यवाही। यह एक बहुत ही अच्छा कदम है, जिससे क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा एवं आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर सिंगरौली के निर्देश एवं मार्गदर्शन में तहसील सरई क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा एवं आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने हेतु तहसीलदार चन्द्रशेखर मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी छापामार कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान होटल मिड नाइट में तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडर व्यवसायिक उपयोग में पाए गए जिन्हें मौके पर तुरंत जब्त किया गया। इसी प्रकार राजस्थान मिष्ठान भंडार, सरई में घरेलू इंडेन व भारत गैस कंपनी के 2 सिलेंडर उपयोग में पाए गए। इसके अलावा महेंद्र स्वीट्स भंडार, पिंटू स्वीट्स, एवं अन्य स्थानीय प्रतिष्ठानों की भी सघन जांच की गई। तहसीलदार मिश्रा ने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि होटल-ढाबों में अवैधानिक रूप से घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा है। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए आज दोपहर से ही कार्यवाही प्रारंभ की गई, जिसमें कई अनियमितताएँ पाई गईं। इस अभियान के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

संपादकीय

नीतीश ही 'नेता' हैं

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के 'सर्वोच्च नेता' हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकाबला एकतरफा साबित हुआ।

भाजपा के 'चाणक्य' एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे 'बंपर' साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रासंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश को बिहार का नया 'जननायक' मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के 'अंतिम नेता' हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, 'संपूर्ण क्रांति' के बैनर तले, राजनीति की शुरूआत की थी। जॉर्ज फर्नांडीज, शरद यादव, कपूर्री ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद 'जननायक' करार देना चाहिए। यह बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने यह लगातार, पांचवां चुनाव जीता है। शुरूआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की आंधी, तूफान वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज 'दस हजारी' महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सवर्णों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महादलितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है। जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह 'स्वीप' जनादेश है। बिल्कुल कल्पनातीत जनादेश है।

बिहार में भगवा राज, सुशासन का नया संदेश

महागठबंधन इस चुनाव में कुछ आशा लेकर उतरा था, लेकिन उसके प्रदर्शन ने दिखाया कि उसकी रणनीति कामयाब नहीं रहीं और जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया। पूवार्नुमानों में उसे करीब 98-118 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गयी थी। लेकिन परिणामस्वरूप वह उम्मीद के मुताबिक स्थिति नहीं बना पाया। विपक्ष में नेतृत्व का स्पष्ट अभाव जनता को यह भरोसा नहीं हुआ कि गठबंधन में कौन वास्तविक सत्ता संभालेगा।

-प्रभुनाथ शुक्ल-

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गयी है। विपक्ष बिहार में जंगलराज की बात भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जदतादल (यू) नितीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया। एनडीए गठबंधन पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेस्जवी यादव की नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार की अपेक्षा से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है।

कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गाँधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है।

बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया। उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा है। जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है।

बिहार की जनता ने 20 सालों पर नितीश पर भरोसा जताया है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए गए जमीन पर काम भी किया। जिससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों ने यह साबित किया कि है यहाँ की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार कि जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी।

एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉमूर्ला माना जा रहा है जिनमे एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए की जीत का प्रमुख कारण यह रहा की जनता के बीच जाकर उन्होंने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था सिवाय नाकामियों के। केंद्र सरकार की तरफ से 10, 000 रुपए की महिलाओं को सौगात भी वोट बैंक का मजबूत आधार बना। दूसरी तरफ विपक्ष मनगढ़ंत नारों पर चलता रहा और जनता ने उस पर भरोसा नहीं जाताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे राहुल गांधी के नारों ने उल्टा काम किया। राहुल गाँधी लगातार अपनी राजनीति में बैकफुट पर हैं, लेकिन अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं ला पा रहे हैं। बिहार चुनाव की सबसे बड़ी बात यह रही है कि नितीश और मोदी के वहां सत्ता में होने की वजह से इसका सीधा लाभ मिला है, जबकि विपक्ष के पास सिर्फ हवाई नारों के अलावा उसके पास दिखाने के लिए कोई जमीन नहीं थी। जबकि बिहार की जनता नितीश और भाजपा सरकार के कार्यों से संतुष्ट थीं जिसका असर चुनाव परिणाम पर साफ दिखा।

महागठबंधन इस चुनाव में कुछ आशा लेकर उतरा था, लेकिन उसके प्रदर्शन ने दिखाया कि उसकी रणनीति कामयाब नहीं रहीं और जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया। पूवार्नुमानों में उसे करीब 98-118 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गयी थी। लेकिन परिणामस्वरूप वह उम्मीद के मुताबिक स्थिति नहीं बना पाया। विपक्ष में नेतृत्व का स्पष्ट अभाव जनता को यह भरोसा नहीं हुआ कि गठबंधन में कौन वास्तविक सत्ता संभालेगा। जबकि बिहार के युवा, महिलाएं और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं ने विकास पर अधिक विश्वास जताया।

बिहार के जनादेश ने साफ कर दिया है कि वह धर्म-जात और संप्रदाय की राजनीति से जनता उब चुकी है। अगर सुकून से उसे दो वक्त की रोटी, दो हाथों के लिए काम, बेहतर यातायात और स्वास्थ्य सुविधा मिल रहीं है तो यह निश्चित रूप से एक अच्छी सरकार चुनना चाहती है।

बांग्लादेश में आम चुनाव और जनमत संग्रह एक ही दिन होंगे

-नित्य चक्रवर्ती-

बांग्लादेश के चुनावी इतिहास में जमात को कभी भी आठ प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं मिले, हालांकि सत्तारूढ़ सरकार के लिए व्यवधान पैदा करने में इस पार्टी का बड़ा योगदान रहा है। अब सत्ता के करीब आने की संभावना को देखते हुए, जमात-ए-इस्लामी के नेता संजीदा हो गए हैं और खुद को जिम्मेदार नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। पिछले चुनावों में जमात का बीएनपी के साथ समझौता था।

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में राष्ट्रीय चुनाव होने हैं और उसी मतदान के दिन जुलाई चार्टर के लिए जनमत संग्रह भी होगा। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस के गुरुवार दोपहर के राष्ट्रीय संबोधन ने देश में मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता को समाप्त करने के लिए संसदीय चुनावों का मंच तैयार कर दिया।

इन फैसलों के साथ, डॉ. यूनुस ने न्यायपालिका, चुनाव प्रणाली, प्रशासन, पुलिस, भ्रष्टाचार विरोधी और संविधान में सुधार के लिए छह आयोगों के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य सार्वजनिक स्वामित्व, जवाबदेही और कल्याण पर आधारित एक राज्य प्रणाली स्थापित करना है। डॉ. यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में फासीवाद और सत्तावादी शासन के फिर से उभरने को रोकने के लिए कुछ राष्ट्रीय सुधार जरूरी हो गए हैं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय संबोधन का देश के प्रमुख राजनीतिक दल, जो पहले से ही चुनाव प्रचार में शामिल हैं, आकलन कर रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी), जो छात्रों की नई पार्टी है, चुनाव प्रचार में पूरी ताकत से जुटे हुए हैं, तथा अन्य छोटी राजनीतिक पार्टियां भी इन तीनों में से किसी एक के साथ गठबंधन की तलाश में हैं।

अवामी लीग, जिस पर फरवरी के चुनावों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, ने अपने कार्यकताओं को फिर से सक्रिय कर दिया है और पिछले कुछ दिनों में यूनुस शासन की सत्तावादी नीतियों के विरोध में कई जिलों में रैलियां आयोजित की हैं। अवामी लीग के कार्यकर्ता, जो पहले महीनों में छिपे हुए थे, अब ज्यादा खुलकर सामने आ रहे हैं और अपने समर्थकों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। अवामी लीग के स्थानीय नेताओं को शेख हसीना के भारत स्थित उनके आधार से निर्देश मिल रहे हैं। दरअसल, हाल के दिनों में, अपदस्थ प्रधानमंत्री बांग्लादेश में चुनावों की पूर्व संध्या पर मीडिया को साक्षात्कार दे रही हैं और अवामी लीग की स्थिति स्पष्ट कर रही हैं।

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के अपदस्थ होने के बाद से पिछले पंद्रह महीनों में, बांग्लादेश में राजनीतिक दलों की स्थिति में उथल-पुथल भरे बदलाव आए हैं। आरक्षण विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करने वाला छात्र संगठन, जो जुलाई 2024 में हुए आंदोलन का अगुआ था, जिसके कारण अवामी लीग सरकार गिर गई और यह धारणा बन गई कि इस साल फरवरी में नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) नामक राजनीतिक दल का गठन करने वाला यह संगठन 2026 के चुनावों में एक प्रमुख राजनीतिक दल के रूप में उभरेगा। लेकिन एनसीपी की स्थापना के बाद से पिछले आठ महीनों के घटनाक्रम से पता चलता है कि एनसीपी मतदाताओं के मन में एक व्यवहार्य राजनीतिक दल के रूप में उभरने में विफल रही है, जबकि जमात ने बड़ी पैठ बना ली है। विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के हालिया चुनावों में, जमात की छात्र शाखा ने बीएनपी और एनसीपी दोनों को हराकर भारी जीत हासिल की है। दरअसल, एनसीपी के उम्मीदवार कहीं नजर नहीं आ रहे थे।

प्रचार के स्तर पर, एनसीपी नेता विभाजित हैं और एक केंद्रीय निकाय के रूप में पार्टी अभी तक साझा उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं कर पाई है, हालांकि बीएनपी और जमात ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के चयन में काफी प्रगति कर ली है। ढाका स्थित पर्यवेक्षकों का मानना है कि जहां बेगम जिया के नेतृत्व में अपने संगठनात्मक विस्तार और एकजुट नेतृत्व के साथ बीएनपी चुनावों में अग्रणी स्थान हासिल करने के लिए तैयार है, वहीं एनसीपी को काफी हद तक हाशिए पर धकेलने वाली बीएनपी के बाद जमात अगली पार्टी के रूप में उभर सकती है। ऐसी खबरें हैं कि कुछ एनसीपी नेता व्यक्तिगत स्तर पर बीएनपी के साथ समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अन्य जमात के साथ समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश के चुनावी इतिहास में जमात को कभी भी आठ प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं मिले, हालांकि सत्तारूढ़ सरकार के लिए व्यवधान पैदा करने में इस पार्टी का बड़ा योगदान रहा है। अब सत्ता के करीब आने की संभावना को देखते हुए, जमात-ए-इस्लामी के नेता संजीदा हो गए हैं और खुद को जिम्मेदार नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। पिछले चुनावों में जमात का बीएनपी के साथ समझौता था, लेकिन इस बार, बीएनपी जमात को एक खतरे के रूप में देख रही है और पार्टी के साथ किसी भी तरह का समझौता करने से इनकार कर रही है। बीएनपी को अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी अवामी लीग की अनुपस्थिति में अपने दम पर बहुमत मिलने का भरोसा है।

बांग्लादेश चुनाव आयोग ने भागीदारी और संचालन संबंधी तैयारियों को बढ़ाने के लिए सुधार पेश किए हैं, जिनमें देश के बाहर मतदान के लिए तंत्र भी शामिल है। चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, चुनाव आयोग सशस्त्र बलों को अपने चुनाव सुरक्षा ढांचे में शामिल करने की योजना बना रहा है।

आरोपों की राजनीति में झूलता लोकतंत्र

-सुरेश हिन्दुस्थानी-

भारत की राजनीति में कौन सी स्थिति कब पैदा हो जाए, कोई यकीनी तौर पर कह नहीं सकता। कभी सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस के विरोध में राजनीतिक दल एकत्रित होते थे, अब यह दृश्य पूरी तरह से विपरीत होता जा रहा है। अब भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए राजनीति की जा रही है। इतना ही नहीं इसके लिए लोकतांत्रिक देश में आरोप और प्रत्यारोप का अभियान सा भी चलता दिखाई दे रहा है। आज की राजनीति के लिए सबसे गंभीर बात यह है कि यह सारे आरोप केवल और केवल प्रायोजित जैसे ही लगते हैं। अभी हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चलाए जा रहे प्रचार अभियान के अंतर्गत विपक्षी राजनीतिक दलों ने केन्द्र की भाजपा सरकार पर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाकर चुनावी दृश्य को अपने रंग में रंगने का प्रयास किया। इस बारे में सबसे गंभीर तथ्य यह भी है कि जो इस दुनिया से चले जाते हैं, उनके वोट हर वर्ष कटते ही हैं और जो युवा अपनी 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर लेते हैं, उनके नाम भी जुड़ते हैं। वैधानिक स्थिति में दो स्थानों पर नाम होना एक बड़ा अपराध होता है। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का काम विधिवत तरीके से चुनाव आयोग ही करता है, लेकिन राजनीतिक दल इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार बताने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप लगाना ही यह प्रमाणित करता है कि वोट चोरी का मामला पूरी तरह से राजनीतिक है, लोकतांत्रिक नहीं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किए जा रहे कार्यों पर सवाल खड़े करना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा ही है।

बिहार में जो आरोप लगाए गए, उनको प्रमाणित करने का सामर्थ्य अगर किसी के पास है तो उन प्रमाणों के साथ ही आरोप लगाना चाहिए। अगर प्रमाण नहीं है तो उन आरोपों को तथ्यहीन ही माना जाएगा। वोट चोरी का आरोप भी तथ्यहीन ही माना जा रहा है। क्योंकि चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर के अंतर्गत की जा रही कार्यवाही में केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए हैं, जिनके हटाए जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने जब इन आरोपों को सबूत के साथ लिखित में देने को कहा तो कोई भी सामने नहीं आया। आज विपक्ष की राजनीति लगभग ऐसी ही होती रही है। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। ऐसा ही एक निराधार मामला हरियाणा के चुनाव से जुड़ा हुआ है। जिसमें कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला है। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना है कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना जा सकता है। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है।

बिहार चुनाव के लिए इस प्रकार के आरोपों में कितना दम है, यह तो जांच करने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीति में इस प्रकार के आरोप लगाना उचित है। यकीनन इसका उत्तर नहीं ही होगा। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल द्वारा ऐसे आरोप लगाने के यही निहितार्थ निकाले जा सकते हैं कि उनको किसी भी प्रकार से बिहार में अपनी सरकार बनाना है। आज बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसके सहारे जनता को प्रभावित किया जा सके। इसलिए सभी राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोप लगाने की राजनीति कर रहे हैं। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य की बात की जाए तो वहां भाजपा, कांग्रेस, राजद और जदयू के आसपास ही सत्ता के ताले की चाबी घूमती रहती है। अब भाजपा, जदयू, कांग्रेस, राजद के नेता अपनी पीठ पर तरकश बांधकर तैयार खड़े हैं। किसके तीरों से किसका संधान होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। जहां एक ओर राजद की ओर से नीतीश कुमार को राजनीति के लिए अनफिट बताने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं जदयू और भाजपा की ओर से राहुल और तेजस्वी को अपरिपक्व बताने का भी खेल हो रहा है। लेकिन इस बार सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि प्रशांत कुमार की पार्टी कितना प्रभाव दिखाती है। अगर इनका खासा प्रभाव हुआ तो इसकी गति किसको ओवरटेक करेगी, यह देखने वाली बात होगी। देश के कुछ राजनीतिक विश्लेषक बिहार की राजनीति में लगाए जा रहे आरोपों पर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि इन आरोपों के चलते यह दल अपने बचाव करने की स्थिति बना रहे हैं।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

डिजिटल क्रांति ने जिस तेजी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स-वेब सीरीज, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो-हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है-बल्कि तेज व्यूज, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है-तेजी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है।

कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही ढ्ढआधुनिकताढ्ढ या ढ्ढयथार्थवादढ्ढ हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है-जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए।

इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज को वह ढ्ढमनोरंजनढ्ढ या ढ्ढट्रेंडढ्ढ समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेजढ्ढतेज दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है-कंटेंट निमार्ता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए ढ्ढयूजर चॉइसढ्ढ, ढ्ढएडल्ट टैगढ्ढ या ढ्ढव्यूअर डिस्क्रेशनढ्ढ जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमजोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक ढ्ढस्वतंत्र माध्यमढ्ढ है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नजरअंदाज कर देना ही स्वतंत्रता है?

समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं। ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

आईसीयू में भर्ती धर्मेंद्र और उनके परिवार का चुपके से वीडियो बनाना पड़ा महंगा, अस्पताल कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता धर्मेंद्र अभी भी इलाज करा रहे हैं। इस बीच, उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें परिवार के सभी सदस्य उनके आसपास नजर आ रहे थे। उनकी पत्नी प्रकाश कौर रो रही थीं और सनी देओल उन्हें दिलासा दे रहे थे। परिवार के इस बेहद निजी और भावुक पल की फुटेज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के एक कर्मचारी ने चुपके से रिकॉर्ड कर ली। अब जानकारी सामने आ रही है कि वीडियो शूट करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अभिनेता के अस्पताल से छुट्टी मिलने के अगले दिन 13 नवंबर को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो में धर्मेंद्र बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे थे, जबकि उनके बेटे बॉबी देओल, सनी देओल और बेटियां अजीता और विजेयता और परिवार के अन्य सदस्य पास में खड़े थे। सभी दुखी थे और उनकी आंखों में आंसू थे। सनी के बच्चे करण और राजवीर भी वहीं थे। धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर क्लिप में फूट-फूट कर रोती हुई दिखाई दे रही थीं। खबर के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जिस कर्मचारी ने चुपके से वीडियो बनाया था, उसे हिरासत में ले लिया गया है।

पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर राजमार्ग बंद... किसानों का विरोध मार्चा

अंबाला (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने राजपुरा-अंबाला-दिल्ली राजमार्ग (जो जीटी रोड का हिस्सा है) को पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू सीमा पर यातायात के लिए बंद कर दिया है। शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक। कौमी इंसाफ मोर्चा और सहयोगी किसान यूनियनों द्वारा शंभू बैरियर की ओर बढ़ रहे विरोध मार्च के कारण। राजपुरा शहर और राजपुरा-ज़ीरकपुर मार्ग पर भारी जाम की आशंका है। यातायात प्रबंधन और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी डायवर्जन मार्गों पर पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करें। यह विरोध मार्च पंजाब भर में चल रहे कृषि और श्रमिक संघों के आंदोलनों की श्रृंखला का हिस्सा है। प्रदर्शनकारी निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपनी सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों (बंदी सिंहों) की रिहाई की मांग। (कौमी इंसाफ मोर्चा द्वारा आहूत) बिजली संशोधन विधेयक 2025, बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान, किसानों को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक मुद्दे। विरोध में शामिल प्रमुख समूह, कौमी इंसाफ मोर्चा सहयोगी किसान यूनियनें किसान मजदूर मोर्चा (संयुक्त विरोध की योजना), भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) (संयुक्त विरोध की योजना), किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रमुख सरवन सिंह पंधेर और एसकेएम (गैर-राजनीतिक) प्रमुख जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कौमी इंसाफ मोर्चा के विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा की है।

केदारनाथ धाम में फैला 2300 टन कचरे... अब निस्तारित करने में 25 करोड़ खर्च होगा

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद केदारनाथ धाम में 2025 में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस आस्था के साथ केदारनाथ धाम में 2300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया है। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो तक कचरा केदारनाथ धाम में छोड़ा। बीते साल की तुलना में करीब 150 ग्राम प्रति यात्री ज्यादा रहा। अब इस कचरे को निस्तारित करने में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च होगा है, जो इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौजूद शिव धाम के पर्यावरण के लिए नई चुनौती है। केदारनाथ ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में है। यहां न कचरा जलाने की अनुमति है, न निपटारे प्लांट लग सकता है। केदारनाथ धाम में इस साल करीब 2300 टन कचरा इकट्ठा हुआ। यह गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। जिसमें करीब 100 टन प्लास्टिक कचरा था जबकि 2200 टन बाकी कचरा रहा। यात्रा के दौरान जमा हुआ पूरा कचरा वापस नीचे सोनप्रयाग लाकर निस्तारित करना पड़ता है। यह काम खच्चर करते हैं। हर खच्चर सिर्फ 10 से 12 किलो तक कचरा जा पाता है। एक फेरा कराने का खर्च 1700 रुपए तक आता है। इसलिए केदारनाथ में फैले कचरे को सोनप्रयाग तक पहुंचाने में करीब 25 करोड़ का खर्च हो रहा है।

हिमाचल में ईवीएम की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बिलासपुर (एजेंसी)। हिमाचल के बिलासपुर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इन पर स्ट्रॉन्ग-रूम में रखी ईवीएम की सुरक्षा में लापरवाही बरतने का आरोप है। सस्पेंशन के बाद इन जवानों को लाइन हाजिर किया गया। इसमें 2 हेड कॉन्स्टेबल और 6 कॉन्स्टेबल शामिल है। इलेक्शन कमीशन ने 2 विधानसभा की हाईकोर्ट में पिटीशन होने की वजह से बिलासपुर कॉलेज और लखनपुर में ईवीएम के लिए स्ट्रॉन्ग रूम बना रखा है। इसलिए, यहां 24 घंटे पुलिस जवानों की ड्यूटी रहती थी, ताकि ईवीएम से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। एडिशनल एसपी शिव चौधरी रात 11 बजे पहले बिलासपुर कॉलेज पहुंचे। इसके बाद, रात 12 बजे लखनपुर में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। बिलासपुर में 5 पुलिस जवान ड्यूटी पर होने चाहिए थे। मगर एक भी ड्यूटी पर नहीं मिला। उन्होंने बताया- लखनपुर में दो होमगार्ड जवान ड्यूटी पर मिले। मगर यहां भी पुलिस के 3 जवान गायब थे।

भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला लापता, भारत सरकार ने जांच शुरु की

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान दर्शन के लिए गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। कपूरथला निवासी सरबजीत कौर 1932 श्रद्धालुओं के साथ 4 नवंबर को अटारी बॉर्डर के द्वारा पाकिस्तान गई थीं। लेकिन 10 दिन बाद लौटे जत्थे में उनकी गैरमौजूदगी का मामला सामने आया है। इमिग्रेशन फॉर्म में उनकी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर खाली मिलने से संदेह और बढ़ गया है। भारतीय एजेंसियों ने मामला गंभीर मानकर जांच शुरू कर पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से संपर्क किया है। महिला की पहचान सरबजीत कौर, निवासी पिंड अमैनीपुर, जिला कपूरथला (पंजाब) के रूप में हुई है।

महागठबंधन के लिए कमजोर कड़ी साबित हो रही कांग्रेस... अखिलेश और ममता के फैसलों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं, और इन नतीजों ने तमाम अनुमानों को ध्वस्त किया है। बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। अब तक के आए नतीजों में एनडीए का आंकड़ा 200 के पार जाता नजर आ रहा है। एनडीए के पक्ष में ऐसी आंधी चली है कि महागठबंधन की सीटों का आंकड़ा 30 के नीचे जाता दिख रहा है। महागठबंधन में शामिल सभी दलों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। कांग्रेस की सीटें 5 से भी कम हो गई हैं, जबकि मुकेश सहनी की पार्टी का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा।

बिहार में लगातार दूसरी बार कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद बुरा रहा है। इसके बाद सवाल उठता है कि कांग्रेस के साथ लड़कर सहयोगी दलों को फायदा है या नहीं और दूसरी तरफ यह भी प्रश्न है कि कांग्रेस को भी इसका क्या फायदा। क्योंकि बिहार के बाद बंगाल और यूपी का चुनाव है। बंगाल में भले ही ममता बनर्जी अपने दम पर चुनाव लड़ती हैं, लेकिन समय-समय पर कांग्रेस के साथ गठबंधन की चर्चा रहती है। वहीं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है।

नतीजों के बाद बिहार की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि अलग-अलग सीटों पर ये दल लड़े होते, तब नतीजे जो भी होते कम से कम कार्यकर्ताओं को मनोबल बना रहता। पिछले बिहार चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को लेकर आरजेडी के भीतर सवाल खड़े हुए थे और इस बार भी बहुत कुछ नहीं बदला है। हालांकि इस बार आरजेडी भी उस स्थिति में नहीं कि कांग्रेस पर दोष दे सके।

बिहार नतीजों पर सबसे करीब नजर सपा मुखिया अखिलेश यादव की रही होगी। यूपी का पड़ोसी राज्य बिहार है। इतना ही नहीं अखिलेश यादव ने महागठबंधन के पक्ष में प्रचार किया था। 2027 में यूपी का चुनाव है और अखिलेश के लिए यह चुनाव काफी मायने रखता है। आम चुनाव में कांग्रेस और सपा दोनों ने मिलकर बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन विधानसभा चुनाव में अलग चुनौती होगी। सपा शायद यूपी में कांग्रेस को कम महत्व दे लेकिन डर इसका भी हैं कि कांग्रेस के अलग लड़ने से नुकसान न पहुंच जाए।

अगले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव होने है। बंगाल में पहली बार कमल खिलाने के लिए बीजेपी अपना पूरा जोर लगा रही है, लेकिन अब तक कमल खिला नहीं सकी है। हालांकि बिहार नतीजों ने बंगाल के बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश भर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन में रहते हुए भी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया। हालांकि उसके बाद कई बार यह सवाल सामने आया कि क्या अगले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ सकते हैं। अब बिहार नतीजों के बाद ममता बनर्जी को गठबंधन को लेकर जो कन्फ्यूजन होगा शायद वह दूर हो जाए।

जिन्हें 'राम नाम' से दिक्कत है, वो लाहौर की टिकट कटवा लें-बागेश्वर बाबा

मथुरा (एजेंसी)। सनातन एकता पदयात्रा के मथुरा जिले के कोसी से रवाना होने से पूर्व शुक्रवार को सुबह बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि जिनको राम नाम, वंदे मातरम, जय श्री राम से दिक्कत हो तो जल्दी ही लाहौर की टिकट कटवा लें। अगर पैसा भी न हो तो हम कर्ज लेकर अपने पैसे से टिकट करवाएंगे। जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं। बाबा बागेश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि हम मुसलमानों के विरोधी नहीं। हम उनके विरोधी हैं जो राम और राष्ट्र का नहीं हो सकता है, हम उनके विरोधी हैं जो खाते भारत का हैं और गुणगान उन लोगों का करते हैं। वो आप के चाचा लगते हैं क्या? कुछ हमारे हिंदू गीता, गंगा, संतों, सनातन एकता पद यात्रा का विरोध करते हैं। भैया अगर शुगर हो जाती है, तो शुगर चेक कार्रवाई जाती है। वैसे जो हिन्दूओं का विरोध करते हैं वो अपना डीएनए टेस्ट करवा लें। इससे पूर्व राष्ट्रगान, वंदेमातरम के साथ एक जुट होने की शपथ दिलाई गई।

कांग्रेस अब पहले से ज्यादा वामपंथी: शशि थरूर

हैदराबाद(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में पार्टी की विचारधारा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाल के वर्षों में पहले से कहीं अधिक वामपंथी हो गई है। यह बदलाव भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला करने की रणनीति का हिस्सा है। थरूर की टिप्पणी पार्टी की ऐतिहासिक मध्यमार्गी छवि से विचलन को रेखांकित करती है।

थरूर से पूछा गया कि क्या भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और वामपंथी दलों का गठबंधन रेडिकल सेंट्रिज्म का उदाहरण है। उन्होंने जवाब दिया कि उनके विचार सिद्धांतों और विचारधारा पर केंद्रित हैं, जहां दूरियां पाटने की जरूरत है। हालांकि, रणनीतिक समायोजन बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ मायनों में, इसका नतीजा यह हुआ है कि मेरी पार्टी पहले से कहीं ज्यादा वामपंथी बन गई है। यह भाजपा की नीतियों के विरोध में हो रहा है। थरूर ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव विपक्षी भूमिका से उपजा है। थरूर ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस को मध्यमार्गी बताया। उस दौर में पार्टी ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कुछ नीतियों से प्रेरणा ली। 1990 के दशक में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में शुरू की गईं आर्थिक सुधार नीतियां थीं, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने पर अपनाया। थरूर के अनुसार, 1991 से 2009 तक का दौर मध्यमार्गी था। पार्टी ने उदारीकरण और बाजार सुधारों को बढ़ावा दिया। लेकिन 2009 के बाद यह बदलाव शुरू हुआ, जो विपक्ष में रहते हुए तेज हो गया। थरूर ने इस वामपंथी झुकाव को भाजपा की 'विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला बताया। कांग्रेस अब सामाजिक न्याय, वेलफेयर योजनाओं और वामपंथी एजेंडे पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस पहले की तुलना में कहीं ज्यादा वामपंथी हो गई है। यह रणनीतिक समायोजन है या दार्शनिक बदलाव, यह भविष्य तय करेगा। थरूर की टिप्पणी पार्टी के अंदरूनी बहस को उजागर करती है। पहले आडवाणी की तारीफ पर विवाद के बाद यह बयान चर्चा में है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर जताई चिंता

-मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर, वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट में वर्चुअली पेश होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है, जहां हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर है जिससे सेहत को स्थायी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट आने के बजाए वर्चुअली पेश होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ के समक्ष दूसरे मामलों की सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब और गंभीर है। इससे सेहत को स्थाई नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट में हाइब्रीड सुनवाई हो रही है। अधिकतर वकीलों को वर्चुअल रूप से पेश होना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वैसे हम मास्क लगाकर सभी एहतियात बरतते हैं।

इस पर जस्टिस नरसिम्हा में कहा कि खतरा मास्क से भी आगे निकल चुका है। हवा में खतरनाक प्रदूषण का स्तर 300 से काफी आगे जा चुका है। लिहाजा एहतियात भी उसी स्तर के अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले पर मुख्य न्यायाधीश से भी बात की जाएगी। शुक्रवार को दिल्ली के लोगों को खतरनाक हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं दिखा और शुक्रवार सुबह 8 बजे एक्युआई 397 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

सुबह 7 बजे एक्युआई 399 था। गुरुवार को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्युआई 404 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों ने शुक्रवार को एक्युआई 400 से भी ऊपर दर्ज किया।

विस्फोट के बाद दिल्ली में सुरक्षा कड़ी, जगह-जगह हो रही गाड़ियों की चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट और आईजीआई एयरपोर्ट पर बम की धमकी भरे मेल के बाद सीआईएसएफ के साथ मिलकर एयरपोर्ट पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई कर रही है। एरोसिटी और यहां आने वाले रास्तों पर भी जगह-जगह बैरिकेडिंग करके जांच की जा रही है। कई जगह गाड़ियों को चेक भी किया जा रहा है। डॉग स्क्वॉड को विशेष रूप से जांच में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे किसी भी संदिग्ध गाड़ी का पता लगाया जा सके। एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को एडवाइजरी जारी करके कहा गया है कि तीन घंटा पहले एयरपोर्ट पहुंचे। इसके अलावा मेट्रो यात्रियों को 20 मिनट पहले और रेल यात्रियों को एक घंटा पहले स्टेशन पहुंचने के लिए कहा है, जिससे सुरक्षा जांच में लगने वाले समय से यात्रियों को असुविधा न हो और वे सुरक्षा जांच से गुजरकर अपने अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर चेकिंग और पट्रोलिंग बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस की सभी इकाइयां और सीआईएसएफ टीम सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। गाड़ियों की सिक्योरिटी जांच सख्ती से की जा रही है। इनवर्टेड मिरर कैमरा का इस्तेमाल भी गाड़ियों की चेकिंग के लिए किया जा रहा है।

बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भरी हुंकार

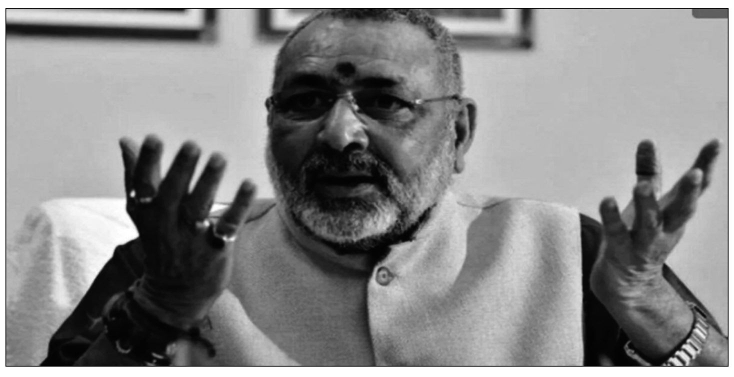

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 2025 के बिहार चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारी जीत का अनुमान लगाया, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन मतगणना के बीच कई विधानसभा क्षेत्रों में लीड कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, मैं पहले दिन से कह रहा था कि बिहार में हमारी भारी जीत होगी। बिहार के लोग हमेशा से इस सरकार को लेकर बहुत उत्साहित रहे हैं। बिहार के लोगों ने शांति, न्याय और विकास के लिए वोट दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार को समझने वाले जानते हैं कि यहाँ के लोग जंगल राज नहीं चाहते। बिहार के नागरिक अराजकता और भ्रष्ट नेतृत्व को नकारते हैं। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, मैं साफ कहता हूँ, बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हम बंगाल भी जीतने वाले हैं। वहाँ की मौजूदा सरकार अराजकता से भरी है, बाहरी तत्वों के प्रभाव में है, लेकिन बंगाल के लोग अंततः सच्चाई को पहचान लेने वाले है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे मतदाताओं द्वारा अराजकता को नकारने और एनडीए के विकास को स्वीकार करने का प्रणाम हैं। आज हम हर ज़िले में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खुलते देख रहे हैं। घटिया चरवाहा विद्यालयों को हटाया गया है। यही बिहार में प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह सच है कि आज के युवाओं ने भले ही जंगल राज न देखा हो, लेकिन उनके बुजुर्गों ने देखा है। मैं साफ़ कह रहा हूँ कि बिहार इन भ्रष्ट नेताओं के हाथों में नहीं जाएगा। नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद के बारे में पूछे गए सवालों पर उन्होंने दो टूक कहा कि बिहार सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी और इसमें किसी भ्रम की कोई ज़रूरत नहीं है।

भाजपा नेता का तंज: चिदंबरम ने आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के बाद इस मुद्दे पर राजनैतिक बहस भी तेज होती जा रही है। एक भाजपा नेता ने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि देश के पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने शायद आतंकवाद पर पीएचडी हासिल कर ली है। क्योंकि उनके कार्यकाल में आए दिन आतंकी धमाके करते थे। कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि चिदंबरम को आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है, क्योंकि उनके गृह मंत्री रहते हुए देश में हर दिन कहीं न कहीं बम धमाके होते थे। गौरव वल्लभ ने कहा कि हमारी मौजूदा सरकार और देशवासी आतंकवाद को आतंकवाद ही मानते हैं, उसके प्रकार नहीं ढूंढते। वर्तमान सरकार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देती है, गोली का जवाब गोले से देती है। दिल्ली में हुए विस्फोट को जिन लोगों ने अंजाम दिया है और जिन्होंने इसकी साजिश रची है, दोनों को भारत की न्यायिक व्यवस्था के तहत सख्त सजा जरूर मिलेगी।

भाजपा नेता ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पी चिदंबरम को आतंकवाद के प्रकारों की जानकारी जरूर होगी, क्योंकि उनके समय में आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। यही अंतर है नए भारत और 2004 से 2014 के यूपीए शासनकाल में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह देशवासियों से वादा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार वैसी नहीं है, जिसके कार्यकाल में तीन हजार किलो आरडीएक्स देश में घुस जाए और पता भी न चले। गौरव वल्लभ ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सतर्क कार्रवाई कर आरडीएक्स की खेप को जब्त किया और इसी दबाव के चलते आतंकी इस तरह के विस्फोट करने को मजबूर हुए। वहीं, आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के उस पोस्ट पर भी गौरव वल्लभ ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें भारद्वाज ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता विस्फोट में घायलों से मिलने का दिखावा कर रहे हैं। गौरव वल्लभ ने कहा कि शराब प्रेमी पार्टी के नेताओं को समस्या यह है कि जब दिल्ली के घाव पर मरहम लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह दो घंटे में मौके पर पहुंच गए तो उन्हें यह दिखावा लग रहा है। यह सरकार शीशमहल बनाने में व्यस्त रहने वाली नहीं है, बल्कि यह हमेशा जनता के साथ खड़ी रहती है।

6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय, योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी की आशंका

-अब तक 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला, यूआईडीएआई कर रहा सर्वे

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में हर नागरिक को आधार नंबर जारी करने की शुरुआत को 15 साल हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड जारी हुए, लेकिन 8 करोड़ से ज्यादा धारकों की मौत के बावजूद 1.83 करोड़ कार्ड ही निष्क्रिय हुए हैं। करीब 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय हैं। इससे बैंक फ्रॉड, फर्जी खातों और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी आशंकाएं बढ़ गई हैं। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ भुवनेश कुमार के मुताबिक भारत के महापंजीयक से अब तक यूआईडीएआई को 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला है। नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची जुड़ी। इनमें 1.17 करोड़ की पहचान हुई है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि दिसंबर तक 2 करोड़ कार्ड निष्क्रिय हो जाएंगे।

यूआईडीएआई ने चार महीने पहले वेबसाइट पर मृत्यु सूचना पोर्टल शुरू किया ताकि परिजन मृतक का आधार ऑनलाइन निष्क्रिय करा सकें। अब तक केवल 3,000 लोगों ने जानकारी दर्ज कराई है, जिनमें से 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और उनके कार्ड निष्क्रिय किए गए हैं। सीईओ ने कहा कि आधार की शुरुआत 2010 में हुई। वहीं, 2016 के बाद से करीब 8 करोड़ आधार धारकों की मृत्यु का अनुमान है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम से केवल 25 राज्यों के आंकड़े मिलते हैं। बाकी राज्यों से डेटा जुटाने का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि जब आधार जारी होना शुरू हुआ तो देश में सालाना मौतें करीब 56 लाख थीं। बढ़ते-बढ़ते आंकड़ा 85 लाख पहुंच गया। इसलिए हम 2016 से अब तक आठ करोड़ मौत मान रहे हैं। मृत्यु का पंजीकरण अब भी बेहद कैजुअल है। करीब 48 लाख नामों का मिलान नहीं हो पाया है। इनमें से 4-5 फीसदी रिकॉर्ड क्षेत्रीय भाषा में दर्ज जानकारी के कारण मैच नहीं हो सके। इस प्रक्रिया में 80 ऐसे मामले सामने आए जिनमें मृत घोषित किए गए लोग बाद में जिंदा पाए गए। अब इन मामलों की जांच चल रही है।

यूआईडीएआई के डेटाबेस में 8.30 लाख आधार धारकों की उम्र 100 साल से अधिक दर्ज है। इनमें सर्वाधिक महाराष्ट्र में 74,000, यूपी में 67,000, आंध्र में 64,000 व तेलंगाना में 62,000 कार्ड धारक शामिल हैं। राज्यों ने इनमें से अब तक 3,086 मामलों की ही पुष्टि की। इनमें 629 जिंदा, 783 मृत और 1,674 की जानकारी नहीं मिली। एसबीआई के 22 करोड़ आधार-लिंक्ड खातों में 8 लाख मृतकों के खाते बंद किए गए। पीडीएस से जुड़े 80 करोड़ राशन कार्डों में से 4.5 लाख मृतकों के कार्ड सक्रिय पाए गए। दो करोड़ पेंशनरों में 22 लाख की मौत की पुष्टि। बीमा कंपनियों के पास 5 लाख मृतकों की जानकारी है।

संक्षिप्त समाचार

तुर्की का मिलिट्री विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त, 20 जवानों की मौत की आशंका

अंकारा, एजेंसी। तुर्की का एक सैन्य मालवाहक विमान अजरबैजान की सीमा के निकट जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल सहित 20 सैन्यकर्मी सवार थे। तुर्की और जॉर्जिया के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है, लेकिन हताहतों की सटीक संख्या के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। तुर्की के समाचार चैनलों पर दिखाए गए वीडियो फुटेज में विमान को तेजी से नीचे गिरते हुए और सफेद धुएं के गुबार के साथ दुर्घटनाग्रस्त होते देखा गया। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की कि यह सी-130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्की लौट रहा था, जब यह हादसे का शिकार हो गया। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और 'मृतकों' के प्रति संवेदना जाहिर की, जिससे संकेत मिलता है कि कई लोगों की जान जा चुकी हो सकती है। मंत्रालय के अनुसार, विमान में 20 सैन्यकर्मी सवार थे, जिनमें चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से खोज व बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना सिग्नाघी नगरपालिका क्षेत्र में घटी, जो अजरबैजान सीमा के करीब स्थित है। विभाग ने मामले की जांच भी आरंभ कर दी है। एर्दोगन ने कहा कि वे इस हादसे से 'बहुत दुखी' हैं और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। बता दें कि सी-130 हरक्यूलिस विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप सैन्य परिवहन विमान है। इसे छोटे और अपर्याप्त रनवे से आसानी से उड़ान भरने व उतरने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्राइमरी कार्य माल ढोना, सैनिकों और उपकरणों का परिवहन करना है। इसके अलावा, इसे गनशिप, हवाई हमले और टोही अभियानों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

मालाबार युद्धाभ्यास में शामिल हुआ ऑस्ट्रेलिया, चीन की चुनौती से निपटने में जुटे क्वाड देश

कैनबरा, एजेंसी। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत, जापान और अमेरिका संयुक्त युद्धाभ्यास मालाबार में शिरकत कर रहे हैं। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गया। मालाबार युद्धाभ्यास 10 नवंबर को शुरू हुआ था और 18 नवंबर तक चलेगा। ऑस्ट्रेलिया के युद्धाभ्यास में शामिल होने के बाद अब क्वाड के चारों सदस्य देश मालाबार युद्धाभ्यास का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि 'रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी का ईष्ट श्रेणी की फ्रिगेट एचएमएएस बालाराट और रॉयल ऑस्ट्रेलियन एअर फोर्स के पी-8ए पोसायडन मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट मालाबार युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगे। पोसायडन गुआम के एंडरसन एअर फोर्स बेस से संचालित होगा।' ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ जॉइंट ऑपरेशन वाइस एडमिरल जस्टिन जोंस ने बताया कि मालाबार युद्धाभ्यास बढ़ती क्षेत्रीय साझेदारी और लगातार बदलती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने की अहमियत बताता है। मालाबार युद्धाभ्यास की शुरुआत साल 1992 में हुई थी। पहली बार अमेरिका और भारत ने इस युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। बाद में जापान और ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गए। ये चारों देश ही क्वाड संगठन का हिस्सा है। ऐसे में मालाबार युद्धाभ्यास क्वाड देशों का युद्धाभ्यास बन गया है। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की चुनौती लगातार बढ़ रही है। ऐसे में चीन की चुनौती से निपटने, हिंद प्रशांत क्षेत्र में नौवहन के मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मालाबार युद्धाभ्यास अहम है। युद्धाभ्यास में भाग ले रहे ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के जहाज के कमांडर डीन यूरेन ने कहा कि यह हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सदस्य देशों के बीच अंतरसंचालन को बेहतर करने का यह बेहतरीन अवसर है। क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ युद्धाभ्यास से हम हिंद प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे।

चीन का 758 मीटर लंबा नया होंगची ब्रिज ढहा, उद्घाटन के 44 दिन बाद हादसा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के सिचुआन प्रांत में हाल ही में शुरू हुआ होंगची ब्रिज आंशिक रूप से ढह गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और इसकी लंबाई करीब 758 मीटर है। सोमवार दोपहर पुल के आसपास की पहाड़ी ढलानों और सड़कों पर दरारें दिखाई दीं। पहाड़ की जमीन खिसकने लगी तो प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से पुल को तत्काल बंद कर दिया। मंगलवार दोपहर हालात और बिगड़ गए। पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी खिसकने के बाद पुल का एक हिस्सा टूटकर ढह गया। अब तक किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है। वीडियो में धूल का गुबार उठता दिखाई देता है और पुल के खंभे टूटकर नीचे पत्थरों और नदी में गिरते नजर आते हैं। यह पुल इसी साल पूरा हुआ था।

सादरिस्ट का बहिष्कार, कम वोटिंग और कड़ी सुरक्षा; क्या संदेश दे रहा है बगदाद का जनादेश?

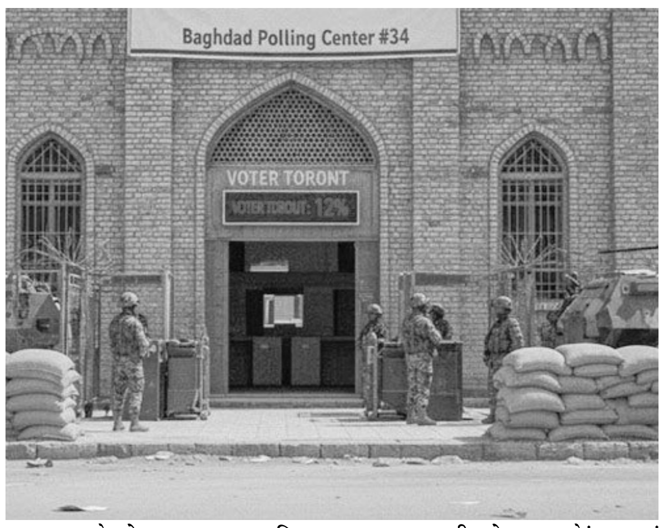

बगदाद, एजेंसी। इराक में मंगलवार को संसदीय चुनाव हुए, जो कड़ी सुरक्षा और एक बड़े राजनीतिक गुट के बहिष्कार से प्रभावित रहे। मतदान के दौरान हिंसा की सिर्फ एक बड़ी घटना सामने आई, जो कि उत्तरी शहर किर्कुक में दो दलों के समर्थकों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मी मारे गए। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, पंजीकृत मतदाताओं में से 55% ने वोट डाला, लेकिन कुल 32 मिलियन योग्य मतदाताओं में से सिर्फ 21.4 मिलियन ने ही मतदाता कार्ड बनवाए, जो 2021 के चुनाव में 24 मिलियन से कम है।

बता दें कि यह चुनाव ऐसे समय में हुआ है जब क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में बड़े बदलाव हुए हैं। उदाहरण के तौर पर गाजा और लेबनान में युद्ध, इस्राइल-ईरान संघर्ष और सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन जैसे घटनाक्रमों के बीच। ऐसे में अमेरिका भी इराक सरकार पर ईरान समर्थक सशस्त्र गुटों के प्रभाव को कम करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने कहा कि यह चुनाव जनता की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2003 के बाद सिर्फ एक प्रधानमंत्री को ही दोबारा मौका मिला है।

सादरिस्ट मूवमेंट का बहिष्कार : प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र के नेतृत्व वाला सादरिस्ट मूवमेंट इस चुनाव से दूर रहा। 2021 में इस गुट ने सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं, लेकिन सरकार गठन पर सहमति न बनने के बाद उसने संसद से इस्तीफा दे दिया और अब पूरे राजनीतिक सिस्टम का बहिष्कार कर रहा है। सदर सिटी (बगदाद के बाहरी इलाके) में सुरक्षा बेहद कड़ी थी, सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और विशेष बलों की तैनाती थी। वहां एक बड़ा बैनर लगा था, जिसमें अल-सद्र सैन्य वर्दी में हथियार लिए नजर आ रहे थे, साथ में लिखा था- मेरे लोग सदर सिटी में बहिष्कार कर रहे हैं। खास बात ये रही है कि मतदान केंद्र खुले तो थे, लेकिन लगभग खाली रहे। एक केंद्र, जहां 3,300 मतदाता पंजीकृत थे, वहां कुछ घंटों में केवल 60 लोगों ने वोट डाला। केंद्र के निदेशक अहमद अल-मुसावी ने कहा कि सादरिस्ट बहिष्कार का बड़ा असर पड़ा है। पहले लंबी कतारें लगती थीं, अब सन्नाटा है। स्थानीय निवासी सबीह दाखिल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि शायद नए नेता जीवन स्तर सुधारें। जबकि दूसरे निवासी राफिद अजील ने कहा कि यह सरकार भ्रष्ट है, पहले भी भ्रष्ट थी, आगे भी वैसी ही होगी।

किर्कुक में तनाव और हिंसा, समझिए कारण : मतदान से पहले रात में किर्कुक में हिंसा भड़क उठी। यहां अरब, कुर्द, शिया और तुर्कमान समुदाय रहते हैं और यह इलाका लंबे समय से क्षेत्रीय विवाद का केंद्र रहा है। रात 2 बजे के करीब दो गुटों में झगड़ा हुआ जो बाद में गोलीबारी में बदल गया। इसमें दो पुलिसकर्मी मारे गए और दो नागरिक घायल हुए। 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, झगड़ा कुर्द पार्टी (पीयूके) और इराकी तुर्कमान फ्रंट के समर्थकों के बीच हुआ। सुबह तक स्थिति शांत हुई और धीरे-धीरे लोग वोट डालने पहुंचे। हालांकि, कई मतदाताओं ने राजनीतिक उदासीनता जताई। 60 वर्षीय नूरअदीन सालेह ने कहा, 'हम सिर्फ चेहरों को बदलते हैं, बाकी कुछ नहीं बदलता। अस्सीरी अल्पसंख्यक की बैन बहनम ने भी कहा, 'उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं, लेकिन फिर भी हम वोट डालने आते हैं।

भ्रष्टाचार और कानूनी विवाद : मतदान से पहले भ्रष्टाचार और वोट खरीदने के कई आरोप लगे। सुरक्षा बलों ने पिछले हफ्ते 46 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अवैध रूप से वोटर कार्ड खरीद-बेच रहे थे। उनके पास से 1,841 कार्ड बरामद हुए।इराक के सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल के प्रमुख ने भी कहा कि चुनाव की तारीख संवैधानिक नहीं है, क्योंकि इसे पहले 24 नवंबर तय किया गया था, बाद में बदलकर 12 नवंबर कर दिया गया।

कंबोडिया और थाईलैंड में फिर छिड़ेगी जंग? थाई सेना ने रद्द किया ट्रंप का शांति समझौता

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की सेना ने मंगलवार को कंबोडिया पर विवादित सीमा क्षेत्र में नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया। थाईलैंड ने दावा किया कि इन बारूदी सुरंगों के चलते उसके कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। सीमा पर लैंडमाइन्स बिछाए जाने को थाईलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित शांति समझौते का उल्लंघन बताया। थाईलैंड की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि फोरेंसिक अधिकारियों ने सोमवार (10 नवंबर,2025) को कंथारलक जिले में बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र की जांच-पड़ताल की। इस दौरान अधिकारियों को धमाके से बना एक गड्ढा और तीन अन्य बारूदी सुरंगों का पता चला। सीमा पर गश्त के दौरान 4 थाई सैनिक घायलथाई सेना की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया था कि सीमा पर गश्त करने के दौरान लैंडमाइन पर पैर पड़ने की वजह से चार सैनिक घायल हो गए। इनमें से एक सैनिक ने अपना पैर भी गंवा दिया। बैंकॉक पोस्ट के मुताबिक मेजर जनरल विनथाई ने कहा, ''इस तरह की घटना संघर्ष को कम करने में कंबोडिया के दोहरे रवैये को दर्शाता है। ये शत्रुता को भी दर्शाता है, जो संयुक्त रूप से माने गए समझौते का भी उल्लंघन है। कंबोडिया ने आरोपों को किया खारिज कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार की देर रात थाईलैंड के आरोपों को खारिज कर दिया। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि कंबोडिया के गृह युद्ध के दौरान की एक पुरानी बारूदी सुरंग में धमाके की वजह से सोमवार को थाई सैनिक घायल हुए। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि उसकी ओर से सीमा पर कोई भी नई लैंडमाइंस नहीं बिछाई गई हैं, जो आम नागरिकों के लिए खतरा बनें। थाईलैंड पर कंबोडिया ने जड़ा ये आरोप कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय ने शांति समझौते की शर्तों और जेनेवा कन्वेंशन का सख्ती से पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय ने थाईलैंड की ओर से कंबोडिया के साथ तमाम गतिविधियां सस्पेंड करने पर भी चिंता जताई। इसमें विवादित सीमा क्षेत्र से बड़े हथियारों को हटाने और कंबोडियाई युद्धबंदियों को छोड़े जाने पर सहमति बनी थी।

संयुक्त राष्ट्र चीफ गुटेरस ने दिल्ली धमाके पर दुख जताया, जांच की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके में जान गंवाने वालों के प्रति दुख जताया है। उनके प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि भारत सरकार और लोगों के लिए हम संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की पूरी तरह जांच जरूरी है।

मंगलवार को हुई इस घटना में 12 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता से इस मामले और इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बारे में सवाल पूछे गए थे। इस्लामाबाद के हमले पर उन्होंने कहा कि महासचिव इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। गुटेरस ने कहा कि आतंकवाद और हिंसा की हर घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और दोषियों को सज़ा मिले। इसके लिए पूरी जांच होनी चाहिए। इस्लामाबाद में मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिस वाहन के पास खुद को उड़ा लिया। इस हमले में 12 लोगों की मौत और 36 लोग घायल हुए।

जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह के बिना चुनाव नहीं: बांग्लादेश की इस्लामी पार्टी : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने मंगलवार को फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव का कड़ा विरोध किया और कहा कि जब तक जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह कर उसे 'कानूनी आधार' नहीं दिया जाता, तब तक चुनाव नहीं हो सकता। ढाका में अपने सात इस्लामी सहयोगियों के साथ आयोजित एक रैली में जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने कहा, इस देश के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों का एक ही संदेश है-आम चुनाव से पहले एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह होना चाहिए। यह रैली जमात की ताकत दिखाने का एक प्रयास मानी जा रही है।

11 साल बाद हमास ने इस्राइल को लौटाया सैनिक का शव, अंतिम संस्कार में उमड़ी हजारों की भीड़

यरुशलम, एजेंसी। मध्य इस्राइल में मंगलवार (11 नवंबर,2025) को 11 साल बाद गाजा से लौटे इस्राइली सैनिक के शव के अंतिम संस्कार में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सैनिक के अंतिम संस्कार के दौरान हाथों में इस्राइल का झंडा लिए हुए भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इसके चलते श्मशान और आस-पास की तमाम गलियां जाम हो गईं। लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का अंतिम संस्कार उनके परिवार वालों के लिए भावुक कर देने वाला पल था। दरअसल, लेफ्टिनेंट के परिवार ने उनके शव को वापस इस्राइल लाने के लिए एक बड़ा सार्वजनिक अभियान चलाया था। हमास ने 9 नवंबर, 2025 को उनके शव का अवशेष इस्राइल को वापस भेजा। वहीं 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले में चार बंधकों के शवों को गाजा ले जाने के बाद इस्राइल के साथ युद्ध छिड़ गया था। ये शव अभी भी गाजा में ही हैं। 2014 में इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के एलान के दो घंटे बाद 23 साल के गोल्डिन की मौत हो गई थी। कई वर्षों तक गोल्डिन और एक अन्य सैनिक ओरॉन शॉल के पोस्टर इस्राइल की गलियों में दिखते थे। वहीं, उनके परिवारों की ओर से शवों को वापस लाने के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इस्राइली सेना की ओर से बहुत पहले साफ कर दिया गया था कि गोल्डिन की हत्या हो चुकी है और सबूत के तौर पर सुरंग में उसकी खून से सनी शर्ट बरामद की गई थी। बीते वर्षों में गोल्डिन के शव की पहचान होने के बाद उनके परिजनों ने कई बार निराशा जाहिर की। परिजनों ने कहा था कि उनके बेटे का शव न इस्राइली सेना और न ही कोई अन्य वापस लेकर आया। इसे एक तरह से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना के तौर पर देखा गया। वहीं, नेतन्याहू ने हालिया कैबिनेट बैठक में कहा, ''इस्राइली सैनिक का शव हमास के कब्जे में लंबे समय तक रहने से परिवार को बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी। अब वे उसका अंतिम संस्कार कर सकेंगे।'' गौरतलब है कि ओरॉन शॉल का शव साल की शुरुआत में ही इस्राइल वापस आ गया था। गोल्डिन के परिजनों ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''हैदर जंग लड़ने गया था और इस्राइली सेना ने उसे छोड़ दिया। इस्राइली सेना ने हमारे और उसके मानवीय अधिकारों को खत्म कर दिया।'' गोल्डिन के शव को वापस लाने की शुरुआती कोशिशों में दर्जनों फलस्तीनी मारे गए थे। फलस्तीन की ओर से इसे अंधाधुंध गोलीबारी बताया गया था। गोल्डिन के शव को पाने के लिए इस्राइल ने हैनीबेल प्रोटोकॉल लागू किया था। इसके तहत इस्राइली सेना को भारी हथियार और सैन्यबल के इस्तेमाल की छूट मिलती है। गोल्डिन की तलाश में इस्राइली सेना ने गाजा शहर में भीषण गोलीबारी और एयरस्ट्राइक की थीं, जिनमें 110 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। 2016 में भारी आलोचना के बाद हैनीबेल प्रोटोकॉल को रद्द कर दिया गया था। 2014 में हुई इस्राइल और हमास की जंग में 2200 फलस्तीनियों की मौत हो गई थी।

एच-1बी वीजा पर नरम पड़े ट्रंप; कहा- अमेरिका को चाहिए टैलेंट, सिर्फ बेरोजगारों पर निर्भर नहीं रह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अब तक के सख्त रुख से पीछे हटते हुए कहा है कि देश को विदेशी कुशल लोगों की जरूरत है। उन्होंने माना कि अमेरिका केवल लंबे समय से बेरोजगार बैठे लोगों पर निर्भर रहकर अपनी इंडस्ट्री और टेक्नोलॉजी को आगे नहीं बढ़ा सकता। एक समाचार चैनल को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने उद्योगों और रक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मैं सहमत हूं कि हमें अमेरिकी मजदूरों की तनख्वाह बढ़ानी चाहिए, लेकिन हमें यह टैलेंट भी लाना होगा। अमेरिका को दुनिया में आगे बनाए रखने के लिए ये जरूरी है।'

नई वीजा नीति में बड़ा बदलाव : इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने सितंबर महीने में एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद एच-1बी वीजा आवेदन की फीस में बड़ा इजाफा किया गया। अब नए वीजा के लिए 1,500 डॉलर की जगह 1 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) फीस देनी होगी। यह नियम 21 सितंबर के बाद दाखिल किए गए सभी नए आवेदन या 2026 की वीजा लॉटरी में शामिल होने वालों पर लागू होगा। हालांकि, जो लोग पहले से वीजा पर हैं या जिनके आवेदन पहले दिए गए हैं, वे इस नए नियम से प्रभावित नहीं होंगे।

हर बेरोजगार को नहीं सिखाया जा सकता मिसाइल बनाना : जब इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अमेरिका में पहले से काफी प्रतिभाशाली लोग हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'नहीं, ऐसा नहीं है। कुछ खास स्किल्स ऐसी हैं जो हमारे पास नहीं हैं। आप बेरोजगारों को सीधा नहीं कह सकते कि 'चलो, अब मिसाइल बनाना सीखो।' उन्हें ट्रेनिंग और अनुभव चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने जॉर्जिया राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां एक ह्युंडई बैटरी फैक्ट्री में जब दक्षिण कोरिया से आए कुशल मजदूरों को वापस भेजा गया, तो उत्पादन में भारी दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा, 'बैटरियां बनाना बहुत जटिल और खतरनाक काम है। कई विस्फोट की घटनाएं होती हैं। कोरिया से आए लोग इस काम में माहिर थे और वहीं से अमेरिकी कर्मचारियों को सिखा रहे थे। जब उन्हें भेज दिया गया, तो पूरी व्यवस्था ठप हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान उनके पुराने रुख से बिल्कुल अलग माना जा रहा है। पहले ट्रंप विदेशी कामगारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते रहे हैं और कहते थे कि इससे अमेरिकी नौकरियां छिनती हैं। लेकिन अब उन्होंने खुद कहा है कि 'देश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने में कई साल लगेंगे। तब तक हमें विशेषज्ञों को लाना ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट का एसएनएपी फूड सहायता पर रोक का आदेश जारी, शटडाउन के बीच अब कैसे गहराया भूख का संकट?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन के चलते अब भूख का संकट गहरा होता दिख रहा है। कारण है कि एक तरफ जहां शटडाउन के जल्दी खत्म होने की बात खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। तो दूसरी ओर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) यानी खाद्य सहायता योजना के पूर्ण भुगतान पर लगी अस्थायी रोक को कुछ और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अदालत का यह आदेश गुरुवार रात तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब संकेत मिल रहे हैं कि सरकारी शटडाउन जल्द खत्म हो सकता है और इससे करोड़ों लोगों को मिलने वाली फूड सहायता बहाल हो सकती है।

SNAP कार्यक्रम के तहत करीब 4.2 करोड़ अमेरिकी नागरिकों को खाने-पीने की चीजें खरीदने में मदद मिलती है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से राज्यों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कुछ राज्यों में लाभार्थियों को पूरा मासिक राशन मिल चुका है, जबकि कुछ को आंशिक या बिल्कुल नहीं मिला। अदालत ने फिलहाल कोई बड़ा कानूनी फैसला देने से परहेज करते हुए स्थिति को अस्थायी रूप से यथावत रखा है।

जरूरतमंदों की बढ़ी मुश्किलें, समझिए कैसे : अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में कुछ लोगों को नवंबर का पूरा लाभ मिल गया, लेकिन कई लोगों को अब तक कुछ नहीं मिला। 41 वर्षीय जिम मलियार्ड जो अपनी बीमार पत्नी और बेटी की देखभाल करते हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले दो हफ्तों से 350 डॉलर की मासिक एसएनएपी सहायता नहीं मिली। अब उनके पास सिर्फ .10 बचे हैं और परिवार चावल व इंस्टेंट नूडल्स पर गुजारा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर रात खर्च गिनता हूं ताकि परिवार का पेट चल सके। चिंता मेरी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। इस संकट के बीच कई आम नागरिक मदद के लिए आगे आए हैं। न्यूयॉर्क की शिक्षिका एशली ऑक्सेनफोर्ड ने अपने घर के सामने 'लिटिल फूड पैंट्री' लगाई ताकि जरूरतमंद पड़ोसियों को खाना मिल सके। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने शटडाउन के कारण अक्तूबर के बाद एसएनएपी फंडिंग रोकने का निर्णय लिया था, जिससे देशभर में मुकदमे शुरू हो गए। कुछ अदालतों ने सरकार को कम से कम आंशिक भुगतान करने का आदेश दिया, जिसके बाद प्रशासन ने 65प्रतिशत तक लाभ देने की बात मानी।

राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान प्रदर्शन-झड़प, जानें क्यों नाराज हैं आदिवासी समुदाय

बेलेम, एजेंसी। ब्राजील के अमेजन शहर बेलेम में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन (कॉप30) के मुख्य स्थल पर मंगलवार को कुछ प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कुछ देर के लिए सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इस दौरान दो सुरक्षाकर्मियों को मामूली चोटें आईं।

ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा टीम ने की कार्रवाई : मामले में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संगठन ने एक बयान में कहा, 'आज शाम, कुछ प्रदर्शनकारियों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा बैरियर तोड़ दिए, जिससे दो सुरक्षा कर्मियों को हल्की चोटें आईं और स्थल को मामूली नुकसान हुआ। ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा टीम ने तय प्रोटोकॉल के अनुसार तुरंत कार्रवाई की। फिलहाल स्थल पूरी तरह सुरक्षित है और सम्मेलन की बातचीत सामान्य रूप से जारी है।

झड़प से पहले क्या हुआ था : घटना उस समय हुई जब दिन का सत्र समाप्त हो रहा था और लोग सम्मेलन स्थल से बाहर निकल रहे थे। प्रदर्शनकारियों में कुछ लोग पीली टी-शर्ट में थे, जबकि कुछ आदिवासी समुदाय के पारंपरिक वस्त्र पहने हुए थे। ग्लोबल यूथ गठबंधन के युवा समन्वयक अगस्टिन ओकान्या, जो मौके पर मौजूद थे, ने बताया कि प्रदर्शनकारी शुरू में नाच-गाकर नारे लगा रहे थे। वह भी उनके साथ चलने लगे क्योंकि उनके कुछ दोस्त आदिवासी समूह में थे। ओकान्या के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं था कि पहले किसने सुरक्षा घेरा तोड़ा, लेकिन जैसे ही गार्डों ने दरवाजे बंद करने की कोशिश की और अतिरिक्त सुरक्षा बुला ली, स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग 'वे हमारे बिना हमारे लिए फैसले नहीं कर सकते' के नारे लगा रहे थे। यह नारा इस बात का प्रतीक था कि आदिवासी समुदाय महसूस करते हैं कि जलवायु वार्ताओं में उनकी भागीदारी को नजरअंदाज किया जा रहा है।

मौके पर मची अफरातफरी : जब टकराव बढ़ा, तो दोनों पक्षों के कुछ लोगों ने पास रखे छोटे प्लास्टिक के बक्सों से एक-दूसरे को मारना शुरू कर दिया। ओकान्या ने बताया कि एक सुरक्षा कर्मी के सिर में चोट लगी और दो-तीन लोगों के शरीर पर चोट के निशान थे।

आदिवासी समुदायों की नाराजगी क्यों? : ओकान्या ने कहा कि कई आदिवासी समुदाय नाराज हैं क्योंकि सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां जलवायु सम्मेलन के लिए 'एक नया शहर खड़ा करने' में भारी धन लगा रही हैं, जबकि उनके क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और जंगलों की सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतें अब भी अधूरी हैं। उन्होंने कहा, 'ये लोग बुरे नहीं हैं। वे हताश हैं, अपनी जमीन और नदी की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' ओकान्या ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया जलवायु संरक्षण पर सिर्फ बातें करती रही और ठोस कदम नहीं उठाए, तो इस तरह की घटनाएं आगे भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'यह घटना बस एक छोटी झलक है, अगर हमने धरती को बचाने की बातों को यूं ही टालते रहे, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

पाइन लैब्स का शेयर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स का शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई दोनों पर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुआ, जो कि निर्गम मूल्य 221 रुपए के मुकाबले 9.5 फीसदी अधिक है। सूचीबद्ध होने के तुरंत बाद शेयर ने तेजी जारी रखी और एनएसई पर 275 रुपए तथा बीएसई पर 274.85 रुपए तक पहुंच गया, जो क्रमशः 24.43 फीसदी और 24.36 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। पाइन लैब्स का आईपीओ 2,080 करोड़ रुपए का था, जिसमें नए शेयरों के साथ 8.23 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री शामिल थी। कंपनी के शेयरों के निर्गम मूल्य का दायरा 210-221 रुपए तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ को 2.46 गुना अभिदान मिला। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 31,118.29 करोड़ और बीएसई पर 31,095.32 करोड़ रुपए रहा।

मुथूट फाइनेंस का मुनाफा 87 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली गोल्ड लोन कंपनी मुथूट फाइनेंस का मुनाफा सितंबर 2025 तिमाही में 2,345 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,251.1 करोड़ रुपये से 87 फीसदी अधिक है। कुल आय बढ़कर 6,461 करोड़ रुपये और ब्याज आय 6,304 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का कुल खर्च 3,309 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 37 फीसदी अधिक है।

पिंपरी चिंचवाड़ में सरकारी जमीन की अवैध बिक्री, अधिकारी निलंबित

15 एकड़ पशुपालन विभाग की भूमि 33 करोड़ में बेची गई

पुणे पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ में पशुपालन विभाग की 15 एकड़ सरकारी जमीन कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन कर बेची गई। तथावडे क्षेत्र में यह भूखंड गैर-हस्तांतरणीय श्रेणी में होने के बावजूद 33 करोड़ रुपये में बिक्री के लिए पंजीकृत किया गया। राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना सरकारी संपत्ति की बिक्री अवैध है। इस मामले में महानिरीक्षक पंजीकरण (आईजीआर) ने हवेली नंबर 17 के वरिष्ठ लिपिक एवं प्रभारी उप-रजिस्ट्रार विद्या शंकर बाडे (सांगले) को निलंबित कर दिया। पंजीकरण और स्टांप के उप महानिरीक्षक तथा जिला रजिस्ट्रार द्वारा की गई संयुक्त जांच में पाया गया कि बाडे ने स्पष्ट प्रतिबंधों के बावजूद बिक्री विलेख पंजीकृत किया। आईजीआर ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह लापरवाही व्यक्तिगत थी या प्रणालीगत दोष भी शामिल थे।

एलिटकॉन के शेयर ने निवेशकों की बदली किस्मत

मुंबई एफएमसीजी कंपनी एलिटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने निवेशकों की किस्मत बदल दी है। कंपनी के शेयर की कीमत 1 रुपए से बढ़कर 145.70 रुपए तक पहुंच गई। पिछले एक साल में यह स्टॉक लगभग 11,000 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। अगर किसी निवेशक ने 1 साल पहले 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वर्तमान में उनकी राशि 1.1 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी होती। पनी ने 1 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है।

इंफोसिस का 18,000 करोड़ का सबसे बड़ा बायबैक शुरू

बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित

मुंबई आईटी दिग्गज इंफोसिस का 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक शुक्रवार से शुरू हो गया है। रिकॉर्ड डेट के अनुसार जिन निवेशकों के पास आज के अंत तक इंफोसिस के शेयर होंगे, वही इस बायबैक में हिस्सा ले पाएंगे। टी-प्लस1 सेटलमेंट नियम के कारण, शेयर खरीदने का अंतिम दिन 13 नवंबर था। कंपनी इस बायबैक को टेंडर ऑफर रूट के तहत कर रही है। बायबैक प्राइस 1,800 रुपए प्रति शेयर तय की गई है, जो हालिया बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी प्रीमियम पर है। बायबैक के तहत कंपनी 10 करोड़ शेयर वापस खरीदेगी, जो कुल इक्विटी का 2.41 फीसदी है। इस बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित है।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा बातचीतः गोयल

समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौते की इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है।

उनका कहना है कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि आईटीपीओ के माध्यम से 'आंध्र मंडपम' को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' जैसी वैश्विक पहचान वाला कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 42,000 अनुपालनों और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर व्यापार को आसान बनाया है। उनका मानना है कि इससे निवेश और व्यापार दोनों में सुगमता आएगी और वैश्विक व्यापार बाधाओं में कमी आएगी।

अदाणी समूह आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगाः करण अदाणी

निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा

विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में अदाणी समूह के करण अदाणी ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में समूह राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश पहले से किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा। निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा। समूह ने 15 अरब डॉलर की 'विजाग टेक पार्क' योजना का भी खुलासा किया। इसमें गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित-संचालित हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने बताया कि वर्तमान परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं और आगामी परियोजनाओं से और रोजगार सृजन की योजना है।

भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर क्षमता में कर रही हैं निवेश

मुंबई भारत में 50 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वर्कलोड आने वाले तीन से पांच वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। इसके लिए अगले 12 महीनों में नई डेटा सेंटर क्षमता में निवेश कर रही हैं। नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी सिस्को की ओर से बताया गया कि 91 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने सिस्टम में ऑटोनॉमस एआई एजेंट्स की तैनाती कर रही हैं और केवल 37 प्रतिशत ही उस पूरी तरह से सुरक्षित रख पाने में सक्षम हैं। सिस्को ने रिपोर्ट में कहा कि 97 प्रतिशत ग्लोबल पेससेटर्स ने यूस केस को अनलॉक करने और अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) प्राप्त करने के लिए एआई का उपयोग किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, वे नेटवर्क-फर्स्ट नींव का निर्माण करते हैं, पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देते हैं, निरंतर अनुकूलन करते हैं और पहले दिन से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर्मचारियों के लिए भी वर्कप्लेस में उनके काम करने के तरीकों को बदलने को लेकर एक अहम फैक्टर बना है। एक ताजा स्टडी बताती है कि 71 प्रतिशत कर्मचारी एआई का इस्तेमाल करियर को प्लान करने और प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने माइक्रो-रिटायरमेंट, मूनलाइटिंग, फ्लेक्सिबल शेड्यूल और बेयर-मिनिमम मंडे जैसे कम से कम एक नए वर्कप्लेयर बिहेवियर को अपनाना शुरू कर दिया है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 84 अंक, निफ्टी 30 अंक ऊपर आये

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैशिक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक की बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथूट फाइनेंस, जूबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला।

शुरुआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फेडरल रिज़र्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों से पिछड़ा, रुपए में स्थिरता की उम्मीदः रिपोर्ट

अगले साल चालू खाता घाटा 20 साल के निचले स्तर पर आने का अनुमान

नई दिल्ली

जेफरीज के एक प्रसिद्ध बाजार विशेषज्ञ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2024 में भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों की तुलना में काफी कमजोर प्रदर्शन करता दिखा है। उन्होंने बताया कि भारत का बाजार इस साल एमएससीआई उभरते बाजार इंडेक्स से 27 फीसदी पीछे रहा। इसके बावजूद, घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाए रखा है। रिपोर्ट के अनुसार रुपये ने इस साल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं के मुकाबले सबसे ज्यादा कमजोरी दिखाई, लेकिन आगे चलकर इसमें स्थिरता आने की संभावना है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के मात्र 0.5 फीसदी तक सिमट सकता है, जो पिछले दो दशकों में सबसे कम होगा। साथ ही, देश का 690 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 11 महीनों के आयात को कवर करने में सक्षम है, जिससे रुपये को सपोर्ट मिलता है। हालांकि, रिपोर्ट में एक बड़े जोखिम की चेतावनी भी दी गई है। उनके अनुसार कई राज्य सरकारें हाल के वर्षों में चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाएं और रियायतें बढ़ाती जा रही हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति कमजोर होती दिख रही है। जबकि केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, राज्यों की बढ़ती पॉपुलिस्ट नीतियां दीर्घकालिक आर्थिक संतुलन पर दबाव डाल सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार द्वारा ब्याज दरों में कमी, क्रेडिट में वृद्धि और 22 सितंबर से जीएसटी में कटौती जैसे कदमों का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों का वास्तविक असर आने वाले महीनों में दिखेगा।

अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट और रिटेल क्षेत्र में किया विस्तार

दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी

दुबई परिधान खुदरा और एफएंडबी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट क्षेत्र में कदम रखा है। इसके तहत कंपनी की सहायक कोरा प्रॉपर्टीज ने दुबई मैरीटाइम सिटी में 40 मंजिला वाटरफ्रंट आवासीय परियोजना आईएल वेंटो पेश की है। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है। अपैरल ग्रुप ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे आवासीय स्थल तैयार करना है जो जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करें। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बाद दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी, जिसमें वाणिज्यिक और अर्ध-वाणिज्यिक टावर शामिल होंगे। इसके अलावा, समूह भारत और अन्य उभरते बाजारों में शॉपिंग मॉल में निवेश करने की योजना बना रहा है। वेद का मानना है कि इन बाजारों में अब भी काफी संभावनाएँ हैं और साझेदारी के माध्यम से स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना प्राथमिकता होगी। अपैरल ग्रुप ने फ्रांस की खुदरा कंपनी कैरेफोर के साथ साझेदारी की है। शुरुआत में उत्तर भारत में कैरेफोर का विशेष ब्रांड पेश किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में विस्तार होगा। पहला स्टोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खुलने की उम्मीद है।

सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए

उद्योग को मिलेगा सस्ता कच्चा माल!

नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागों सहित 14 वस्तुओं पर लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला उद्योगों पर बढ़ते अनुपालन बोझ को कम करेगा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आसान बनाएगा। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से परामर्श के बाद इन आदेशों को जनहित में रद्द किया गया है। यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी हो गया है। अब 100 फीसद पॉलिएस्टर स्पन यार्न, पॉलिएस्टर इंडस्ट्रियल यार्न, **विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीयूरीथेन समेत कई इनपुट सामग्री के आयात और घरेलू बिक्री के लिए बीआईएस प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी। समिति की पिछले महीने प्रस्तुत आंतरिक रिपोर्ट में उद्योगों द्वारा उठाई गई चिंताओं को रेखांकित करते हुए 200 से अधिक उत्पादों पर क्यूसीओ को रद्द या स्थगित करने की अनुशंसा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूसीओ के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही थी और घरेलू कताई, बुनाई एवं परिधान उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल हासिल नहीं कर पा रहे थे।

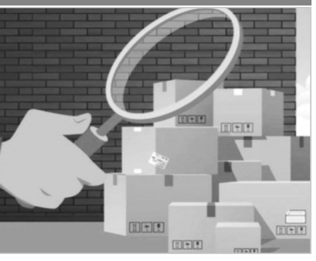

अक्टूबर में महंगाई दर में कमी, आरबीआई कर सकता हैं ब्याजदरों में कटौती

नई दिल्ली

देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अक्टूबर में महंगाई दर में कमी के चलते केंद्रीय बैंक फिर से दिसंबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी।

यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है।

एक रिपोर्ट में बताया गया कि उम्मीद से अधिक खाद्य महंगाई दर में कमी आने, बाकी बचे वर्ष में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति मजबूत रहने, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने और जीएसटी का फायदा लोगों तक पहुंचने के कारण हमारा अनुमान है कि खुदरा महंगाई दर इस वित्त वर्ष में औसत 2.5 प्रतिशत पर रहेगी है, जो कि पिछले वर्ष के आंकड़े 4.6 प्रतिशत से कम है।

बताया गया हैं कि कई बड़ी कैटेगरी में जीएसटी का प्रभाव अक्टूबर में पूरी तरह से ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में हमें नवंबर में देखने को मिलेगा।

खुदरा महंगाई दर नवंबर में वर्तमान में 0.9 प्रतिशत पर है, इसमें जीएसटी के प्रभाव के कारण और गिरावट आ सकती है। वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर अब 2 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है, जिसका सीधा अर्थ है कि आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान में 50 आधार अंकों की और गिरावट आएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 प्रतिशत से और कम कर सकती है, जो खाद्य कीमतों में नरम क्रमिक गति के साथ-साथ सीपीआई बास्केट में कई वस्तुओं पर जीएसटी दर युक्तिकरण के प्रभाव को देखते हुए संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिसंबर की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों के और कम होने का रास्ता साफ हो गया है।

सोने के भाव में 194 रुपए और चांदी में 555 रुपए की तेजी

सोना 1.27 लाख के करीब, चांदी 1,62,851 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली

घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। शुरुआती हल्की सुस्ती के बाद दोनों बहुमूल्य धातुओं में खरीदारी बढ़ी है, जिससे भावों में मजबूती देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 3 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,26,751 रुपये था। हालांकि बाद में तेजी लौटते हुए सोने का वायदा भाव 194 रुपये बढ़कर 1,26,945 रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,27,048 रुपये का दिन का उच्च और 1,26,748 रुपये का दिन का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोना 1,31,699 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 381 रुपये की तेजी के साथ 1,62,851 रुपये प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद 1,62,470 रुपये की तुलना में मजबूत शुरुआत रही। इसमें तेजी बढ़कर 555 रुपये तक पहुंच गई और यह 1,63,025 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 1,63,333 रुपये का दिन का उच्च और 1,62,714 रुपये का दिन का निम्न स्तर बनाया। वर्ष 2024 में चांदी का उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो दर्ज हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,174.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 4,205.60 डॉलर पर पहुंच गया। चांदी के भाव भी 52.20 डॉलर से बढ़कर 53.35 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गए। दोनों धातुओं में वैश्विक स्तर पर बने सकारात्मक माहौल का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।

लोटस बेकरीज ने भारत में लॉन्च की 'बिस्कॉफ कुकी'

कंपनी मोंडेलेज के साथ साझेदारी में बढ़ाएगी बाजार विस्तार

नई दिल्ली

बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय स्नैक फूड कंपनी लोटस बेकरीज ने भारत में अपनी प्रसिद्ध 'बिस्कॉफ कुकी' पेश किया है। इस लॉन्च के लिए कंपनी ने मोंडेलेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में बिस्कॉफ के लिए शीर्ष तीन-चार बाजारों में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि बिस्कॉफ वर्तमान में दुनिया के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। बिस्कॉफ का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी की महत्वाकांक्षा है कि बिस्कॉफ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कुकी ब्रांड बने, मोंडेलेज के ओरियो और चिप्स अहोय! के बाद। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भागीदारी वैश्विक ब्रांड बनने के लिए अनिवार्य है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि भारत में खुदरा और वितरण प्रणाली जटिल है, इसलिए कंपनी अकेले बाजार पर विजय प्राप्त नहीं कर सकती। इसीलिए एक मजबूत स्थानीय साझेदार मोंडेलेज का समर्थन जरूरी था। मोंडेलेज भारत में बिस्कॉफ के लिए ओरियो जैसी रणनीति अपनाएगी। इसका मतलब है कि उत्पाद पारंपरिक और आधुनिक व्यापार दोनों में उपलब्ध होंगे, साथ ही ई-कॉमर्स चैनलों पर भी बिक्री की जाएगी। पैकिंग में बड़े पैक के साथ-साथ छोटे और किफायती पैक (10 रुपए से शुरू) भी शामिल होंगे।

संक्षिप्त

अजीतेश ताइफोंग ओपन गोल्फ में सर्वश्रेष्ठ भारतीय

ताइपे, एजेंसी। अजीतेश संधू ताइवान ग्लास ताइफोंग ओपन के चौथे और आखिरी दौर में 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 22वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर रहे। एस चिक्करंगप्पा (70) संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहे।

थाईलैंड के एकफारित वू ने अंतिम दौर में स्थानीय खिलाड़ी हंग चिएन-याओ को दो शॉट से हराकर अपने पदार्पण सत्र में एशियाई टूर पर अपना पहला खिताब जीता। 26 वर्षीय वू ने पार-72 कोर्स पर पांच अंडर-पार 67 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 20 अंडर का रहा। भारत के खालिन जोशी (71) संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे, जबकि विराज मदप्पा (72) संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर रहे। युवराज सिंह गिल (72) संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहे।

थाईलैंड ने मैत्री मुकाबले में भारत को 4-0 से हराया

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के खिलाफ भारत की अंडर-23 राष्ट्रीय टीम को फुटबॉल के मैत्री मुकाबले में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। पथुम थानी के थम्मासैट स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए इस मुकाबले में थाईलैंड ने आक्रामक शुरुआत की इस दौरान भारतीय टीम ने भी कई बार जवाबी हमले किये। सिराफोप वांडी ने (32वें मिनट) में गोलकर थाईलैंड को बढ़त दिलाई। भारत के पास 40वें मिनट में बराबरी करने का सुनहरा मौका था जब ऐमेन बाईं ओर से अपने मार्करों को चकमा देते हुए गोल लाइन तक पहुंच गए और विनीत वेंकटेश के लिए गेंद को वापस कट किया। विनीत पास को नियंत्रित नहीं कर पाए और गोल करने से चूक गये। इसके बाद फोन-एक मनीकोर्न ने (42वें मिनट) ने पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ-टाइम तक बढ़त को दोगुना कर दिया। हॉफ टाइम के बाद चैयाफोन ओटन ने (47वें मिनट) ने तीसरा, जबकि थानाकृत चोटमुआंगपाक (62वें मिनट) ने चौथा गोल किया।

थीगाला बरमूडा में संयुक्त 39वें स्थान पर पहुंचे

साउथम्पटन (बरमूडा), एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहिथ थीगाला बटरफील्ड बरमूडा चैम्पियनशिप के तीसरे दौर के बाद संयुक्त 39वें स्थान पर आ गए हैं।

पहले दो दौर में 76 और 65 का कार्ड खेलने वाले थिगाला ने तीसरे दौर में तेज हवाओं के बीच 71 का स्कोर बनाया। अब उनका कुल स्कोर दो अंडर हो गया है। दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से 46वें स्थान पर थे। इस बीच एडम शेंक ने बोगी रहित राउंड खेला और चार अंडर 67 का स्कोर बनाया, जिससे वह ब्रैडेन थॉर्नबेरी के साथ संयुक्त बढ़त पर आ गए।

स्पेन विश्व कप में जगह बनाने के करीब, बेल्जियम ने ड्रॉ खेला

बार्सिलोना (स्पेन), एजेंसी। मिकेल ओयारजाबल के दो गोल की मदद से स्पेन ने विश्व कप क्वालिफाइंग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को जॉर्जिया को 4-0 से हराकर अगले साल होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। स्पेन की टीम ने ग्रुप चरण में पांच मैच में जीत हासिल की है। उसने अब तक 19 गोल किए हैं और उसके खिलाफ एक भी गोल नहीं हुआ है। यूरोपीय चैंपियन मंगलवार को अपने अंतिम क्वालिफायर में तुर्किए से भिड़ेगा (स्पेन ग्रुप ई में तुर्किए से तीन अंक आगे है, जिसने शनिवार को बुल्गारिया को 2-0 से हराया था। यूरोपीय क्वालिफिकेशन के 12 ग्रुप विजेता सीधे विश्व कप में प्रवेश करेंगे। फ्रांस, इंग्लैंड और क्रोएशिया अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पक्का करके विश्व कप में जगह बना चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया

टेस्ट सीरीज

- भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही
- साइमन हार्मर और मार्को यानसन का कहर

कोलकाता, एजेंसी। कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू पारी के बाद साइमन हार्मर (चार विकेट), मार्को यानसन और केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर विश्व चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच में तीसरे ही दिन भारत को रविवार को 30 रनों से हरा दिया।

124 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत को तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भोजनकाल से पहले यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल को सस्ते में निपटा दिया। भोजनकाल तक भारत ने दो विकेट पर 10 रन बना लिये थे। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में मार्को यानसन ने यशस्वी जयसवाल (शून्य) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउट कराकर दक्षिण अफ्रीका पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे ओवर में केएल राहुल को भी उसी तरह आउट कराकर दिखाया कि बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पिच पर वह आसानी से भारत को जीतने नहीं देंगे।

भारत का तीसरा विकेट 15वें ओवर में ध्रुव जुरेल (13) के रूप में गिरा। उन्हें साइमन हार्मर ने आउट किया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये और तू चल मैं आया की तर्ज पर एक-एक कर पवेलियन लौटते चले गये। ऋषभ पंत (दो) और रवींद्र जडेजा (18) को हार्मर ने आउट किया। 31वें ओवर में एडन मारक्रम ने वॉशिंगटन सुंदर (31) को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीद को खत्म कर दिया। 35वें ओवर में केशव महाराज ने अक्षर पटेल (26) और मोहम्मद सिराज को आउटकर भारत की दूसरी पारी का 93 के स्कोर पर अंत कर दिया। केशव महाराज ने अपने ओवर में एक चौका और दो छक्के खाने के बाद अक्षर पटेल का शिकार किया।

इससे पहले मोहम्मद सिराज (दो रन देकर दो विकेट) और जसप्रीत बुमराह (एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सुबह के सत्र में भोजनकाल से पहले दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी को 153 रनों के स्कोर पर समेट दिया। कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और मुश्किल पिच पर भारत को जीत के लिए 124 रनों का लक्ष्य मिला। दक्षिण अफ्रीका ने कल के सात विकेट पर 93 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में टेम्बा बावुमा ने अपनी जुझारू बल्लेबाजी का परिचय देते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी दौरान जसप्रीत बुमराह ने कॉर्बिन बॉश (29) को बोल्डकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई।

इसके बाद 54वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने पहले साइमन हार्मर (सात) को बोल्ड किया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर केशव महाराज को पगबाधा आउटकर 153 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी का अंत कर दिया। पहली पारी के आधार पर भारत को मिली बढ़त 30 रनों की बढ़त के आधार पर उसे जीत के लिए 124 रनों का लक्ष्य मिला। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने चार ने चार विकेट लिये। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को दो-दो विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। भारत का सुबह के सत्र में दक्षिण अफ्रीका को अतिरिक्त रन बनाने के मौके देना अंततः भारी पड़ा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के कारण अस्पताल में भर्ती थे और बल्लेबाजी करने नहीं आ पाए। भारत की पारी 93 रन पर सिमट गई।

हमें इस लक्ष्य को हासिल करना चाहिए था : पंत

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 124 रन का पीछा नहीं कर पाने पर अफसोस जताते हुए उप कप्तान ऋषभ पंत ने रविवार को कहा कि बल्लेबाजों को ईडन गार्डन्स की मुश्किल पिच पर खेलने की चुनौती के अनुकूल ढल जाना चाहिए था। भारतीय टीम दूसरी पारी में 93 रन पर ढेर हो गई जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन की जीत से दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

चोटिल होने के कारण नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में आए पंत ने कहा "इस तरह के मैच के बाद आप इसके बारे में ज्यादा सोचते हुए नहीं रह सकते। हमें इस लक्ष्य को हासिल करना चाहिए था। दूसरी पारी में दबाव बढ़ता जा रहा था। हम फायदा नहीं उठा पाए। विकेट से (गेंदबाजों को) मदद मिल रही थी।"

पंत ने कहा कि मेजबान टीम गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट मैच में मजबूती से वापसी करेगी। उन्होंने आगे कहा, "इस तरह की मुश्किल पिचों पर 120 रन का स्कोर मुश्किल हो सकता है। लेकिन फिर भी हमें दबाव झेलकर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। हमने सुधारों के बारे में नहीं सोचा है, लेकिन हम निश्चित रूप से मजबूत वापसी करेंगे।" इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा और कॉर्बिन बॉश के बीच आठवें विकेट के लिए हुई 44 रन की साझेदारी मैच का 'टर्निंग प्वाइंट' थी। पंत ने कहा, "तेम्बा और बॉश ने सुबह अच्छी साझेदारी की। उनके बीच की इस साझेदारी से हमें नुकसान पहुंचा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा ने अपनी टीम को मैच में बनाए रखने का श्रेय गेंदबाजों को दिया। बावुमा ने कहा, "हम इन मैचों के नतीजे में सही तरफ रहना चाहते हैं। यह हमारे लिए मुश्किल था और हमें वापसी के लिए गेंदबाजों की जरूरत थी।" उन्होंने कहा, "हम अपने गेंदबाजों को बार-बार बदलते रहे जो हमारे लिए कारगर रहा। हमारे गेंदबाजों ने हर बार मदद की।"

बावुमा ने रविवार को तीसरे दिन के पहले घंटे में कुछ अहम रन जोड़ने में मदद के लिए बॉश को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, "बॉश के साथ मेरी साझेदारी अच्छी रही। आज सुबह विकेट बेहतर था, उतना ज्यादा उतार-चढ़ाव वाला नहीं था। ऐसा हर बार नहीं होता कि 120 रन बनाने के बाद आपको लगे कि आप मैच में हैं।" बावुमा ने नाबाद 55 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को बचाव का मौका मिला और वह अपने प्रयास से खुश थे।

'मैन ऑफ द मैच' बने साइमन हार्मर आठ विकेट लेकर जीत में योगदान देकर खुश थे। उन्होंने कहा, "मुझे लगा कि आज पिच थोड़ी सपाट थी क्योंकि गेंद पुरानी हो गई थी। यह उतनी तेजी से नहीं उछल रही थी। पर योगदान देकर अच्छा लगा।" हार्मर ने कहा, "मैं जीत से खुश हूं। श्रृंखला में अभी एक मैच बाकी है, इसलिए हम इसका आनंद लेंगे।"

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को सात रनों से हराया

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। डैरिल मिशेल (119) और डेवन कॉन्वे (49) की शानदार बल्लेबाजी के बाद काइल जेमीसन (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को रोमांचक मुकाबले में सात रनों से हराया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के खिलाफ काइल जेमीसन ने जॉन कैंपबेल (चार) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद केसी कार्टी और ऐलेक ऐथनेज की जोड़ी ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। 21वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने ऐलेक ऐथनेज (29) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नहीं खेल पाये। केसी कार्टी (32), कप्तान शाई होप (37), रॉस्टन चेज (16) रन बनाकर आउट हुये। शरफेन रदरफोर्ड ने वेस्टइंडीज के लिए 61 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से सर्वाधिक 55 रनों की पारी खेली।

रोमारियो शेफर्ड और जस्टिन ग्रीव्स आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी के बावजूद वेस्टइंडीज को जीत नहीं दिला पाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी तीन ओवरों में 37 रन ठोके। वेस्टइंडीज 50 ओवर में छह विकेट पर 262 रन ही बना सकी और मुकाबला सात रनों से हार गई। 119 रनों की शतकीय पारी खेलने वाले डैरिल मिशेल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने डैरिल मिशेल की (119) की शतकीय पारी के दम पर सात विकेट पर 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। ऐसे संकट के समय डैरिल मिशेल ने डेवोन कॉन्वे के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। 19वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने डेवन कॉन्वे (49) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद डैरिल मिशेल जहां जुझारू पारी का प्रदर्शन करते हुए स्कोर को आगे बढ़ाते रहे। वहीं अन्य बल्लेबाज वेस्टइंडीज की अनुशासित आक्रमण से जूझते दिखे। टॉम लेथम (18), माइकल ब्रेसवेल (35) और कप्तान मिचेल सैंटनर (11) रन बनाकर आउट हुये।

न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स ने तीन विकेट लिये। मैथ्यू को दो विकेट मिले। रॉस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल 2026 में ऋतुराज गायकवाड़ होंगे चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान

आईपीएल

- आईपीएल का पिछला सीजन गायकवाड़ के लिए मुश्किल भरा था

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने एक्स पोस्ट से साफ कर दिया कि आईपीएल 2026 में टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ही करेंगे। फ्रेंचाइजी ने औपचारिक ऐलान नहीं किया, लेकिन पोस्ट में जिस तरह तस्वीर और संदेश दिया था, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट था कि कप्तानी फिर से गायकवाड़ के पास ही रहेगी।

पिछला सीजन गायकवाड़ के लिए मुश्किल भरा था। उन्होंने आईपीएल 2025 के शुरुआती पांच मैचों में टीम की कप्तानी की थी। इन मुकाबलों में चेन्नई को सिर्फ एक जीत मिली थी और चार मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। इन्हीं पांच मैचों में गायकवाड़ ने 122 रन बनाए थे। राजस्थान के खिलाफ उन्हें कोहनी पर चोट लगी और उसके बाद वह पूरे सीजन से बाहर हो गए। टीम की कप्तानी फिर एम एस धोनी ने संभाली, लेकिन चेन्नई का प्रदर्शन नहीं सुधरा और वे 14 में से केवल चार मैच जीतकर आखिरी पायदान पर रहे।

चेन्नई ने आईपीएल 2026 से पहले अपने स्क्वाड में बड़े बदलाव किए हैं। रवींद्र जडेजा और सैम करन को ट्रेड कर दिया गया है और कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया गया है। टीम ने ऋतुराज और धोनी के साथ मजबूत कोर बनाए रखा है और कुछ दिलचस्प रिटेंशन्स भी किए हैं। साथ ही टीम में संजू सैमसन का होना, उन्हें मजबूती प्रदान करेगा।

सीएसके द्वारा आईपीएल 2026 से पहले रिलीज किए गए खिलाड़ी : रवींद्र जडेजा (आरआर को ट्रेड), आंद्रे सिद्धार्थ, दीपक हुड्डा, डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र, मथीशा पथिराना, सैम करन (आरआर को ट्रेड), कमलेश नागरकोटी, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, विजय शंकर

बचा हुआ पर्स : 43.40 करोड़ रुपए

बाकी स्लॉट : 9 (इनमें 4 विदेशी)

चेन्नई को नीलामी में सबसे बड़ी तलाश एक शानदार विदेशी ऑलराउंडर की होगी, जो सैम करन की जगह भर सके। पर्स उनके पास पर्याप्त है और वे आंद्रे रसेल, ग्लेन मैक्सवेल, लियम लिविंगस्टन या कैमरन ग्रीन में से किसी पर भी बड़ा दांव लगा सकते हैं। टीम नाथन एलिस के लिए एक सीम बॉलिंग बैकअप की भी खोज करेगी।

अब जबकि ऋतुराज पूरी तरह फिट लौट रहे हैं और फ्रेंचाइजी ने टीम की संरचना में कई बड़े बदलाव किए हैं, सीएसके उम्मीद कर रही है कि 2026 उनके लिए नए सिरे से शुरुआत का मौका बनेगा।

रिटेन किए गए खिलाड़ी

एम एस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (आरआर से ट्रेड), आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह, अंशुल कम्बोज

विश्व मुक्केबाजी कप

टूर्नामेंट में प्रत्येक वर्ग में दुनिया के केवल आठ शीर्ष मुक्केबाज़ों ने हिस्सा लिया

मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश और नरेंद्र ने पहले दिन पदक पक्के किए

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। विश्व चैंपियन मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश फंगल और नरेंद्र बेरवाल ने भारत को विश्व मुक्केबाजी कप फ़ाइनल 2025 के पहले दिन शानदार शुरुआत दिलाई, जहां चारों ने प्रभावशाली जीत के साथ पदक पक्के किए। टूर्नामेंट में प्रत्येक वर्ग में दुनिया के केवल आठ शीर्ष मुक्केबाज़ों ने हिस्सा लिया, लेकिन भारतीय चौकड़ी ने पहले दौर में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश कर लिया और शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पोडियम फ़िनिश सुनिश्चित कर ली।

विश्व स्तरीय दावेदारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित इस क्षेत्र में, हर मुकाबले में सटीकता और संयम की आवश्यकता थी, और भारतीयों ने पूरी क्षमता से इस अवसर का लाभ उठाया। विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल 2025 की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने शुरुआत में ही अपनी लय बना ली और कज़ाकिस्तान की बोल्ट अकबोटा के खिलाफ पहली घंटी से ही अपने सटीक और साफ मुक्कों से एक तेज मुकाबले की शुरुआत की। प्रीति (54 किग्रा) ने भी अपने तेज पैरों और तीखे कॉम्बो का इस्तेमाल करते हुए उज्बेकिस्तान की पूर्व युवा विश्व चैंपियन निगिना उक्तामोवा को पूरी तरह से आक्रामक प्रदर्शन करते हुए पीट दिया।

बाद में, अंकुश फंगल (80 किग्रा) ने दिन का सबसे संयमित प्रदर्शन किया, शुरुआती दबाव को झेलने के बाद चतुराई से मिश्रित खेल के साथ अपनी रणनीति बदली। सटीक मौके ढूँढ़ते हुए, उन्होंने जापान के गो वाकाया को कड़ी टक्कर देते हुए सर्वसम्मत जीत हासिल की। 90 किग्रा वर्ग में, नरेंद्र बेरवाल ने एक दृढ़ और प्रभावशाली प्रदर्शन किया-अनुशासित डिफेंस और शक्तिशाली बॉडी-हेड कॉम्बिनेशन से अपनी आँख के ऊपर लगे घाव को पार करते हुए यूक्रेन के एंड्री खालेत्स्की पर 4:1 से मजबूत जीत हासिल की।

दूसरे दिन भारत का शीर्ष पुरुष दल आक्रामक तेवर दिखाएगा, और दूसरे सत्र में दोपहर 2 बजे तीन बड़े मुकाबले होंगे। पवन बर्त्वाल (55 किग्रा) दिन की शुरुआत कज़ाकिस्तान के अल्टीनबेक नूरसुल्तान के खिलाफ करेंगे, जो विश्व मुक्केबाजी कप ब्राज़ील 2025 के स्वर्ण पदक विजेता और इस वर्ग के उभरते हुए दिग्गजों में से एक हैं। उनके बाद सुमित (75 किग्रा) का सामना कोरिया के किम ह्योन-तए से होगा, जो एक कुशल और शारीरिक रूप से प्रभावशाली दावेदार हैं और अपनी दबाव-रोधी शैली के लिए जाने जाते हैं। 90 किग्रा के क्वार्टर फ़ाइनल में नवीन कुमार का सामना कज़ाकिस्तान के दिग्गज तंगातर बेकज़ात से होगा।

शाम को होने वाले तीसरे सत्र में भारत के दो सबसे प्रतीक्षित मुकाबले होंगे। विश्व मुक्केबाजी कप ब्राज़ील 2025 के पदक विजेता जदुमणि सिंह (50 किग्रा) का मुकाबला कज़ाकिस्तान के ओंगारोव नूरज़ात से होगा, जो एक तेजी से उभरता हुआ मुक्केबाज है और अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर धूम मचा रहा है। दिन के सबसे अहम मुकाबले में हितेश (70 किग्रा) का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त सेवोन ओकाज़ावा से होगा, जो 2022 एशियाई खेलों के पदक विजेता और तकनीकी रूप से सबसे अनुभवी मुक्केबाज़ों में से एक हैं। यह मुकाबला शुरुआती दौर के निर्णायक मुकाबलों में से एक होने का वादा करता है।

पहले दिन अन्य जगहों पर, वैश्विक मुक्केबाज़ों ने शीर्ष आठ विश्व टूर्नामेंट के अनुरूप कई शानदार प्रदर्शन किए। पोलैंड की विक्टोरिया रोगालिन्स्का ने यूक्रेन की इन्ना स्टेटकेविच (5:0) को हराकर महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में बढ़त हासिल की, जबकि उज़्बेकिस्तान की अज़ीज़ा जोकिरोवा ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग में नाइजीरिया की पेट्रीसिया मवाटा को 5:0 के प्रभावशाली स्कोर से हराया। पुरुषों के ड्रॉ में, यूक्रेन के एल्विन अलीएव और उज़्बेकिस्तान के अदखमजोन मुखिद्दीनोव ने अपने-अपने 65 किग्रा क्वार्टर फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5:0 से जीत हासिल की, जबकि कज़ाकिस्तान के बेगालियेव संझार-अली और ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन ने 80 किग्रा वर्ग में निर्णायक जीत हासिल की। उज़्बेकिस्तान के खलीमजोन मामासोलिएव ने भी 90 किग्रा वर्ग में 5:0 के शानदार परिणाम के साथ शानदार प्रदर्शन किया।

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। य ह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।

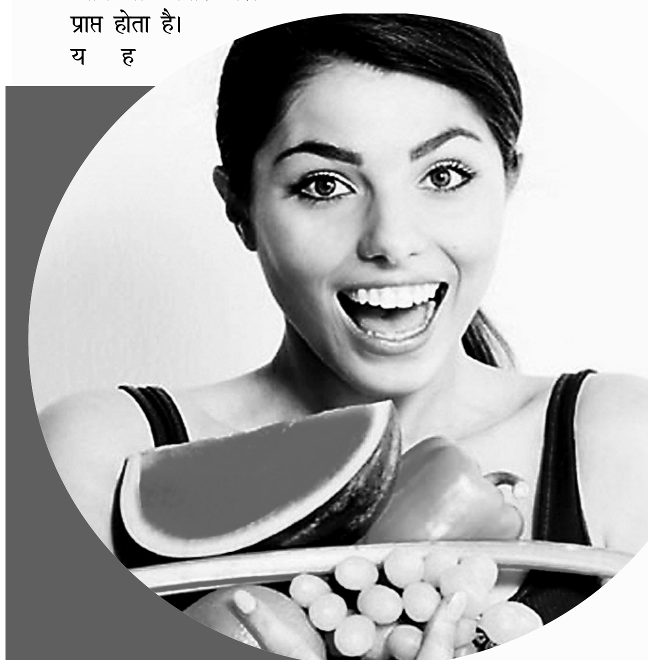

- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडना, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाडू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो- तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

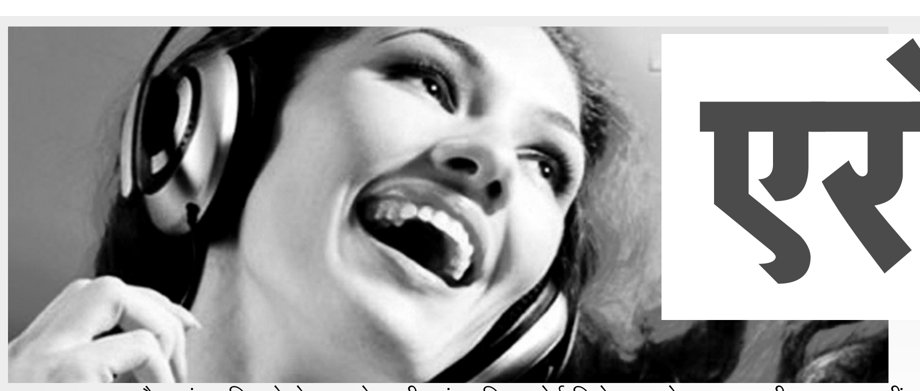

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो–सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली–लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो–सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद्?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद्?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन–चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन–मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती–फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन

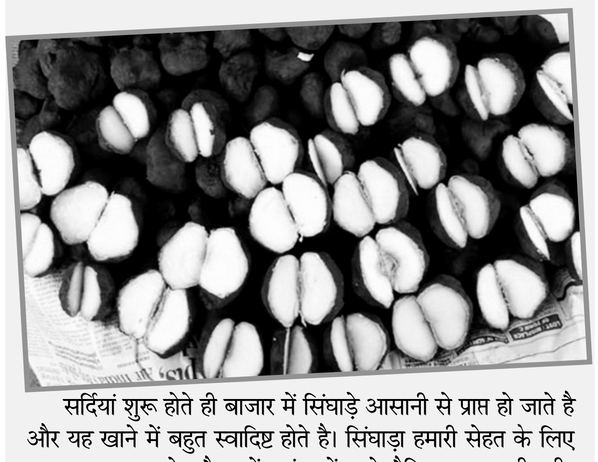

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

पहली बार रियल लाइफ बेस्ड किरदार प्ले करेंगी एक्ट्रेस कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी अपने करियर के सबसे रोमांचक मोड़ पर हैं। एक ओर वह हाल ही में मातृत्व सुख का अनुभव कर चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पास कई बड़े और महत्वाकांक्षी फिल्म प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। इनमें सबसे बड़ी और चर्चित घोषणा है उनकी मीना कुमारी की बायोपिक कमाल और मीना में मुख्य भूमिका। यह फिल्म न सिर्फ कियारा के अभिनय करियर का नया अध्याय खोलेगी, बल्कि मां बनने के बाद परदे पर उनके कमबैक को भी यादगार बनाएगी। दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी और फिल्मकार कमाल अमरोही के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म को लेकर लंबे समय से चर्चा थी कि मीना का रोल कौन निभाएगा, कियारा आडवाणी या कृति सेनन। अब आधिकारिक रूप से तय हो गया है कि यह चुनौतीपूर्ण किरदार कियारा के हिस्से में आया है। यह फिल्म मीना और कमाल के तूफानी रिश्ते की कहानी को बड़े परदे पर पेश करेगी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमाल के पोते बिलाल अमरोही कर रहे हैं और निर्देशन हिचकी फेम सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा करेंगे। यह कियारा की पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें वह किसी वास्तविक जीवन पर आधारित किरदार को परदे पर निभा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टर सिद्धार्थ को कियारा में विंटेज बॉलीवुड चार्म और मीना कुमारी की भावनात्मक गहराई से जुड़ने की इमोशनल रेंज नजर आईं, जिसके बाद यह फैसला किया गया। फिल्म की शूटिंग 2026 के पहले हिस्से में शुरू होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि वह अपनी भूमिका के लिए उर्दू उच्चारण और अंदाज पर भी काम करेंगी। फिलहाल कमाल के किरदार के लिए एक्टर की तलाश जारी है।

मां बनने के बाद कियारा का है यह पहला बड़ा प्रोजेक्ट साबित होगा

मां बनने के बाद यह कियारा की पहली फिल्म होगी, जो उनके लिए एक नई यात्रा की शुरुआत मानी जा रही है। कमाल और मीना के जरिए वह एक बार फिर दर्शकों को अपने अभिनय की गहराई से रूबरू कराएंगी। यह बायोपिक न सिर्फ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बनेगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि कियारा कितनी सहजता से ग्लैमरस भूमिकाओं से निकलकर भावनात्मक और क्लासिक किरदारों में ढल सकती हैं। कमाल और मीना के अलावा कियारा के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं इनमें सबसे चर्चित टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स है, जिसमें वह कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ नजर आएंगी।

यामी और इमरान से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे। अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए। फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है।

मुझे कलाकार के तौर पर चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल जगद्धात्री में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल जगद्धात्री जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने बातचीत में कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं। आजकल धैर्य की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए। सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो नागिन से शुरू हुआ था। मैंने महाभारत और नामकरण जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल जगद्धात्री बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

श्रिया पिलगांवकर ने खत्म की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। जिसके साथ श्रिया ने जानकारी दी है कि उन्होंने फिल्म हैवान में अपने हिस्से की शूटिंग खत्म कर ली है। प्रियदर्शन के साथ श्रिया पिलगांवकर ने एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। यह तस्वीर फिल्म हैवान के सेट की है। इस तस्वीर में श्रिया और प्रियर्दशन मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। श्रिया ने अपनी और प्रियदर्शन की इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने। आगे श्रिया ने हैवान की पूरी टीम का धन्यवाद किया। आगे श्रिया ने फिल्म के स्टार्स को लेकर लिखा, सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा।

फिल्म हैवान के बारे में

बॉलीवुड आगामी फिल्म हैवान में अक्षय कुमार और सैफ अली खान हैं, जो प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित है। यह 2016 की मलयालम फिल्म ओप्पम का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में श्रिया के अलावा सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे।

कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी पूजा भट्ट की नई फिल्म, जितेंद्र कुमार नजर आएंगे

पूजा भट्ट ने अपनी नई फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म भारत की कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के एक्टर पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर जितेंद्र कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, दो दमदार कलाकार। एक गहरी कहानी। अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद खुश हूं। यह भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा, कबूतरबाजी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है।

फिल्म की स्टार कास्ट

पूजा भट्ट की इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा भट्ट मां की भूमिका में नजर आएंगी, जबकि जितेंद्र उनके बेटे का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के निर्माता ख्याति मदान और सह-निर्मिता हितेश केवले हैं। इस फिल्म को बिलाल हसन द्वारा लिखित और निर्देशित किया जाएगा।

जितेंद्र कुमार का करियर

जितेंद्र कुमार को हाल ही में पंचायत सीरीज के तीसरे सीजन में देखा गया था। जितेंद्र को टीवीएफ पिचर्स में जीतू, कोटा फैक्ट्री में जीतू भैया और पंचायत में अभिषेक त्रिपाठी के किरदारों के लिए जाना जाता है। जितेंद्र ने शुभ मंगल ज्यादा सावधान, जादूगर और ड्राई डे शामिल हैं। अब वह पूजा भट्ट के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

किसकी बायोपिक करना चाहते हैं जितेंद्र

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जितेंद्र ने बताया था कि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विराट कोहली की कहानी बेहद प्रेरणादायक लगती है। अगर कभी मौका मिला तो मैं जरूर उनकी बायोपिक करना चाहूंगा।'

विदेशों में भारतीयों की घिसी-पिटी छवि बनी हुई है

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है।

दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है। दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अक्सर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए। दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वो एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

विन डीजल के साथ हॉलीवुड डेब्यू

दीपिका ने 2017 में विन डीजल के साथ 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से दीपिका ने कई इंटरनेशनल ब्रांड साइन किए हैं और ग्लोबल मंच पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हालांकि, उसके बाद से दीपिका किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं।

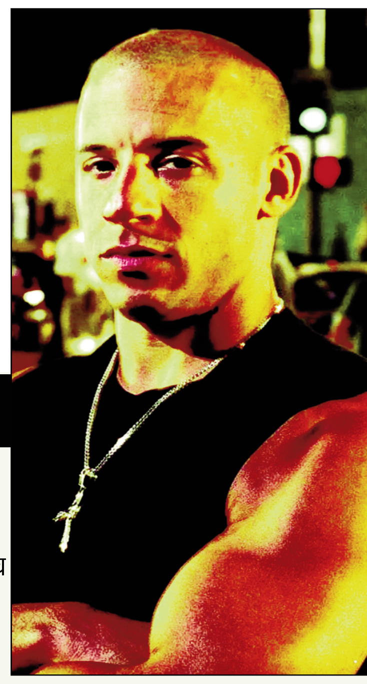

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009